



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 12, 1975 (आषाढ़ 21, 1897)

No. 28]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 12, 1975 (ASADHA 21, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मई 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19-4-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सम्रा को राष्ट्रपति द्वारा 1-5-75 से 30-6-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए० 32014/4/1/75-प्रशासन -III:—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19-4-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्त को राष्ट्रपति द्वारा 1-5-75 से 30-6-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा 1—146GI/75

के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० आर०-7/70-प्रशासन-5—श्री राम सरन, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, नई दिल्ली ने दिनांक 30-4-75 के अपराध में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक

(5485)

1-5-75 से 61 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए।

निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, वह दिनांक 30-6-75 को सरकारी सेवा से निवृत्त होंगे।

सं० ए-19036/8/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री आर० के० भट्टाचार्या, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता को दिनांक 3-5-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक जून 1975

सं० ए०-1936/ /75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एल० एन० मिश्रा को दिनांक 23-5-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एम० 7/73-प्रशासन-5 — केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपनी पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त कर लेने पर, श्री एम० गोपालन ने दिनांक 31-5-75 के अपराह्न में संयुक्त निदेशक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया है और वे 120 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए।

दिनांक 13 जून 1975

सं० पी० एफ०/जे-83/74-प्रशासन-1 — राजस्थान राज्य पुलिस विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राजस्थान राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री जयकरण को दिनांक 13-5-75 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष एकक, नई दिल्ली में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था)

दिनांक 13 जून 1975

सं० ए० 20014/23/75 -प्रशासन-1 — पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री रवि प्रकाश सिन्हा, पुलिस उप-निरीक्षक (बम्बई शाखा) को, उनकी प्रोन्नति हो जाने पर, दिनांक 18 मार्च, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग (आर्थिक अपराध स्कंध), बम्बई शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था)
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक,
विशेष पुलिस स्थापना

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1975

सं० 32/1/75 -प्रशासन —केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री के० एल० मल्होत्रा, स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थाई रूप से उसी ग्रेड में 1 जनवरी, 1974 से नियुक्त करते हैं।

सं० 32 (1)/75-प्रशासन (1) :— केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री एल० यगनारायनन, स्थानापन्न वरिष्ठ निजी महायक को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थाई रूप से उसी ग्रेड में 11 सितम्बर, 1972 से नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिधे,
अवर सचिव,

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 मई 1975

सं० ई-16/013 (2) /3/73-प्रशासन-1 — श्री ए० वी० वी० मुदालियन, आई० पी० एस० (महाराष्ट्र 1964) ने श्री आर० पद्मानाभन, आई० पी० एस० (केरल-1966), के स्थान पर दिनांक 31 मार्च, 75 के अपराह्न से, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत उर्वरक निगम, ट्रुम्बे, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री आर० पद्मानाभन, आई० पी० एस०, ने राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तित होने पर, उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 28 मई 1975

सं० ई-16013(2) /2/75-प्रशासन-1 — पश्चिम बंगाल संवर्ग से स्थानान्तरित होने पर, श्री वी० सहाय, आई० पी० एस० (पश्चिम बंगाल-1967) ने दिनांक 5 मई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 2 जून 1975

सं० ई-16014/(4)/1/75-प्रशा-1:— सीमा सुरक्षा दल से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री हरिंदरपाल सिंह, सहायक कमांडेंट, 30 बटालियन, सीमा सुरक्षा दल, भिखीविण्ड, अमृतसर ने दिनांक 30 जून, 75 के पूर्वाह्न से, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट भारत कृत्रिम अंग निर्माण निगम परियोजना, कानपुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 3 जून 1975

सं० ई-38013(2)/1/75-प्रशा० 1 :— दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर, से स्थानांतरित होने पर, श्री लक्ष्मण दास, आई० पी० एस०, ने दिनांक 5 मई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, माइनिंग एण्ड अलाइड मशीनरी कारपोरेशन लि०, दुर्गापुर, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट,
महानिरीक्षक

समन्वय निदेशालय
पुलिस बेतार

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1975

सं० ए० 16/टी28/75-वायरलेस :— श्री टी० एन० भट्टाचार्य, प्रशासन अधिकारी समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) को श्री डी० आर० शिवरामैया के स्थान पर लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में 46 दिन के लिए 19-5-75 से 3-7-75 तक नियुक्त किया जाता है। इसके साथ-साथ वह अपना कार्य भी देखेंगे।

सं० ए० 21/5/71-वायरलेस :— श्री एस० सी० अग्रवाल के रक्षा मंत्रालय, संयुक्त बीजलेख ज्यूरों में प्रत्यावर्तित होने पर, दिनांक 17 मई 1975 के अपराह्न में समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद का कार्य भार छोड़ा।

छत्रपति जोशी,
निदेशक
पुलिस, दूर संचार

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 मई 1975

सं० ओ० II-1014/75-स्थापना :— महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर नरेश कुमार अग्निहोत्री को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2 डाक्टर नरेश कुमार अग्निहोत्री को गरुप सैंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल जम्मू में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 7 अप्रैल, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 30 मई 1975

सं० ओ० II-1024/75-स्थापना :— महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर प्रताप चन्द्रा दास को तदर्थ

रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर प्रताप चन्द्रा दास को 3 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल अजमेर में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 8 मई, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 31 मई 1975

सं० पी० VII-4/74-स्थापना :— राष्ट्रपति, सुबेदार रमेश गुरखानी को 15 मई, 1975 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप में अश्वकाश रिक्ति स्थान पर, पुलिस उप-अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर पदोन्नति करते हैं।

उन्हें प्रथम सिगनल बटालियन के० रि० पु० दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार उसी दिन पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० एफ० 2/5/75-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०) :— राष्ट्रपति ब्रिगेडियर पी० एन० खन्डूरी को पुर्ननियुक्ति पर उपमहानिरीक्षक के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नीमच में अस्थाई रूप में एक साल के लिये दिनांक 16-5-1975 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं। बशर्ते कि अगर कोई प्रशासनिक आवश्यकता पड़े या उनकी उप-उपयुक्त हो या और कोई आपेक्षकारक हो तो उनकी समय पूर्वक सेवा समाप्ति हो सकती है।

दिनांक 5 जून 1975

सं० 0. II-52/69-स्थापना :— राष्ट्रपति श्री राजसिंह, कमान्डेन्ट को उसके पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उपमहानिरीक्षक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री राजसिंह ने उपमहानिरीक्षक के पद पर नियुक्त होने पर कमान्डेन्ट ग्रुप नं० I केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 14-1-75 के पूर्वाह्न में त्याग दिया और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उपमहानिरीक्षक एजल (मिजोराम) के पद का कार्यभार 15 जनवरी, 1975 के अपराह्न से संभाला।

दिनांक 11 जून 1975

सं० ए० VI 3/75-स्थापना :— राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दी हुई तारीख से आगामी आदेश जारी होने तक के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में उप-अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के रूप में अस्थाई तौर पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्हें उनके नाम के सामने दी गई बटालियन/ग्रुप सेन्टर में नियुक्त किया गया ।

क्र० सं०	नाम	उप-अधीक्षक की नियुक्ति की तारीख	बटालियन/ग्रुप सेन्टर
1.	श्री पी० वालसाकुमार	4-11-74 पूर्वाह्न	1 बटालियन
2.	श्री रमेश चन्द्र सेठी	4-11-74 पूर्वाह्न	27 बटालियन

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-11, दिनांक

सं० 11/7/75-आर० जी० (ए० डी० I)---राष्ट्रपति सहर्ष, श्री के० के० श्रीवास्तव, मध्य प्रदेश के जनगणना कार्य उप-निदेशक, की सेवाएं दिनांक 31 मई 1975 से मध्य प्रदेश सरकार के अधीन करते हैं ।

सं० पी०/एम० (19)/ए० डी० I---भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली से पद-मुक्त होने पर श्री बी० के० माराठा ने दिनांक 1 अप्रैल 1975, पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद का कार्यभार संभाल लिया है ।

2. श्री बी० के० माराठा का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा ।

सं० 2/1/75-आर० जी० (ए० डी० I)---श्री लाल कृष्ण ने दिनांक 30 अप्रैल, 1975 के अपराह्न को दिल्ली के सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पदभार को सौंप दिया ।

श्री लाल कृष्ण ने दिनांक 23 मई 1975 के पूर्वाह्न को पोर्ट ब्लेयर में अन्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह के सहायक जनगणना निदेशक के पदभार को ग्रहण किया ।

श्री लाल कृष्ण का मुख्य कार्यालय पोर्ट ब्लेयर में होगा ।

श्री आर० के० अग्रवाल ने दिनांक 16 मई, 1975 के अपराह्न को पश्चिम बंगाल के सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पदभार को सौंप दिया ।

श्री आर० के० अग्रवाल ने दिनांक 16 मई, 1975 के पूर्वाह्न को दिल्ली के सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पदभार को ग्रहण किया ।

श्री आर० के० अग्रवाल का मुख्य कार्यालय दिल्ली में होगा ।

दिनांक 13 जून 1975

सं० 6/8/72 आर० जी० (ए० डी० I)---निम्नलिखित अधिकारियों ने विभिन्न जनगणना निदेशालय में उनके नाम के

आगे विधे गए दिनांक से कार्यभार सौंप दिया और उनकी सेवाएं उन्हीं दिनांक से उनके राज्य सरकारों के सुपुर्द वापस कर दिया गया :-

क्र० सं०	नाम एवं पद	कार्यालय का नाम	कार्यभार सौंपने की तिथि	सेवा जनके सुपुर्द वापस की गई
1.	श्री जे० के० दास	जनगणना निदेशक	1-3-74 (पूर्वाह्न)	उड़ीसा सरकार
2.	श्री किशोरी लाल उप जनगणना निदेशक	उड़ीसा	25-3-74 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार
3.	श्री के० एस० सिन्हा उप जनगणना निदेशक	उत्तर प्रदेश	11-4-74 (पूर्वाह्न)	"
4.	श्री राम मणी पाण्डे उप जनगणना निदेशक	"	17-5-74 (पूर्वाह्न)	"
5.	श्री नन्द जी राम उप-जनगणना निदेशक	"	23-4-74 (पूर्वाह्न)	"
6.	श्री एस० लीमा आईयर उप जनगणना निदेशक	नागालैंड	24-5-75 (अपराह्न)	नागालैंड सरकार

बद्री नाथ,

भारत के उप-महापंजीकार
एवं पदेन उपसचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 जून 1975

सं० पी०/जेड(1)-ए० डी० I---इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/71/72 आर० जी० (ए० डी० I) दिनांक 10 जुलाई, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री जे० एन० जुस्ती के जम्मू एवं काश्मीर के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के पद पर की पुनः नियुक्ति को दिनांक 19 अक्तूबर, 1976 तक एक वर्ष की और अवधि तक सहर्ष बढ़ाते हैं ।

राम भट्टाचारी,

भारत के महापंजीकार एवं पदेन संयुक्त सचिव

कार्यालय प्रधान अधिशासी अधिकारी

प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना

देहरादून, दिनांक 2 जून 1975

सं० 6/166/75-लौ-प्रो०---श्री डी० घोष, सहायक, वन संरक्षक, वन विभाग वेस्ट बंगाल, जो कि प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, देहरादून में प्रकाष्ठ निष्कासन अनुदेशक के पद

का कार्य कर रहे हैं दिनांक 15-5-75 (अपराह्न) से उनकी कार्य-भार से मुक्त किया गया है तथा उसी समय से उनकी सेवायें पुनः प्रधानाचार्य, पूर्वी वनराजिक विद्यालय, कुरसियांग को सौंप दी गयी ।

रमेश चन्द्र
प्रधान अधिशासी अधिकारी

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद

होशंगाबाद, दिनांक 9 जून 1975

क्रमांक-12(2/7)/3273—दिनांक 15-6-75 से प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद में सात दिन का कार्य आरंभ होने के फलस्वरूप रु० 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 के-बेतनमान के सहायक मुख्य रसायनज्ञ के पद को उसी वेतनमान में दिनांक 15-6-75 के पूर्वान्ह से सहायक कार्य प्रबंधक के पद में परिवर्तित किया जाता है ।

सहायक मुख्य रसायनज्ञ के पद पर पदस्थ श्री ए० के० घोष 15-6-75 के पूर्वान्ह से सहायक कार्य प्रबंधक का भार ग्रहण करेंगे ।

पी० एस० शिवराम
विशेष कार्य अधिकारी
एवं विभागाध्यक्ष

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 23 मई 1975

सं० 302(ए०)—श्री० एफ० एच० कोल्हापुरवाला, उपनियंत्रक अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, जिन्होंने 43 दिनकी छुट्टी 19 मई 75 से 30 जून 75 तक लिया है, के स्थान पर श्री एन० जे० धिवरे, निरीक्षक नवीन चलार्थ पत्र मुद्रणालय, को स्थानापन्न उपनियंत्रक अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय में संशोधित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई०बी०-40-1200 पूर्ण रूप से तदर्थ रूप में कार्यालय के 43 दिनों के लिये 19 मई 1975 के पूर्वान्ह से 30 जून 1975 तक नियुक्त करते हैं ।

वि० ज० जोशी
महाप्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 4 जून 1975.

सं० बी० एन० पी०/ई०/8/एच०-4—भर्ती नियम के अन्तिम रूप दिए जाने पर श्री के० सी० हिण्डोल, स्थायी नियंत्रण निरीक्षक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति तारीख 20-3-75 (पूर्वाह्न) से 27-1-76 (अपराह्न) तक, नियमित आधार पर, निरंतर की जाती है ।

सं० बी० एन० पी०/सी०/93/74—भर्ती नियमों के अन्तिम रूप दिए जाने पर श्री एम० एस० देशपाण्डे, स्थायी नियंत्रक निरीक्षक, प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद की बैंक नोट मुद्रणालय देवास में नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति तारीख 20-3-75 (पूर्वाह्न) से 30-9-75 (अपराह्न) तक, नियमित आधार पर, निरंतर की जाती है ।

सं० बी० एन० पी०/ई०/स्वे०/30—भर्ती नियमों को अन्तिम रूप दिए जाने पर श्री एस० पी० कुलश्रेष्ठ, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, मध्य प्रदेश की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में लेखा अधिकारी के पद पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति तारीख 19-2-75 से 2-12-75 (अपराह्न) तक, नियमित आधार पर, निरंतर की जाती है ।

डी० सी० मुखर्जी
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1975

दिनांक 18-1-75

सं० 316-जी०ई०-I/एन-24/पी० एफ० II—भारतीय टेलीफोन इन्डस्ट्रीज, बंगलौर (केन्द्रीय सरकार का एक उपक्रम) में लोकहित में 1 अप्रैल 1973 से स्थायी विलयीकरण के परिणाम-स्वरूप, श्री ए० एस० नारायणन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 37 के अनुसार उसी तिथि से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हुआ समझा जाता है ।

दिनांक 4-2-75

सं० 483-जी० ई०-I/ए०-23/पी० एफ०—भारतीय दुग्ध शाला निगम (इण्डियन डेरी कारपोरेशन) बड़ौदा (भारत सरकार का एक उपक्रम) में लोकहित में 16 अक्टूबर, 1974 से स्थायी विलयीकरण के परिणामस्वरूप, श्री एच० के० अग्रवाल, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा, को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 37 के अनुसार उसी तिथि से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हुआ समझा जाता है ।

दिनांक 7-2-75

सं० 538-जी० ई०-I जे०-3/पी० एफ० IV—5 जनवरी 1975 की रथिहार की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति सहित 19 नवम्बर, 1974 से 4 जनवरी, 1975 तक की अर्जित छुट्टी से लौटने पर, श्री पी० एन० जैन ने 6-1-1975 को महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के पद का कार्यभार सम्भाल लिया । उन्होंने श्री एस० पी० गुगनानी को कार्यभार से मुक्त किया ।

दिनांक 11-2-75

सं० 746-जी०ई०-I/ए०-30/पी० एफ० II—भारतीय तेल निगम लि० (भारत सरकार का एक उपक्रम) में लोकहित में 5 अक्टूबर, 1974 से स्थायी विलयीकरण के परिणामस्वरूप, श्री टी० एस० आनन्द, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उसी तिथि से केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 37 के अनुसार सरकारी सेवा सेवा-निवृत्त हुआ समझा जाता है ।

दिनांक 19-2-75

सं० 867-जी०ई०-I/एस०-28/पी० एफ०—14 जनवरी 1975 से 29 जनवरी 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर, श्री एस० मन्जूर-ए-मुस्तफा ने 30 जनवरी, 1975 को महालेखाकार-I, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के पद को सम्भाल लिया। उन्होंने श्री एस० रामाचन्द्रन, महालेखाकार-II मध्य प्रदेश, ग्वालियर को कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 26 फरवरी 1975

सं० 998-जी०ई०-I/आर०-30/पी० एफ०—8 और 9 फरवरी, 1975 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 13 जनवरी 1975 से 7 फरवरी 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री के० रंगानाधम, भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा, ने 10 फरवरी, 1975 (पूर्वाह्न) से सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची के पद को सम्भाल लिया। उन्होंने श्री एस० एस० अहमद, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा को कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 6-3-75

सं० 1143-जी०ई०-I/एस० I/पी० एफ०—16-1-1975 से 31-1-75 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एस० आर० सुब्राह्मण्यन, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा, ने 1-2-1975 को महा-लेखाकार राजस्थान, जयपुर के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री के० श्यामाराजन को कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 5-3-75

सं० 1144-जी० ई०-I/एस० I/पी० एफ०—श्री एस० आर० मुखर्जी भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा द्वारा राजस्थान, जयपुर के कार्यालय से भार-मुक्त किए जाने पर, श्री एस० आर० सुब्राह्मण्यन, भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा सेवा, ने 17-2-75 (पूर्वाह्न) को भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के कार्यालय में निदेशक (स्टाफ) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 29-3-75

सं० 1160-जी०ई०-I/आर०-20/पी० एफ०—8 और 9 फरवरी 1975 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 10-2-75 से 28-2-75 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री जी० रामाचन्द्रन ने 1-3-75 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार (I), आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री ए० जी० नारायणा-स्वामी, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा को कार्यभार से मुक्त किया।

दिनांक 29-3-75

सं० 1639-जी०ई०-I/एस-21/पी० एफ०—निदेशक लेखा परीक्षा, लन्दन के पद से 20-1-1975 को भार-मुक्त होने पर तथा छुट्टी और सामान्य कार्य-ग्रहण अवधि के समाप्त होने पर श्री एस० आर० मुखर्जी, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा, ने, 10-2-1975 को महालेखाकार, राजस्थान जयपुर के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 1-4-75

सं० 1690-जी०ई०-I/एस०-48/पी० एफ०—14 और 15 दिसम्बर, 1974 और 11 और 12 जनवरी, 1975 की छुट्टियों

को जोड़ने की अनुमति सहित 16-12-1974 से 10-1-1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एच० एस० सैमुबल ने 13-1-1975 (पूर्वाह्न) को मुख्य लेखा परीक्षक दक्षिण-पूर्व रेलवे, कलकत्ता के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री एस० सी० बैनर्जी को कार्यभार से मुक्त किया।

महेन्द्र प्रकाश गुप्त
सहायक नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कार्मिक)

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांची-2, दिनांक 1975

महालेखाकार बिहार अपने कार्यालय के श्री राज ब्रजेश्वर नारायण सिंहा स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 5-5-1975 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ब० प्र० सिंह
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)
बिहार।

कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 30 मई 1975

सं० प्रशासन एक/82--महालेखाकार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर ने निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों, को उनके नाम के सामने दर्शाई तारीख से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी, नियुक्त किया है।

1. श्री सी० कृष्णन (02/0179) 14-4-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री सी० प्रामाणिक (02/0180) 14-4-75 (पूर्वाह्न)
3. श्री बी० डी० रिसबूड (02/0181) 21-4-75 (पूर्वाह्न)

अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 मई 1975

सं० प्रशासन-1/8 (56)/984-1000—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली के स्थाई लेखा अधिकारी श्री प्रकाश चन्द के स्टेट फार्मस कारपोरेशन आफ इण्डिया लि०, 16/48 मालचा मार्ग चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 1-12-74 (पूर्वाह्न) से लेखा अधिकारी के पद पर जनहित में स्थाई समावेशन की राष्ट्रपति की संस्वीकृति को भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक सहर्ष सूचित करते हैं।

उनको केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली के नियम 37 के अनुसार उनके कारपोरेशन में समावेशन की तारीख से सरकारी सेवा से नियुक्त हुआ माना जायेगा।

दिनांक 27 मई 1975

सं० प्रशासन-4/जी० ओ० ज०/18—कार्यालय वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता के लेखा अधिकारी श्री एस० के० घोष अपनी निवर्तन की

ग्राम को प्राप्त हो जाने के परिणाम स्वरूप दिनांक 31-3-75 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये, उनकी जन्म तिथि 1-4-1917 है।

जी० एन० पाठक
महालेखाकार

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय मध्य रेल

बम्बई, दिनांक 2 मई 1975

सं० जी० ओ० ओ०-332—नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के दिनांक 19-4-75 के पत्र संख्या -2034-जी० ई०I/66/75 के अनुसार श्री पी० सी० कल्ला के स्थानांतरण के परिणामस्वरूप श्री कुलवंत सिंह, भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा, ने 2-5-75 (अपराह्न) से मुख्य लेखा परीक्षक मध्य रेल, बम्बई का कार्यभार ग्रहण किया है।

मुधा राजगोपालन
उप मुख्य लेखा परीक्षक

पूति पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय
कार्यालय, मुख्य वेतन तथा लेखाकार अधिकारी
नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1975

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/682-83—
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री के० के० मनन अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा अधिकारी) को 29-6-74 के अपराह्न से उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति विभाग नई दिल्ली के आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पैनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्याधीन है।

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/682-83—
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री प्रीतम सिंह अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा अधिकारी) को 19-8-74 पूर्वाह्न से उपमुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, खाद्य एवं कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली के आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी, के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पैनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्याधीन है।

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/682-83—
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री शाम दास अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा अधिकारी) को 31-8-74 पूर्वाह्न से उपमुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पुनर्वास विभाग नई दिल्ली कार्यालय के आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी, के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पैनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्याधीन है।

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/682-83—
मुख्य वेतन तथा सेवा अधिकारी, पूति पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री बी० एम० एस० कपूर अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा अधिकारी) को 27-12-74 से उपमुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी पूति विभाग बम्बई कार्यालय आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पैनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्याधीन है।

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय)/682-83—
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री ए० जी० जानसन अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा अधिकारी) को 6-2-75 पूर्वाह्न से उपमुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति विभाग, बम्बई कार्यालय के आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पैनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्याधीन है।

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन (समन्वय) /682-83
—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूति पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री आर० के०

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्याधीन है।

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1975

सं० ए०-32014/73-74/प्रशासन/समन्वय/1197-1201—
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति, पुनर्वास और खाद्य और
कृषि मंत्रालय नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री पी० सी० गुप्ता,
अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा लेखा अधिकारी) को 31-5-75
पूर्वाह्न से मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, नई दिल्ली
के कार्यालय में आगामी आदेश तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के
पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पैनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों
के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन
(वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम, 1974 की शर्तों के
अध्यधीन है।

सु० न० पाठक

वेतन तथा लेखा अधिकारी

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1975

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०—वार्धक्य निवर्तन की
आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को उनके
नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया
जाएगा।

दिनांक 9 जून 1975

सं० 40011 (2)/75-प्रशा० ए०—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को उनके
नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

क्र० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित/ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2	3	
सर्वश्री			
1.	के० के० गोविन्दन नम्बिआर (ओ०/45)	स्थानापन्न 31-8-75 रक्षा लेखा नियंत्रक, लेखा अधिकारी (अपराह्न) दक्षिणी कमान, पुना।	
2.	राधा रमन चटर्जी (ओ०/48)	स्थानापन्न 30-6-75 रक्षा लेखा नियंत्रक, लेखा अधिकारी (अपराह्न) (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	
3.	तारापद मित्रा (ओ०/98)	स्थानापन्न 31-5-75 रक्षा लेखा नियंत्रक, लेखा अधिकारी (अपराह्न) (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	
4.	के० एस० चड्ढा (अभी नियत नहीं हुआ)	स्थानापन्न 31-5-75 रक्षा लेखा नियंत्रक, लेखा अधिकारी (अपराह्न) मध्य कमान, मेरठ।	

दिनांक 23 मई 1975

सं० 18289/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने
पर श्री एच० विश्वनाथन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 31-8-75
(अपराह्न) को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और
उनका नाम विभाग की तफरी से निकाल दिया जाएगा।

क्र० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
1.	श्री पी० एल० सूरी (पी०/109)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
2.	श्री बी० आर० दत्ता (पी०/375)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ। (वित्त मंत्रालय नयी दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर)
3.	श्री बलदेव राम (पी०/10)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ (ग्रामीण विद्युत्करण निगम लि० नयी दिल्ली में प्रति नियुक्ति पर)।

1	2	3	4	5
4. श्री डी० आर० अग्रवाल (पी०/512)	स्थायी लेखा अधिकारी	लेखा	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
5. श्री ए० बालाकृष्णन (ओ०/124)	स्थानापन्न अधिकारी	लेखा	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
6. श्री एस० नरसिंहामूर्ती (ओ०/130)	स्थानापन्न अधिकारी	लेखा	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
7. श्री पी० पी० जरवालकर (ओ०/311)	स्थानापन्न अधिकारी	लेखा	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना।
8. श्री के० वेंकटराव (ओ०/298)	स्थानापन्न अधिकारी	लेखा	31-8-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।

(2) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए० तारीख 5-3-1975 में पैरा 4 के रूप में जोड़ा गया है।

“श्री डी० जी० भावे स्थायी लेखा अधिकारी को 7-4-75 से 31-5-75 तक की सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित लेखा अधिकारियों की मृत्यु को खद के साथ अधिसूचित करते हैं। तदनुसार उनके नाम प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से विभाग की नफरी से निकाल दिये गये हैं।

क्रम सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	नफरी से संगठन निकालने की तारीख
सर्वथी				
1.	वी० वेंकटरामन (पी०/44)	स्थायी लेखा अधिकारी	27-5-75	28-5-75 (पूर्वाह्न) रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास
2.	डी० गोपालाक्ष्मीकन (पी०/70)	स्थायी लेखा अधिकारी	15-5-75	16-5-75 (पूर्वाह्न) रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
3.	डी० बी० चैलापथीराव (ओ०/364)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	20-5-75	21-5-75 (पूर्वाह्न), रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौसेना) बम्बई

दिनांक 11 जून 1975

सं० 71019(6)/74-प्रशा०-II —संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सन् 1973 में की गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति, श्री गुरु प्रसाद मोहनती को 15-1-1975 (अपराह्न) से भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवर्तिताधीन सहर्ष नियुक्त करते हैं।

शुद्धि पत्र

भारत के राजपत्र भाग 3 खंड I (पृ० 1795) दिनांक 8 मार्च, 1975 में प्रकाशित इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 71019(6)/74-प्रशा०-II दिनांक 4 फरवरी, 1975 को रद्द किया जाता है।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्बनन्स फैंक्टरियां
भारतीय आर्बनन्स फैंक्टरियां सेवा
कलकत्ता, दिनांक 23 मई 1975

सं० 20/75/जी०—वार्षिक निवृत्ति आयु अर्थात् 58 वर्ष

प्राप्त करने पर, निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए:—

- (1) श्री ए० एम० दे कानूनगो 3 जनवरी 1974 (अपराह्न) स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमन)
- (2) श्री एस० पी० भट्टाचार्य 31 जनवरी 1974 (अपराह्न) स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमन)

आर० सुन्दरम
सहायक महा निदेशक आर्बनन्स फैंक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था
धनबाद, दिनांक मई 1975

सं० प्र० 12 (II) सामान्य/74—लाइम स्टोन और डोलेमाइट खान श्रमिक कल्याण संस्था, जबलपुर में कल्याण प्रशासक के पद पर प्रतिनियुक्ति के फलस्वरूप कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

के श्री जे० एन० सन्याल ने व्यायाम प्रशिक्षण अनुदेशक के पद का कार्यभार तारीख 14-4-1975 (अपराह्न) से त्याग दिया।

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

स्थापना

आर० पी० सिल्ला,
कोयला खान कल्याण आयुक्त
धनबाद।

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-4, दिनांक 12-7-75

सं० 23-3-75-सी०पी०आई०—मई, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अप्रैल, 1975 के स्तर से चार अंक बढ़ कर 327 (तीन सौ सत्ताईस) रहा। मई, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 397 (तीन सौ सत्तानवें) आता है।

कृष्ण कुमार भाटिया,
निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई 400020, दिनांक 29 मई 1975

सं० ई०एस०टी० 1-2 (637)—श्रीमान राष्ट्रपति, 14 मार्च 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, श्री सुरेश चन्द्र जैन को बुनकर सेवा केंद्र, भागलपुर में सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (रंगाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

स्थापना

संख्या 6/1033/74-प्रशा० (जी०)—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात इसके द्वारा श्री एल० के० बत्रा को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में 23-4-75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक स्थानापन्न रूप से नियंत्रक, आयात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री एल० के० बत्रा नियम के अनुसार 650-30-740-35-810-दक्षता रोध-35-880-40-1000-दक्षता रोध-40-1200 रु० के वेतन मान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

सं० 6/113/54-प्रशा० (जी०)—राष्ट्रपति, श्री पी० माधवन नायर को अवकाश स्वीकृत कर, उनके स्थान पर इस कार्यालय के श्री के० जी० नारायणसिंहानी, स्थायी उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 12-5-1975 से 28-6-75 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, मद्रास के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक मई 1975

सं० 6/305/55-प्रशासन (जी०)—राष्ट्रपति संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री के० पी० नारायण, स्थायी नियंत्रक को उसी कार्यालय में 11-2-1975 से 9-4-1975 तक की अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारत खनिज विभाग

नागपुर, दिनांक 7 जून 1975

सं० ए० 31014(5)/70-सिखंडी ए—श्री आर० नम-सिंहायम को दिनांक 14 जुलाई, 1974 से भारतीय खनिज विभाग में प्रकाशन अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

डी० एन० भार्गव,
नियंत्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक जून 1975

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री ए० के० चट्टराज को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-100-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, अन्य आदेश होने तक, 19 मई, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री बलराम साहा को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर अन्य आदेश होने तक, 13 मई, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (डी० के० एस०)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री डी० के० शर्मा को ड्रिलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 24 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/73/19 सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्री महिन्द्र सिंह की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद में (राजपत्रित वर्ग II) 350-800 रु० के वेतनमान में (पूर्व परिशोधित) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 22-2-74 से पुष्टि की जाती है।

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री एच० के० घोष को उसी विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अन्य आदेश होने तक, 15-4-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59 (एस० एस० जे०)/19ए०—श्री एस० एस० जामवल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 11 अप्रैल 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (ए० एम०)/19ए०—श्री अनील मेहरोत्रा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 1-4-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2503 (IV)सी०/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ डा० डी० एन० तिवारी को त्याग पत्र पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 1-1-1974 से मुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (पी० सी०)/19 ए०—श्री प्रकाश चन्द्र को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 11-4-1975 के अपराह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (बी० बी०)/19 ए०—कुमारी बनानी बरघन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अन्य आदेश होने तक, अस्थायी क्षमता में, 9-5-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री एस० के० घोष सरकारी सेवा से निवृत्त पर 28 फरवरी, 1975 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 2181 (एस० के० आर०)/19 बी०—श्री श्यामल कुमार राय, ए० आई० सी०, को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 30-4-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 51/62/19 सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त अधिकारियों की प्रशासनिक अधिकारी के पद में (राजपत्रित वर्ग II) 475-800 रु० के वेतनमान में (पूर्व परिशोधित) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उनके सामने दायी तिथि से पुष्टि की जाती है:—

1. श्री जे० एम० चटर्जी	22-2-71
2. श्री आर० आर० घोष	16-1-73
3. श्री के० आर० बारुती	18-1-73
4. श्री बी० पी० गुहा राय	4-6-73
5. श्री डी० पी० राय	4-6-73
6. श्री एस० एन० चटर्जी	9-7-73
7. श्री बी० एन० मुखर्जी	1-10-73

सं० 2222 (डी० बी०)/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री ध्रुबलाल बसू को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 13-5-1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 4/72/19ए०—मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड (खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड) से परावर्तन पर श्री करण सिंह ने सहायक भंडार अधिकारी के पद का कार्य-भार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उसी क्षमता में, 1-4-1975 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० 2181 (एम० आर० एस०)/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री एम० आर० सेनगुप्त को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 25-11-1974 के अपराह्न से मुक्त किया गया है ताकि व अपनी नई नियुक्ति रसायन परीक्षण श्रेणी II के रूप में केन्द्रीय राजस्व रसायन सेवा, वर्ग 1 में ग्रहण कर सकें।

सं० 2251 (जी० एस० डी० यू०)/19वीं—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डिप्टी सी० एस० डी० उपाध्याय की मृत्यु 11 मार्च, 1975 को हुई।

सं० 2222 (बी० टी० एम०)/19ए०—श्री बी० थेंकराय मुथू को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 18-4-1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन,
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 11 अगस्त 1974

सं० सी०-4890/पी० एफ० (टी० सी० के०):—अनुशासनिक कार्यवाही के परिणामस्वरूप, श्री डी० सी० कुठारी, अधिकारी सर्वेक्षक, संख्या 70 (बन) पार्टी, उत्तरी सैकल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून की

(i) परिनिद्रा की जाती है, तथा

(ii) उनके द्वारा उपेक्षा एवं लापरवाही के कारण सरकार को कारवाई गई आर्थिक हानि के लिए उनके वेतन में से 840.00 रु० (आठ सौ चालीस रुपये केवल) की वसूली, 40 रु० की 21 किस्तों में की जानी है।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक भारत

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1975

शुद्धि-पत्र

सं० 4 (iii)/75 एस-एक—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 4 (iii)/75-एस-एक दिनांक 28 अप्रैल, 1975, जिसके द्वारा श्री एथोस फर्नान्डिस, आकाशवाणी, पणजी, में कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त किए गए थे, में आए शब्द “क्लर्क ग्रेड एक” को कृपया “क्लर्क ग्रेड दो” पढ़ा जाए।

दिनांक 11 जून 1975

सं० 5 (23)/67-एस-एक — महानिदेशालय, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री तुषार मेहता, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद को 13 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के राजकोट केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (127)/67-एस-एक — महानिदेशालय, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री उमाकान्त दास, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कटक को 15 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों

तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1975

सं० 2/5/73-एस-तीन — महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ललित मोहन अम्बष्ट को दिनांक 30 अप्रैल, 1975 (पूर्वाह्न) से सहायक इंजीनियर के संवर्ग में आकाशवाणी के कटक केन्द्र पर स्थानापन्न पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 मई 1975

सं० 40/पी० एफ० II/48-सीबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एम० चन्द्रन नायर और श्री एन० एन० शर्मा के अवकाश पर चले जाने के कारण श्री वि० आर० पेसवानी, स्थानापन्न अधीक्षक, फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 5-5-1975 के पूर्वाह्न से सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

के० एस० कुडवा,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1975

सं० 12-1/75-एडमिन-1 — स्वास्थ्य विभाग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप से अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप श्री आर० डी० कामत ने 16 मई, 1975 के पूर्वाह्न से इस निदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री आर० डी० कामत की स्वास्थ्य विभाग में अवर सचिव के पद पर नियुक्ति हो जाने पर राष्ट्रपति ने उनके स्थान पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-4 के स्थायी अधिकारी श्री पी० एस० सीकंद को 16 मई, 1975 के पूर्वाह्न से 32 दिनों की अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 10-13/73-एडमिन-1 —राष्ट्रपति ने केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक श्री ए० के० धर को 6 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला, में मुख्य तकनीकी अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है ।

सं० 12-9/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी श्री बी० एल० ढींगरा को 2 जून, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के सेलेक्शन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है ।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के सेलेक्शन ग्रेड में अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री बी० एल० ढींगरा ने इस निदेशालय में 2 जून, 1975 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० 34-2/72-एडमिन-1 —सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली की वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक श्रीमती कमलेश नटराजन का त्यागपत्र 24 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है ।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1975

सं० 41-28/73-डी —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने निम्नलिखित अधिकारियों को 4 जुलाई, 1972 से उनके नामों के सम्मुख दर्शाए गये केन्द्रीय औषध मानक नियन्त्रण संगठन के क्षेत्रीय कार्यालयों में औषध निरीक्षक (श्रेणी -2 राजपत्रित) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है :-

1. श्री एस० के० देसाई—पश्चिमी क्षेत्र, बम्बई
2. श्री के० एस० जार्ज — उत्तरी क्षेत्र, गाजीयाबाद
3. श्री एन० बी० राय — दक्षिणी क्षेत्र, मद्रास
4. श्री ओ० के० राव — पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता

एस० एस० गोठोस्कर,
औषध नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून, 1975.

सं० 9-8/75-सी० जी० एच० एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्रीमती दमयन्ती कटोच को 2 जून, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयु-वैदिक चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है ।

ह० स० धकालिया,
उप-निदेशक, प्रशासन (सी० जी० एच० एस०)

कृषि मंत्रालय
(सहकारिता विभाग)
विपणन और निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान शाखा कार्यालय)
नागपुर, दिनांक 1975

सं० फा० 2/8/74-वि०-II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (केन्द्रीय राजस्व) की भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं० 125, 126, 127, दि० 15-9-1962, सं० 1131, 1132, दि० 7-8-1965, सं० 2907 दि० 5-3-1971, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601 ग दि० 1-10-1971, सं० 12 दि० 9-6-1945, सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946, सं० 6 दि० 5-2-1949, सं० 64 दि० 17-6-1961, सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965, सं० 3099 दि० 3-11-1973, सं० 1127 दि० 21-4-1973, सं० 1130 दि० 7-8-1965, सं० 1421 दि० 31-8-1963, सं० 124 दि० 15-9-1962, सं० 448 दि० 14-3-1964 के लिए सै एतद्द्वारा श्री आर० एस० वर्मा, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सोंठ, हल्दी, धनियाँ, सौंफ, साबुत, मेथी, सेलरी बीज, तम्बाकू, प्याज, लहसुन, दालें, जीरा बीज, कढ़ी पाउडर, तेन्दू के पत्ते, अखरोट, हड़ और आलू (खाने की) के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन निर्मित संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ ।

एन० के० मुरालीधर राव,
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक 2 मई 1975

सं० पी ए / 67 (7)/74-आर०- 4 —भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के विशिष्ट इलेक्ट्रीकल प्रभाग अधिकारी अभियंता (इलेक्ट्रीकल) के कार्यालय के स्थाई कनिष्ठ इंजीनियर श्री अमल कुमार घोष को उनके स्थानांतरण पर स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी के रूप में इसी केन्द्र में 31 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 7 मई 1975

सं० पी ए/81 (97)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री मुरलीधर चिन्तामणि वर्मा को 1 फरवरी, 1975 के

पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

दिनांक 8 मई 1975

सं० पी ए/81 (36)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (ए) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री विरूपाक्ष रामचन्द्र जोशी को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

हैदराबाद - 500016, दिनांक 4 जून 1975

सं० ए एम डी-3/571/58-प्रशासन—कय एवंम् भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग के निदेशक, उसी निदेशालय के एक स्थाई भंडारी एवं स्थानापन्न वरिष्ठ भंडारी श्री वजीर चन्द को 16 अप्रैल, 1975 से 13 जून, 1975 तक श्री बी० सी० चेरीयन, सहायक भंडार अधिकारी की छुट्टी के स्थान पर अस्थायी रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 मई 1975

सं० पी ए/81 (27)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई चार्ज-हैंड और स्थानापन्न फोरमैन श्री मोहिंदर सिंह को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

श्री कृष्ण मल्होत्रा,
प्रशासन अधिकारी

कृते निदेशक, कय एवंम् भंडार

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कलम-603102 दिनांक 15 मई, 1975

सं० पीए/81 (27)/75-आर -4— भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री महेश चन्द्र शर्मा को स्थानापन्न रूप से इसी केन्द्र में 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए वैज्ञानिक/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

सं० आर आर सी-II-13 (9)/74-8852/498—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, अस्थायी विज्ञान-सहायक 'सी' श्री कल्याणसुन्दरम अरुमुगम को 1 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 मई 1975

सं० पी ए/62 (17)/73-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक अस्थायी उप-अधिकारी श्री दत्तात्रय वासुदेव शर्मा को 23 अप्रैल, 1975 के अपराह्न से एक साल के लिए तदर्थ आधार पर इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न स्टेशन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 मई 1975

पी० उन्नीकृष्णन,
उप-स्थापना अधिकारी (म)

सं० आर आर० सी०-II-1 (26)/73-9982/612—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, केन्द्र के स्थानापन्न सहायक श्री पोरुत्तपक्कम वेणुगोपालचारी सुन्दराजन को 21-5-75 से 5-7-75 तक की अवधि के लिए श्री के० वेंकटाकृष्णन सहायक प्रशासन-अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हुए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप से सहायक प्रशासन-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

बम्बई-85, दिनांक जून 1975

संदर्भ : 5/1/75/स्या० 5—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक आशुलिपि (वरिष्ठ) श्री पठियात गोविंदन कुट्टी को 10-3-1975 से 23-5-1975 के लिए अस्थायी रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम-60302 दिनांक 31 मई 1975

ए० शांतकुमार मेनन
उप-स्थापना अधिकारी

सं० : 18 (55)/75-भर्ती/670—श्री आर० नारायणन, स्थानापन्न पर्यवेक्षक को 1 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी

आदेश तक के लिए मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर 'एस बी' नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय कलपक्कम में होगा।

के० बालाकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी,
कृते निदेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

कलपक्कम-603102, दिनांक 3 जून 1975

सं० 3 (855)/75-प्रशासन/पी-6096/668—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, डा० (श्रीमती) रेणुका वसुदेवन को कलपक्कम-स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग के अस्पताल में 22 मई, 1975 के पूर्वाह्न से अस्थायी रूप से स्थानापन्न आवासिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० बालाकृष्णन,
प्रशासन-अधिकारी

(विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग)।

बम्बई-5, दिनांक 2 जून 1975.

सं० पी पी ई जी/3 (236)/75-प्रशासन-5737/607—निदेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई, इस प्रभाग के अस्थायी नक्शानवीस 'सी' श्री ए० एच० हसमनिस को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से विज्ञान अधिकारी इंजीनियर-ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
प्रशासन-अधिकारी,
कृते निदेशक

क्रय एवम् भंडार निदेशालय

बम्बई - 400001, दिनांक 31 मई 1975

सं० डी पी एस-ए 32011-2-73-स्थापना:671—इस निदेशालय की दिनांक 3 दिसम्बर, 1974 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, निदेशक, क्रय एवं भंडार, इस निदेशालय के स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री गजानन लक्ष्मणराव हल्दीपुर को निम्नलिखित अवधियों के लिए उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी (II) नियुक्त करते हैं :—

1. 4-12-1974 से 18-1-1975
2. 24-3-1975 से 7-6-1975

बी० जी० कुलकर्णी,
कृते प्रशासन-अधिकारी

कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

सं० ए-32013/1/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री बी० बी० बंद्योपाध्याय, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को श्री ए० के० मित्रा, नियंत्रक की रिक्ति छुट्टी में उसी स्टेशन पर 25 मई, 1974 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर नियंत्रक के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1975

सं० ए-32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम संख्या	नाम	नियुक्ति की तारीख	नियुक्ति का स्टेशन
1.	श्री एम० के० कुरियन	31-1-75 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ।
2.	श्री एन० एस० पिल्लै	3-1-75 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेश्वर ।
3.	श्री जी० एस० करनानी	7-3-75 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन, ग्वालियर ।

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1975

सं० ए०-32014/3/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री टी० एल० रलबानी, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, अहमदाबाद को श्री ईशर सिंह, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, अहमदाबाद की छुट्टी रिक्ति में उसी स्टेशन पर 27-5-1975 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1975

सं० ए०-32013/5/73-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर की गई निरंतर तदर्थ पदोन्नति की अवधि अगस्त, 1975 के अंत तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है:-

क्र० सं० नाम तैनाती स्टेशन

1. श्री के० पी० बी० मेनन	मंगलौर
2. श्री बी० आर० विश्वनाथन	भोपाल
3. श्री एस० सी० जोशी	मुख्यालय
4. श्री श्री० पी० डींगरा	मुख्यालय
5. श्री एम० पी० खोसला	पालम
6. श्री जे० एस० के० आर० शर्मा	मद्रास
7. श्री के० एस० प्रसाद	मोहनबाडी
8. श्री एन० डी० घोष	दम दम
9. श्री रवि तनखा	अगरतला
10. श्री सी० आर० राव	राजकोट
11. श्री कुन्दन लाल	औरंगाबाद
12. श्री जे० के० सरदाना	श्रीनगर
13. श्री के० सी० मिश्र	शान्ताक्रुज
14. श्री जी० बी० के० नायर	शान्ताक्रुज
15. श्री डी० डी० सरदाना	सफदरजंग
16. श्री के० एन० वैकटचलैया	शान्ताक्रुज
17. श्री एस० दयाल	मुख्यालय
18. श्री एस० सी० सैखरी	उदयपुर
19. श्री एम० पी० जैन	सफदरजंग
20. श्री एस० के० जैन	दम दम
21. श्री डी० रामानुजम	सफदरजंग
22. श्री ए० टी० वरगीज	कुमीश्रास
23. श्री के० बी० एस० राव	मद्रास
24. श्री एन० पी० शर्मा	सफदरजंग
25. श्री एस० के० बनर्जी	दम दम
26. श्री आर० कोठान्दुरामन	तिरुपति

सं० ए० 33023/1/74-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में रु० 650-30-740-35-810-द० से 35-880-40-1000-द० रु० 40-1200 के वेतनमान में 5 मई, 1975 से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप में सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी श्रेणी II राज-पत्रित पद पर नियुक्त करते हैं:-

1. श्री एच० सी० गुलाटी
3-146GI/75

2. श्री एम० पी० चेन्डी
3. श्री आर० डी० गुप्ता
4. श्री पूरन चन्द
5. श्री एम० सारंगपाणि
6. श्री बी० पी० पै०
7. श्री बी० एस० रेड्डी

एम० एल० हाण्डा
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक जून 1975

सं० ए०-31013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री आर० सी० गुप्ता, स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी को 4 नवम्बर, 1973 से नागर विमानन विभाग में परियोजना अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

तुलसी दास धवन
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक मई 1975

सं० 16/224/73-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने श्री रामलाल खुराना का, जो इस समय भारतीय मानक संस्था कलकत्ता में सहायक निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अनुसंधान अधिकारी पद से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 31 दिसम्बर, 1973 के अपराह्न से सहर्ष स्वीकार किया है।

प्रेम कपूर
कुलसचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहृतलय

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1975

सं० 27—कलकत्ता एवं उड़ीसा समाहृतलय से बदली होने पर श्री पी० के० चटर्जी, द्वितीय श्रेणी अधीक्षक अपराह्न दिनांक 1-4-75 को सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क डिवाजन के अन्तर्गत दार्जीलिंग निरीक्षण टोली का भार ग्रहण कर श्री एम० एच० खंडाकर, अधीक्षक, को स्थानान्तरित किए।

सं० 28—सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के अन्तर्गत दार्जीलिंग निरीक्षण टोली से बदली होने पर श्री एम० एच० खंडाकर, अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 9-4-75 को उपरोक्त अंचल के अन्तर्गत सिलीगुड़ी निरीक्षण टोली का भार ग्रहण कर श्री जी० एल० चटर्जी, अधीक्षक को अतिरिक्त कार्य के लिए मुक्त किए।

सं० 29—द्वितीय श्रेणी अधीक्षक के रूप में पदोन्नति होने पर श्री एच० एल० बसु शर्मा मध्याह्न पूर्व दिनांक 9-4-75 को सिलीगुड़ी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के अन्तर्गत महाराजपुर रेंज का भार ग्रहण कर श्री के० डी० राय, अधीक्षक को बर्दवान केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अंचल के लिए स्थानान्तरित किए।

सं० 30—कूचबिहार अंचल के अन्तर्गत अलीपुर द्वार II रेंज से बदली होने पर श्री ए० के० सरकार, II श्रेणी अधीक्षक, अपराह्न दिनांक 31-3-75 को उपरोक्त अंचल के अन्तर्गत दिनहाटा (टाउन) रेंज का भार ग्रहण कर श्री जी० सी० दास, II श्रेणी अधीक्षक, को स्थानान्तरित किए।

सं० 31—दिनहाटा (टाउन) रेंज से बदली होने पर श्री जी० सी० दास, II श्रेणी अधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 7-4-75 को अलीपुर द्वारा II रेंज का भार ग्रहण कर श्री पी० जी० मुखर्जी, अतिरिक्त कार्य अधीक्षक, को स्थानान्तरित किए।

सं० 32—रायगंज सीमा शुल्क क्षेत्र से बदली होने पर श्री आई० एन० गुहा, II श्रेणी अधीक्षक अतिरिक्त मध्याह्न पूर्व दिनांक 1-4-75 को दिनहाटा सीमाशुल्क क्षेत्र का भार ग्रहण कर श्री के० एम० दत्ता, अधीक्षक अतिरिक्त कार्य, को मुक्त किए।

एन० एन० राय चौधरी,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क
पश्चिमी बंगाल : कलकत्ता

बड़ौदा, दिनांक 30 अप्रैल 1975

सं० 11/1975—श्री पी० एम० कोठावाला, स्थायी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग II निष्पारण व निरीक्षण ग्रुप, IV, ग्रहमदाबाद मण्डल II दिनांक 6-4-75 को 58 वर्ष की आयु के हो जावेंगे (जन्म तिथि 6-4-1917) अतः भारत सरकार, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 33-12-73-स्थापना (क) दिनांक 24-11-1973 के अनुसरण में वे 30-4-1975 के अपराह्न से निवृत्त पेंशन पर सेवा निवृत्त हो जावेंगे।

सं० 12/1975—श्री आर० ए० रावल, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग II डाकोर रेंज, नडियाद, दिनांक 8-4-1975 को 58 वर्ष की आयु के हो जावेंगे (जन्म तिथि 8-4-1917) अतः भारत सरकार कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 33-12-1973 स्थापना (क) दिनांक 24-11-1973 के अनुसरण में वे 30-4-1975 के अपराह्न से सेवानिवृत्त पेंशन पर निवृत्त हो जावेंगे।

सं० 13/1975—श्री एच० एस० देसाई, स्थायी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग II लीव रिजर्व आनन्द मण्डल, दिनांक 15-4-1975 को 58 वर्ष की आयु के हो जावेंगे (जन्म तिथि 15-4-1917) अतः भारत सरकार कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 33-12-73-स्थापना (क) दिनांक 24-11-1973 के अनुसरण में वे 30-4-1975 के अपराह्न से निवृत्त पेंशन पर सेवा निवृत्त हो जावेंगे।

न० बे० संजाना,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

पटना, दिनांक 9 जून, 1975

सं० 11 (7) 5-स्था०/75/5977—श्री पी० पी० गुप्त, स्थानापन्न अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना अपने सेवा काल के समाप्त होने पर दिनांक 30-4-75 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11(7) 5-स्था०/75-5978—श्री लल्लू जी सहाय स्थानापन्न अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना अपने सेवा काल के समाप्त होने पर दिनांक 30-4-75 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 23 मई 1975

सं० 11(7)/5-स्था०/75—कार्यालय स्थापना आदेश संख्या 122/75 दिनांक 21 मई, 1975 जिसके अनुसार श्री एस० डी० पी० शर्मा वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षक केन्द्रीय उत्पादन तथा सीमा शुल्क को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० तथा सामान्य भत्तों के सहित के वर्तमान वेतनमान में अनंतिम रूप से अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसरण में श्री एस० डी० पी० शर्मा ने 1-5-75 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, सीमा शुल्क, गरहरा ट्रिपिमेंट यार्ड के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया।

ए० जे० एफ० डिसूजा
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मु०) पटना।

मद्रास-600034, दिनांक 30 अप्रैल 1975

सी सं० II/3/32/75-संस्थापन—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता-कार्यालय, मद्रास के निम्नलिखित निरीक्षकों को अगला आदेश होने तक स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, श्रेणी-II नियुक्त किया गया है और प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से उनके नामों के सामने निश्चित स्थानों पर तैनात किया गया है :—

क्र० सं०	नाम	स्थान, जहां अधीक्षक श्रेणी-II के रूप में तैनात किया गया है	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	पी० मणी फिलिप	वैलोर प्रभाग का बहुपदी अधिकारी रेंज	26-3-75 अपराह्न
2.	आर० पद्मनाभ राव	वैलोर प्रभागीय कार्यालय	17-4-75

1	2	3	4
3. एस० डी० सिलवा	कोयंबटूर-II प्रभाग का तिरुपुर बहुपदीय अधिकाारी रेंज		11-4-75
4. सी० रोड्रिगज	कोयंबटूर-II प्रभाग का नेगामम बहुपदीय अधिकाारी रेंज		6-4-75 अपराह्न
5. एन० आर० रामा- नुजम	मद्रास-III प्रभाग		25-3-75
6. एस० रामास्वामी	मुख्यालय-मद्रास		1-4-75
7. के० एम० वडी- वेलू	वैलोर प्रभाग के गुडि- यातम बहुपदीय अधिकाारी रेंज		7-4-75 अपराह्न
8. एम० एस० सोम- सुन्दरम	पांडिचेरी प्रभाग		31-3-75
9. बी० गणेशन	मद्रास-I प्रभाग		22-3-75
10. जे० पी० रोबर्टस	प्रधान-कार्यालय मद्रास		7-3-75
11. टी० स्वामीनाथन्	कोयंबटूर-II प्रभाग का पोल्लाची बहुपदीय अधिकाारी रेंज		19-3-75

सी० चिदम्बरम्,
समाहर्ता

निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1975

सं० 1041/21/75—श्री श्रीधर प्रसाद ने जो कि पिछले दिनों समाहर्तलय पटना, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में अधीक्षक श्रेणी-II के पद पर नियुक्त थे, श्रेणी-I में पदोन्नति हो जाने पर निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के उत्तरी प्रादेशिक एकक पटना में दिनांक 17-5-75 के दोपहर-पूर्व से निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-I का कार्यभार सम्भाल लिया है।

बी० एस० चावला,
निरीक्षण निदेशक
सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक जून 1975

सं० क-19012/471/74-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/471/74-प्रशा०-5 दिनांक 13 फरवरी, 1975 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एस० एल० अहलूवालिया, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में विशेषा-

धिकारी (लेखन) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 1-3-75 से 31-8-75 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाएगा जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० मेनोन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक मई 1975

सं० क-19012/279/72-प्रशा०-5—इस आयोग की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 3 मई, 1972 का आंशिक परिवर्तन करते हुए अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (इस समय केन्द्रीय जल आयोग) अपने प्रसाद से श्री अजीत कुमार, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) (इस समय केन्द्रीय जल आयोग) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में स्थानापन्न क्षमता में अप्रयोगात्मक रूप में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपए (पूर्वसंशोधित) के वेतनमान में 22 जनवरी, 1969 से तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री अजीत कुमार के लिए यह मान लिया जाय कि उन्होंने केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध), नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार उपर्युक्त तारीख से संभाल लिया है।

सं० क-32014/7/74-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना संख्या 32014/7/74-प्रशा०-5 दिनांक 10 फरवरी, 1975 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1-4-75 से 30-6-75 तक की अवधि के लिए, अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं:—

1. श्री बी० रामनाथन
2. श्री आई० जेड० पूनावाला
3. श्रीमती बालसल कुमारी
4. श्री ए० जी० काले

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, एतद्वारा नियुक्त करते हैं—

- | | |
|-------------------------|---------------------|
| 1. श्री ए० के० महादेवन— | 14-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री जी० गुनालन— | 9-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री के० के० सुद— | 13-5-75 (पूर्वाह्न) |

मूल गंकर पाठक,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली-49, दिनांक जून 1975

सं० 1(6)/73 गो०ज०वि०न्या०—अन्तर्राष्ट्रीय जलविवाद अधिनियम, 1956 (1956 का 33वां) की धारा 4(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गोदावरी जलविवाद न्यायाधिकरण एतद्वारा श्री बी० आर० पलटा को 4जून, 1975 के पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक, अंशकालिक आधार पर अर्सेसर नियुक्त करते हैं।

न्यायाधिकरण के आदेश से
आर० पी० मरवाहा
सचिव

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1975

सं० 5—भारतीय रेल भंडार सेवा के अधिकारी श्री बी० आर० किनरा जो भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि०, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्त थे, 31-3-75 अपराह्न से उत्तर रेलवे की रेल सेवा से अन्तिम रूप से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 9 जून 1975

सं० 6—श्री आर० के० किचलू, स्थानापन्न प्रधानाचार्य, ओक ग्रेव स्कूल, उत्तर रेलवे, झारखण्ड को इस रेलवे पर 10-4-74 से अपने पद पर स्थायी किया जाता है।

सी० एस० परमेश्वरन,
महाप्रबंधक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी फिषरमान एन्टरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

एरनाकुलम, दिनांक 12 जून 1975

सं० 1984/लिख—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी फिषरमान इन्टरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० एस० अन्वार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स नारणलाल जीवनलाल एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 560/118—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स नारणलाल जीवनलाल एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स फ्रिजो इन्डस्ट्रीयल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 560/1762—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स फ्रिजो इन्डस्ट्रीयल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० एस० एम० चिट फंड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 5512/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० एस० एम० चिट फंड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और काम्प्रीहैन्सिव इंजीनियरिंग सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 5682/560 (3) /75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर काम्प्रीहैन्सिव इंजीनियरिंग सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

दिनांक 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 और वासुकी चिट फंड्स लिमिटेड के विषय में

सं० 5729/560 (3) /75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वासुकी चिट फंड्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

एस० श्रीनिवासन,
सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निर्मला दि कम्पनी लिमिटेड के विषय में

दिनांक 23 मई 1975

सं०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर निर्मला दि कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

एस० पि० वसिष्ठ
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

संगठन और प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1975

फा० सं० 9/315/75—संगठन और प्रबंधक सेवा निदेशालय, 11209—श्री आर० एस० राठौर, सहायक आयकर आयुक्त ने विदेश में हुई अपनी प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन होने पर, संगठन और प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1975 के पूर्वार्द्ध से प्रबंधक सूचना तन्त्र बफार्म डिजाइन में विशेषज्ञ के पद का कार्यभार संभाला ।

एच० डी० बहल,
संगठन और प्रबंधक सेवा निदेशक
(आयकर)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 59-एस/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सूट नं० 5 है, तथा जो शान्तीनिकेतन, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इन्द्र लाल साहू व अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती साहू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला सूट नं० 5 जिसमें किचन, गुसल-खाना, टट्टी व 6 कमरे हैं, जो कि शान्तीनिकेतन जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 15-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का लिय
अर्जन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 18/75-76/आई० ए० सी० (ए० आर०)/
भुवनेश्वर—यतः मुझे, जी० बी० चान्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० खाता नं० 726 तथा नं० 1252 है, जो भुवनेश्वर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वजीत चामला, स्वामी बलबीर सिंह।
(अन्तरक)
2. कुमारी कानन बाला राय, पिता राम चन्द्र राय।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए० आ० 686 डेसीमल जमीन भुवनेश्वर में स्थित है, जिसकी
प्लॉट नं० 4, नं० 5 और खाता नं० 726, प्लॉट नं० 9/4062,
खाता नं० 1252 है। वह जमीन भुवनेश्वर सबरजिस्ट्रार आफिस
में 17-10-1974 तारीख में रजिस्टर हुआ, जिसकी डाकुमेंट
नं० 6912 है।

जी० बी० चान्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 11-4-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-पाँच बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/196/9/75-76—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पाँच, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इस में इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० चाल्टा नं० 339 (जूना खोट सं० नं० 145 प्लॉट नं० 4 और सि० सं० नं० 56 है, जो न भाण्डूप में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती ललीता एम० गोविंद भट और अन्य (अन्तरक)
2. श्री नरेन्द्रसिंह हरगोपालसिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परती जमीन के वे तमाम टुकड़े जो भाण्डूप (अन्जूर जिला बम्बई उपनगर अभी बृहत्तर बम्बई और रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में शामिल माप में 1260 वर्गगज समकक्ष 1053.52 वर्गमीटर या आसपास है और जिसकी चालता नं० 339 (पुराना खोट नं० 145, प्लॉट नं० 4) और सिटी सर्वेक्षण नं० 567 है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से ईश्वरदास चाल द्वारा, पश्चिम में इंडियन स्टील कारपोरेशन की जायदाद द्वारा, उत्तर में मैसर्स नोवा कम्पनी की जायदाद द्वारा और दक्षिण में चालता नं० 234 द्वारा।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-पाँच, बम्बई

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 16 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 212/ए० सी० क्यू० 23-396/6-2/74-75—
अतः मुझे पी० एन० मिस्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 279 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 525, बड़ौदा, कस्बा, प्लॉट नं० 3, कुल माप 5289 वर्ग फुट है, तथा जो सम्पतराव कालोनी के पास, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. रेमूभाई कासमभाई वोरा, 5 दीप मंगल सोसायटी, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा ।
(अन्तरक)

2. नूरभाई रेहमनभाई वोरा, फारूकभाई नूरभाई वोरा, आरिफ भाई नूरभाई वोरा (सगीर, अपने थाली नूरभाई वोरा मारफत), बैठक मंदिर के सामने, नवापुरा, सिधनाथ रोड, बड़ौदा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन, जिसका रे० सं० नं० 525, बड़ौदा कस्बा प्लॉट नं० 3, कुल माप 5289 वर्ग फुट, सम्पतराव कालोनी के पास बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के 17-10-1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4512 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2,
अहमदाबाद ।

दिनांक : 16-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 213/ए० सी० क्यू० 23-399/19-7/74-75—

अतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 42 पैकी और 43 पैकी है तथा जो उघना, त० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा में (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. मै० बड़ौदा ब्रिक फैक्टरी की ओर से उसके सहचारी : जीवनलाल जोईनाराम, जयन्तीलाल जीवनलाल, हीरालाल जीवन-राम, सूरत। (अन्तरक)

2. जीवन ज्योत नगर फ्लेट्स को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की ओर से:—चेयरमैन : मगनीभाई नरोहनभाई पटेल सेक्रेटरी: शान्तीलाल हिम्मतलाल प्रजापति, मैनेजिंग कमीटी मेम्बर: दिनेशचन्द्र, साकरलाल गान्धी, सूरत : (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (जमीन नींव तक बांध काम तथा कालम सहित) जिसका रे० सर्वे नं० 42 पैकी और 43 पैकी 1357 वर्ग गज है और जो उघना (सूरत-उघना रोड) जीवन ज्योति सिनेमा के पीछे त० चौरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अक्टूबर, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3714 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-4-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 214/ए० सी० क्यू० 23-283/19-7/74-75—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० क्यू० वार्ड नं० 13, नोष्ठ नं० 244 है, तथा जो अठवा, गोडघोड़ रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सूरत जिला परोठ विभाग राजपूत केलवनी फंड, मैनेजिंग ट्रस्टी : मोहनसिंह रूपसिंह अरोदायिया, (वकील) ओलपाड, जिला : सूरत :—
(अन्तरक)

2. श्री जीवन स्मृति को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, प्रेसीडेंट : गजेन्द्र सी० परीख, सेक्रेटरी : रमणभाई बी० देसाई, मेम्बर : नानुभाई सी० देसाई।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति, जिसका नं० 244 वार्ड नं० 13 और कुल माप 5279 वर्ग गज है और जो गोड घोड़ रोड, अमीकुंज के पीछे, अठवा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के अक्टूबर, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3804 से 3807 में प्रदर्शित है :

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 18-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० 215/ए० सी० क्यू०-23-282/19-7/74-75—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० क्यू० वाडं नं० 4, नोंछ नं० 4226 और 4227 है, तथा जो भूला मोदी चकला (दानापीठ) सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) हंसाबेन एलियास भीखीबेन, नथुभाई दयाराम की विधवा ।
- (2) लीलावती बेन, दयाराम आत्माराम की पुत्री
- (3) जाड़ीबेन, दयाराम आत्माराम की पुत्री, सूरत ।
(अन्तरक)

2. जसोदाबेन मोहनलाल नथुभाई, सूरत । (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नोंछ नं० 4226 और 4227 क्यू० वाडं नं० 4 है और कुल माप क्रमशः 140 वर्ग गज और 56 वर्ग गज है और जो अंक और दानापीठ, दूसरी ओर भूला मोदी चकला सूरत पर स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के अक्टूबर, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेखों नं० 3732 और 3731 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 18-4-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए-94/डी०बी०आर०/75-76/225-38—अतः मुझे एगर्वाट सिंग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी पट्टा सं० 1 (नई), 101 (पुराना), 1 (नई), 102ए (पुराना), 1 (नई), 102 (पुराना), 1 (नई), 1 (पुराना), 1 (नई), 8 (पुराना), 6 (नई), 1 (पुराना), 21 (नई), 28 (पुराना), है तथा जो टिप्पुक टी एस्टेट, डिब्रूगढ़, जिला आसाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिब्रूगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दि लोकाई (आसाम) टी कम्पनी लिमिटेड, 21, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1। (अन्तरक)

2. दि एरीदावारी टी० कम्पनी (प्रा०) लि०, 11-आर०, एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लगभग 2550 एकड़ परिमाण के जमीन में चाय की छोप, चारा, फँकटरी, मकानें, बिल्डिंगें, गुदामें, बनावोट, स्ट्राकबार आदि, प्लान्ट-मशीनरी और गाड़ी आदि हैं और यह जमीन टिप्पुक टी एस्टेट, जिला डिब्रूगढ़, आसाम में स्थित है।

एगर्वाट सिंग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 18-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० ए-93/जनवरी/75-76/242-58--अतः मुझे
एगवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० के० पी० पट्टा सं० 35, डाग सं० 278 है तथा जो
ग्राम जाफ्रिगोग, मौजा बेलतला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) महेन्द्र मिश्र, (2) गार्हिन मिश्र, पुत्र मृत पुत्री
मिश्र, ग्राम, जाफ्रिगोग, मौजा बेलतला । (अन्तरक)
2. सन्धिराम कलिता, ग्राम बधान, मौजा कारारा, नलबारी ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन की परिमाण 4 (चार) काट्टा, 10 (दस) लेछा, जो
डाग सं० 278, के० पी० पट्टा सं० 35 से घेरी हुई है और यह जमीन
गांव जाफ्रिगोग, मौजा बेलतला, जिला कामरूप, आसाम प्रदेश में
स्थित है ।

एगवर्ट सिंग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख : 18-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० ए०-87/जी० एल० जी०/74-75/261-75—

अतः भुञ्जे एगर्बट सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पी० पी० सं० 177 है तथा जो मनोआ मीजा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोलाघाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुञ्जे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शर्वाचन्द्र नाथ बैनार्जी, पी० एस० बेहला, कलकत्ता-34।
(अन्तरक)

2. श्री केदारमल बिनानी और दूसरों, वार्ड सं० 5, गोलाघाट टाउन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की परिमाण 2 (दो) बीघा, 3 (तीन) काट्टा और 3 (तीन) लेखा जो पी. पी० सं० 177 से घिरी हुई है और यह जमीन मानखोआ मीजा, गोलाघाट टाउन, शिवसागर जिला, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगर्बट सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 18-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-393 (168)/1-1—यतः मुझे जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 3421-5 है, तथा जो शाहपुर, वार्ड II, अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स अमी कारपोरेशन अपने भागीदार द्वारा :

- (1) श्री नरेन्द्र कुमार मगनलाल पटेल
- (2) श्री प्रवीणचंद्र चंदूलाल पटेल,
- (3) श्री अरविंदकुमार, बंसीलाल पटेल,
- (4) श्री छक्कडदास चंदूलाल पटेल,
- (5) श्री परमानंददास मगनलाल पटेल
- (6) श्री जसवंतकुमार चंदूलाल पटेल

कड़वापोल, दरियापुर, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्याम इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, इन्डस्ट्री हाउस, सुपर मार्केट के निकट, आश्रमरोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन बांधकाम सहित जिसका क्षेत्रफल 502 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 3421-5 है तथा जो शाहपुर वार्ड-II अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

तारीख : 24-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-375 (161)/11-6/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई० पी० नं० 79 तथा जो बेरावल पाटन रोड, भीडीया, बेरावल (गुजरात) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरावल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अन्य या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आ 3 में को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-146 GI/75

1. श्री सुधीर सूरजकिशन चौधरी, (2) श्रीमती हर्षिदा के० सिव, भालका रोड, बेरावल (अन्तरक)

2. श्री उमर हाजी अहमद, इस्माइल हाजी अहमद, जबेरी बाजार, बेरावल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पुरानी इमारत सहित जो "चौधरी बंगलो" के नाम से ज्ञात है और जिसका क्षेत्रफल 7506.32 वर्ग मीटर है और जिसका ई० पी० नं० 79 है और जो भीडीया बेरावल पाटन रोड, बेरावल पर स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्व :—गनी हाजी अहमद की सम्पत्ति।

पश्चिम :—आय लेन।

उत्तर :—बेरावल पाटन रोड

दक्षिण :—इसी सम्पत्ति का दूसरा हिस्सा।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० 92/73-74/136-49—अतः मुझे एगबर्त सिंग, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पि० पत्ता नं० 360 (पू०) और नं० 257 (नया) और दाग नं० 1101 है तथा जो गौहाटी में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-10-1974 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बनारसी देवी मोर, पत्नी लेट रामदेव मोर, फैन्सी बाजार, गौहाटी। (अन्तरक)

2. (1) श्री अनित सिंग बोथरा, पुत्र लेट चुनिलाल बोथरा
(2) श्री मनीसिंग बोथरा, पुत्र लेट चुनिलाल बोथरा।
(3) सुशीलकुमार बोथरा, पुत्र श्री अजित सिंग बोथरा।
(4) श्री अनिल कुमार बोथरा, पुत्र श्री अजित सिंग बोथरा
(5) श्री विनोद कुमार बोथरा, पुत्र श्री अजित सिंग बोथरा
यह सब लोग हाल में टी० आर० फूकन रोड, फैन्सी बाजार, गौहाटी में हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप 19-1/2 (साढ़े उन्नीस लेखा) जो कि दाग नं० 1101, पी० पत्ता नं० 360 (पू०), 257 (न०) में पड़ी हुई है और यह टी० आर० फूकन रोड, गौहाटी कामरूप जिला, आसाम प्रदेश में है।

एगबर्त सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख: 2 अप्रैल 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० ए०-91/इमफाल/74-75-117-27—अतः मुझे एगवर्ट सिंग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पत्ता नं० 350 (प) नं० 239 है तथा जो इमफाल म्यूनिसिपलिटि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इमफाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1974 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. नेमेइराकपम कुला सिंग, सं० अ० लेट टोला सिंग, (2) हेइकरजम निमाई चन्द, दोनों केईसामपत लेईमाजाम लेईकाई, इमफाल। (अन्तरक)

2. जगत बहादुर खट्टरी, पुना बाजार, ईमफाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 1500 स्क्वायर फुट (प्रचि) ईमफाल म्यूनिसिपैलिटी के पत्ता नं० 350 (पू), तथा पत्ता नं० 239 जो कि इमफाल म्यूनिसिपैलिटी के जग्गा नं० 414/179 और 415/179 में पड़ी हुई है और उस में एक पक्का मकान, जमीन में और कच्चा मकान उसके ऊपर में है।

एगवर्ट सिंग,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 24-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० 2312/74-75—यतः मुझे के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 475, 273/1 बी०, 273/3बी०, है तथा जो कोन्नावाकरै, गांव, कोटगिरि, ताला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटगिरि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० के० चेट्टियार, (2) श्री के० सी० शम्भुगम, (3) के० सी० परमेश्वरन, (4) के० सी० वेंकटेशन, (5) के० सी० नन्दकुमार, (6) के० सी० कथप्पन, (7) के० सी० गुणशेखर, (8) के० सी० कृष्णन, कोटगिरि। (अन्तरक)

2. फा० जेम्स पल्ली वातुकुल, मेरि इमक्कुलट का संकठित मलबार प्राविजनल का दि वैंस प्राविन्स, माटि कण्णु, कोजिकोड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोन्नावाकरै गांव में एच० नं० 475 (8.33 ए०), 273/1 बी० (23 ए०), 273/3 बी० (33.43 ए०) स्थित घर और भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 17 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माऊंट रोड, मद्रास-600006

मद्रास 600006, दिनांक 9 जून 1975

निर्देश सं० 2314/74-75—यतः मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णरायपुरम गांव, कोयम्बतूर है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट : 3835/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री सी० बी० सुन्दरराजन, सी० बी० रामराज, सी० बी० सेलवरज, श्रीमती पुनियलक्ष्मी, अम्माल । (अन्तरक)

2. दि कस्तूरी मिल्स लिमिटेड, कोयम्बतूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, कृष्णरायपुरम गांव के 67 सेन्ट का भूमि (मकान के साथ) (सर्कुलर हाउस के पास) (डाकुमेण्ट 3835/74) ।

जी० बी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवाना-कर्वेरोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5 (अक्तूबर, 74/करवीर/201/75-76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सि० सं० नं० 198 है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करवीर (कोल्हापुर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम

की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री नारायण महादेव रावाडे, 198-ई०, कोल्हापुर।
- (2) श्री पांडुरंग नारायण रावाडे, 198-ई०, कोल्हापुर।
- (3) श्री बालसाहेब नारायण रावाडे, 198-ई०, कोल्हापुर।
- (4) भाऊसाहेब नारायण रावाडे, 198-ई०, कोल्हापुर।
- (5) आप्पासाहेब नारायण रावाडे, 198-ई०, कोल्हापुर।
- (6) संजय नारायण रावाडे, 198-ई०, कोल्हापुर।

सबके लिए कोर्ट कमिश्नर श्री गणपतराव तुकाराम दलवी 2781 डी, वाई, कोल्हापुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री सूर्यकान्त बलवंतराव मिर्जे
- (2) मनोहर बलवंतराव मिर्जे
- (3) बसंत बलवंतराव मिर्जे
- (4) रमेश बलवंतराव मिर्जे
- (5) अशोक बलवंतराव मिर्जे
- (6) दीपक बलवंतराव मिर्जे

1243/56, ई०, कोल्हापुर

(7) नरेन्द्र शांतीनाथ पाटणे, 579 ई०, कोल्हापुर।

(8) सुरेश शांतीनाथ पाटणे, 579 ई०, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट सि० सं० नं० 198, वाई ई०, कोल्हापुर, काबला नाका नजदीक, क्षेत्रफल 76620 वर्ग फीट। जो निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व के तरफ :—प्रापटी नं० 1-ए०।

पश्चिम की तरफ—प्रापटी नं० 4-ए०।

दक्षिण की तरफ—पूना बंगलोर रास्ता और

उत्तर की तरफ—प्रापटी नं० 2 बी०, और 3-बी० और 4-बी०

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 31-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एस० नागेस्वर राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ए० जयलक्ष्ममा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 10 जून 1975

निर्देश सं०

—यतः मुझे

जी० बी० झाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 8/ए० है तथा जो ब्लाक सं० 16, सं० 120 जमीन, अड्यार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (मद्रास) (डाकुमेण्ट नं० 990/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० 120 जमीन अड्यार, ब्लाक सं० 16, टी० एम० सं० 8/ए० में 8.88 आउण्ड का भूमि ।

जी० बी० झाबक,
संलग्न प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 10-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्री टी० कृष्णदत्त पपात

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री संतोष बघायम

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कलकत्ता-16, दिनांक 12 जून 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

सं० टी० आर०-238/सि०-251/कल-I/74-75 यतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 43 (चार तल्ला) है तथा जो 42 बी०, सेक्सपीयर सरणी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 5 गवर्नमेंट प्रेस नया कलकत्ता-I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 43 (चार तल्ला) 42बी० सेक्सपीयर सरणी में अब स्थित सालिमार् एपार्टमेंट जगह नीचे तल्ला का एक नौकर का कमरा और एक कार रखने की जगह।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 12-6-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश नं० 13-डी/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० 134 वी है तथा जो मो० ईदगाह लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखीमपुर खीरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8/10/74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्रा अग्रवाल (अन्तरक)

(2) श्री दमोदर प्रसाद पाण्डे व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 134 वी० जिसका रकबा 28040 वर्ग फीट है जो कि मोहल्ला ईदगाह जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 31-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० चिन्नप्परेडि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० एल० मोरडि निर्मल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 12 जून 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 1390/74-75 :— यतः मुझे, जी० वी०

झाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

जिसकी सं० 5 ए और 6, सर मादवन नायर रोड
महालिगपुरम मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, टी० नगर (मद्रास) (डाकुमेन्ट सं० 1440/
74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-34, महालिगपुरम, मादवन नायर रोड में
भूमि और मकान जिसका डोर सं० 5 ए 6 है।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-6-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एक्युजिशन रेंज-I कार्यालय
कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 जून 1975

निदेश सं० टि० आर० 244/सि०-234/कल०-1/74-75—
अतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6/1 है तथा जो उड स्ट्रीट कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5,
गवर्नमेन्ट प्रेस कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17.10.74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री भगवान दास तुलसी दास (अन्तरक)
- (2) श्री कमल कुमार गोपाल दास (अन्तरिती)
- (3) श्री गोपालदास तुलसीदास, लकीदास, तुलसीदास
एण्ड भगवान दास तुलसी दास (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेज नं० 6/1 उड स्ट्रीट कलकत्ता-16 या
एस० पार्क स्ट्रीट में अब स्थित अभिवाजित 1/12 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
54, रफी अहमद किदवाई रोड
कलकत्ता - 16

तारीख : 11-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, तारीख 11 जून, 1975

निदेश सं० टि० आर० 243/सि० /1-1/74-75:—
यतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6/1 है तथा जो उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वन-मेन्ट प्रेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17.10.1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भगवान दास, तुलसी दास (अन्तर)
- (2) श्री भीरेन्द्र कुमार गोपाल दास (अन्तरिती)
- (3) (1) गोपाल दास तुलसीदास, (2) लक्ष्मीदास तुलसीदास एण्ड भगवान दास तुलसीदास (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/1 उड स्ट्रीट, कलकत्ता-16, सि० एस० पार्क
स्ट्रीट में अबस्थित अभिवाजित 1/12 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
54, रफी अहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 11-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री भगवान दास, तुलसी दास (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) ललित कुमार, गोपाल दास (अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) (1) श्री गोपालदास तुलसीदास (2) लक्ष्मीदास
तुलसीदास (3) भगवानदास तुलसीदास
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एक्युजिशन रेंज 21

कलकत्ता - 16, तारीख 11 जून 75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निदेश सं० टि० आर० - 245/सि० - 235/कल-1/

74-75:—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6/1 है तथा जो उड स्ट्रीट कलकत्ता
- 16 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गर्वनमेन्ट प्रेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 17.10.74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

प्रेमिसेज नं० 6/1 वुड स्ट्रीट कल०-16 पि० एस०-
पार्क स्ट्रीट में अवस्थित अविभाजित 1/12 हिस्सा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -I,
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश : सं० एम० आर० इन्दौर / 17.10.74—

अतः मुझे, व्ही० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० 52 है जो संयोगिता गंज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17.10.74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बिच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स लक्ष्मन दास बाल किशन द्वारा बालकिशन पिता लक्ष्मन दास इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बिरला ब्रदर्स $\frac{1}{2}$ मुरारी मोहल्ला इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 52 संयोगिता गंज के पास इन्दौर।

व्ही० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 6 जून 1975

निदेश सं० एम० आर० / इन्दौर / 28.10.75:— अतः मुझे, वी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 126 है, जो पालसीकर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर पिता श्री कृष्ण उपाध्याय निवास
126 पालसीकर कालोनी इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा चावला पति श्री महेन्द्र सिंह चावला
बैराठी कालोनी नं० 1 इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान प्लॉट नं० 126 पालसीकर कालोनी
इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश सं० एम० आर० /इन्दौर/ 28.10.74—अतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० प्रोपर्टी है, जो न्यू पालशीकर में स्थित
है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28.10.74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रोफेसर दीवान दास खान चन्द मन्साराम
गवर्नमन्ट कालोनी दुनी। (अन्तरिती)

(2) श्री कैलाश चन्द सेठी निवास 234 एम० पी०
रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुक मेमेनरी क्वाटर्स, 6-वी /3 न्यू पालशीकर इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1975

निदेश सं० एम० आर० / रायपुर / 4-10-74 —
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी सं० प्लॉट है, जो सिविल लाइन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्यापितः—
7-146G1/75

- (1) श्रीमती कमलाबाई पति मनोहर चन्द चोपड़ा
निवासी सदर बाजार रायपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री सरदार हरनाम सिंह पिता सरदार मेहरसिंह
शास्त्री निवास माधवा पारा रायपुर। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप यदि कोई हो तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 10,000 सक्वायर फीट सिविल लाइन
रायपुर

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश सं० एम० आर० / इन्दौर / 17-10-74—अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० दो मंजिल है जो मनोरमा गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थात् :—

(1) श्रीमती मलिनी बाई पति स्व० दसाराम हिन्द-लेकर हरिहर निवास 163 डी- डा० अम्बेडकर मार्ग इन्दौर। (अन्तरक)

(2) 1 श्री अणोक कुमार 2. अरविन्द कुमार पिता रामलाल छावड़ा निवास 36 नार्थ हरसिद्ध स्ट्रीट नं० 2 इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान म्युनिपल नं० 2 स्ट्रीट नं० 2 मनोरमा मार्ग इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-75
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जयराम दास पिता प्रभुवास द्वारा फर्म पुरी फर्म परोडक्ट 41/44 इन्ड्रीस्टे इन्दौर। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश सं० एम० आर० / इन्दौर / 30.10.74—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 4 है, जो रोशन सिंह भण्डारी मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30.10.1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) श्री कैलाश चन्द पिता मदन लाल धानुक निवास विरला ग्राम नमादा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4 डा० रोशनसिंह भण्डारी मार्ग इन्दौर।

बी० कु० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6.6.75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश सं० एम० आर० /इन्दौर /21.10.74--

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० मकान नं० 6 है, जो छीपा बाखट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29.10.74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राजाबाई पति मोती लाल कोरवाल
छीपा बाखट इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री नारायण राव पिता गोपाल राव निवास 16
शंकर बाजार इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6 छीपा बाखट स्ट्रीट नं० 3 इन्दौर।

वी० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6.6.75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश सं० एस० आर० /अशोक नगर / 22-10-74:—
अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो अशोक नगर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अशोक नगर में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रतन लाल पिता राम गोपाल निवास गांव
डाकोनी तह० अशोकनगर (अन्तरक)

(2) श्री गट्टलाल पिता ताराचन्द (2) सुगन चन्द
(3) अणोक कुमार (4) महेन्द्र कुमार (5)
श्री चन्द्रेशकुमार (6) श्री राजनकुमार सभी पुत्रगण
श्री गट्टलाल जैन निवास अशोक नगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बना हुआ वार्ड नं० 5 अशोक नगर

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1975

निदेश सं० एस० आर० / रायपुर / 4-10-74:—
प्रतः, मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो सिविल लाइन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4.10.74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब उपधारा की (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती कमलाबाई पति मनोहर चन्द चौपड़ा निवास-
सदर बाजरा, रायपुर (अन्तरक)

(2) श्री सरदार यशपाल सिंह पिता सरदार सिंह
साहनी निवास मोधापारा रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 10000 सक्वायर फीट सिविल लाइन
रायपुर

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 6.6.75

निदेश सं० एम० आर० / इन्दौर / 16.10.74:—
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकेशन है, जो आगरा बम्वे रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16.10.74 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कमलप्रसाद मिश्रा निवास पिपलमाराव बाम्बे आगरा रोड इन्दौर (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन लाल पिता जगदीश लाल (2) रमेश कुमार जगदीश लाल 17 महारानी रोड इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकलचरल भूमि 1.50 एकड़ मकान, कुआ, बिजली इत्यादि गांव पिपलियाराव आगरा बम्बे रोड इन्दौर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना-411004

पूना 411004, तारीख 7-6-1975

निर्देश सं० सी० ग्रे० /5/आक्टूबर/ 74 हवेली 11 (पूना)
203/75-76:—यतः, मुझे, एच० एस० ओलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सं० क्र० 17-ए है तथा जो वानवडी (पूना) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली 11 (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16.10.74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री नारायण महादेव दाते सी /4 बाल गोविन्द सोसाईटी टायकल वाडी रोड बम्बई (अन्तरक)
- (2) सिस्टर ऑफ अवर लेडी ऑफ फातिमा मदर मेरी हिल्डा सेंट पेट्रिक कॉन्वेंट प्रिन्स ऑफ वेल्स ड्राईव्ह पूना (अन्तरिती)
- (4) मे० एस० बी० शोरत अण्ड असोसिएटस पूना (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी है के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड 1/2 अविभक्त भाग सब प्लॉट सं० 48 में सर्वे क्रमांक 17-ए वानवडी, पूना कॅन्टोनमेंट तहसिल हवेली, जिन्हा - पूना क्षेत्रफल - 1,36, 700। वर्ग फिट

एच० एस० ओलख,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० 78/75-76/ए सी क्यू :— यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, धारवाड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी मुनिसिपल नं० 8 (पुराना) और 1-9-77/78 (नया) है, जो स्टेशन रोड, रायचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायचूर डायमण्ड नं० 1329 के अन्तर्गत 14-10-1974 के दिन भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन: को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—146GI/75

(1) श्री कल्लूर महादेवप्पा, सपुत्र कल्लूर सिद्धप्पा, एडवोकेट, स्टेशन रोड, रायचूर (अन्तरक)

(2) श्री बी० लक्ष्मण सपुत्र श्री बी० महादेवप्पा, पार्टनर मेसर्स सुभास मेडिकल स्टोर्स, नेताजी रोड, मेन बाजार, रायचूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्टेशन रोड, रायचूर में स्थित मुनिसिपल नं० 8 (पुराना) और 1-9-77/78 (नया) का अन्तरक का खुला सैट की जगह में 50' × 90' सैज का प्लॉट, जिसकी सीमाएं :—

पूरब में :—अन्तरक का बचा हुआ खुला सैट,

पश्चिम में : स्टेशन रोड,

दक्षिण में :—अन्तरक का कंपोंड का दीवार जो मेसर्स दि रायचूर कन्स्ट्रक्शन कंपनी, रायचूर के घरका किनारा या सीमा है,

उत्तर में :—अन्तरक का बचा हुआ खुला सैट :

आर० पार्थसारथी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 5-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख 5 जून 1975

निर्देश सं० 79/75-76 / ए सी क्यू :— यतः, मुझे,
आर० पार्थसारथी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज धारवाड
आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी मुनिसिपल नं० 8 (पुराना) और 1-9-77/
78 (नया) है, जो स्टेशन रोड, रायचूर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायचूर डॉक्यूमेंट नं०
1330 के अन्तर्गत 14-10-1974 के दिन भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कल्लूर महादेवप्पा सपुत्र कल्लूर सिद्धप्पा,
एडवोकेट, स्टेशन रोड, रायचूर (अन्तरक)

(2) श्री एम० मुन्यालराव, सपुत्र श्री सूरप्पा, प्रोप्राइ-
टर बालाजी अग्रो इंडस्ट्रीज, रायचूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्टेशन रोड रायचूर में स्थित, मुनिसिपल नं० 8
(पुराना) और 1-9-77 / 78 (नया) का अंतरक का खुल्ला
सैट की जगह में 100' × 90' सैज का प्लॉट जिसकी सीमाएं :—

पूरब में :— अंतरक का बचा हुआ खुल्ला सैट,

पश्चिम में : स्टेशन रोड,

दक्षिण में : अंतरक का बचा हुआ खुल्ला सैट और निवास
का घर,

उत्तर में : श्री एम० एल० नायर जी के घर का कंपौंड
का दीवार

आर० पार्थसारथी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारवाड

दिनांक : 5-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1975

निर्देश सं० टि० आर०-242/सी०-232/कल०-I/74-75
—अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 6/1 है तथा जो 35 स्ट्रीट, स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेन्ट प्लेस नर्थ
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 17-10-1974

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवान दास तुलसीदास (अन्तरक)

(2) भिजय-सिंह-गोपालदास

(3) श्री (1) गोपालदास तुलसीदास, (2) लक्ष्मीदास
तुलसीदास, (3) भगवानदास तुलसीदास (अन्तरिती)
(वह व्यक्ति, अधिभोग में सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अदेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रिंसिपल 6/1, 35 स्ट्रीट, कल-16, पि० एस० पार्क
स्ट्रीट, में अवस्थित अविभाजित 1/12 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I,

कलकत्ता-16

तारीख : 11-6-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक, 5 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/अक्टोबर '74/सोलापूर/202/
75-76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फा० प्लॉट नं० 45 है तथा जो सोलापूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापूर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-10-1974

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लालचंद हिराचंद कन्स्ट्रक्शन हाऊस, फोर्ट,
बम्बई-1 (अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर नगर सहकारी गृह निर्माण संस्था
लिमिटेड, बुधवार पेठ, सोलापूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनसखी

फ्री होल्ड खुला फायनल प्लॉट क्र० 45, टी० पी० क्र० 2
करंबा रोड, सोलापूर
क्षेत्रफल—1 अेन्कर 37 गुंटा।

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

- (1) श्री चंद्र भान भूरमल शर्मा (अन्तरक)
(2) श्री पी० जी० चेरीयन और अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जून 1975

निर्देश सं० अं० ई० 5/178/7/74-75—अतः मुझे, जे०
एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज 5 बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जूना सर्वे नं० 29 (पी० टी०), नया
सर्वे नं० 10, हिस्सा नं० 1 (पी० टी०), सी० टी० एस०
नं० 6 (पी० टी०)

है, जो तिरन्दाज गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 8-10-1974 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि के वे पसाम अकडे जो पर्वई इस्टेट में गांव
ट्रान्छा बम्बई उपनगर रजिस्ट्रेशन जिला बृहत्तर बम्बई
में स्थित है और माप में 3029 वर्गगज समकक्ष 25.32.54
वर्गमिटर जा आसपास है और पुराना सर्वेक्षण नं० 29,
अंश नया सर्वेक्षण नं० 10, हिस्सा नं० 1 अंश सर्वे० टी०
एस० नं० 6 अंश है और पूर्व की तरफ 20 फीट चौड़े
रोड द्वारा पश्चिम में वाटर पाइप लाइन द्वारा, उत्तर में
श्री सी० बी० शर्मा की जमीन द्वारा दक्षिण में श्री सी०
बी० शर्मा की जमीन जो मेसर्स शालीमार तार प्रोडक्स के
कब्जे में है, द्वारा घेरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 2-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक, 4 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर० /भोपाल/28-10-74—
अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो एहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
28-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अजीज फातमा विधवा सैयद नुस्ल्ला
साहब (2) सैयद नईमउल्ला पिता सैयद नुस्ल्ला साहब
(3) श्रीमती अनीस सैयद नजीम पती एस० मोहम्मद
नजीम पुत्री सैयद नुस्ल्ला साहब (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुनोफ पिता हाजीकाले खान निवास
इब्राहीम पुर भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, 2 और 3 पार्ट का खसरा नं० 77,
78 बनी हुई एहमदाबाद, भोपाल।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 4-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर० /भोपाल/10-10-74—अतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 17 है, जो रेल्वे स्टेशन में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 10-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री छोटेलाल बल्द वृजलाल निवास रेल्वे स्टेशन
भोपाल (अन्तरक)

(2) श्री श्रीराम, (2) राजाराम, (3) मिश्रीलाल,
(4) मदन लाल पुत्र गण श्रीचुनीलाल निवास अदिया
कलाविदिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 17 रेल्वे स्टेशन मोहल्ला बसरिया पास में
सराय सिकन्दरी नार्थ, भोपाल।

वी० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर० /गवा०/28-10-74—अतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो आर्यनगर मुरार में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवालियर
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मिर्जर गंगा सेवक त्रिपाठी वल्द गोकल प्रसाद,
त्रिपाठी निवासी माल रोड मुरार (अन्तरक)

(2) श्री रामदयाल वल्द हरपाल जैन निवासी गांव
पारसेन परगना गवा० हाल सोदागर सन्तर मुरार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बना हुआ झांसी लूप रोड आर्यनगर मुरार निगम
नं० 106 हल्का नं० 8।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर०/छिन्दवाड़ा/30-10-74—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्डिस्टेरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—146GI/75

1. पार्टनर मैसर्स महालक्ष्मी इन्डस्ट्रीज छिन्दवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री दुर्गा खाडसारी फैक्ट्री नं० 8 दाल हाउस कलकत्ता प्रेजेन्ट सिवनी रोड छिन्दवाड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12 साथ में फैक्ट्री विल्डिंग आफिम गोदा लेबर क्वार्टर्स बना हुआ साईड में प्लॉट इन्डिस्टेरिया सं छिन्दवाड़ा।

बी० के०।

सक्षम प्राप्ति

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण रेंज,

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/2910/68—मतः,
मुझे, वि० कु० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० म्युनिस्पल मकान है, जो भरतीपुर वार्ड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए ;

: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
त 'अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
'मन्लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री काजी रसूलखी (2) कुमारी अरकता बेगम
पिम्बर बहखतर जनाव काजी खुरशीद खी साकिना मुहल्ला
भरतीपुर शहर जबलपुर। (अन्तरक)

(2) श्री मोतीलाल वल्द श्री तुलजामल परवानी सकिन
मं० नं० 300 भरतीपुर वार्ड शहर जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मुनिस्पल नं० 241, 241/1 से 241/4 बनी
हुई भरतीपुर वार्ड जबलपुर।

वि० कु० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर०/बिलासपुर/24-10-74—अतः,

मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान और प्लॉट है, जो दयाल बन्ध में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सरदार चन्द बल्लभ असन चन्द्रा (2) जगदीश मानीजा बल्लभ सरदार चन्द निवास दयाल बन्ध बिलासपुर (अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र लाल बल्लभ बुद्धा सिंग सालुजा निवास टेकरपारा बिलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का मकान दो मंजिला स्टोरी साथ में विलिङ्ग मटेरियल और प्लॉट दयाल बन्ध बिलासपुर।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर० /विलासपुर/30-10-74—अतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० तीन मंजिला है, जो सक्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गंगाप्रसाद उर्फ महाजन प्रसाद और चंद्रिका प्रसाद पिसरान लाखनसाव रातैट सा० सरहर तह० सक्ती जिला विलासपुर (अन्तरक)

(2) श्री ब्रिमल सिंह बलद ठाकुर राम चन्द्र सिंह क्षत्री सा० महंत तह० जाजगी जिला विलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मय बिजली, नल पाईप फिटिंग के सक्ती ख० नं० 48 ह० नं० 7 म्युनिसिपल कमेटी सक्ती जिला विलासपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/28-10-74—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० म्युनिसिपल है, जो कटनी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
28-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनीलाल बलद वृजलाल पटेल निवास नेपीअर
टाउन जबलपुर (अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल मनीलाल एन्ड कं० द्वारा पाटनर
श्री नटवर लाल पटेल (2) श्री मुकेश पटेल निवास नेपीअर
टाउन जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 158 गुरुनानक बाडं कटनी
और खुली भूमि कटनी।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर०/बिलासपुर/30-10-74—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० तीन मंजिल है, जो सवती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गंगाप्रसाद उर्फ महाजन प्रसाद और चन्द्रिका प्रसाद पिता लाखनसाव जिला बिलासपुर (अन्तरक)

(2) श्री संतोष सिंह बल्द रतछाड़ सिंह क्षात्री सा० ठठारी तह० सक्ती जिला बिलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान पक्का तीन मंजिला बिजली, नल पार्थिप फिटिंग तह० सक्ती जिला—बिलासपुर ।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर०/विलासपुर/30-10-74--अतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)
की धारा 269-ख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजिल है, जो सक्ती में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलासपुर में
रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गंगाप्रसाद उर्फ महाजन प्रसाद और चन्द्रिका
प्रसाद पि० लाखनसाव राठौर सा० सरहर तह० सक्ती जिला
विलासपुर (अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमारसिंह वल्द ठाकुर राम
चन्द्र सिंह क्षत्री विलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान पक्का ब्रिजली, नल पार्थीप फिटिंग के सक्ती
ख० नं० 49 हल्का नं० 7 ग्राम पंचायत म्युनिसिपल
कमेटी तह० सक्ती जिला विलासपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

द्वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर०/बिलासपुर/30-10-74—अतः मुझे, वी० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० तीन मंजिला है, जो सक्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनमोहन सिंह बल्द खेम सिंह क्षत्री सा० दारंग तह० जाँगीर जिला बिलासपुर (अन्तरक)

(2) श्री गंगा प्रसाद उर्फ महाजन प्रसाद और चन्द्रिका प्रसाद पिता लाखनसाव राठौर तह० सक्ती जिला बिलासपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान पक्का, बिजली, नल फिटिंग के तीन मंजिला खं० नं० 49, ह० नं० 7 ग्राम पंचायत म्यु० कमेटी सक्ती जिला बिलासपुर।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निदेश सं० एम० आर०/इन्दौर/18-10-74—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो मराठी मोहल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—146GI/75

(1) श्री हीरा लाल बल्द किशन लाल (1) श्रीमती मधु बाई उर्फ मधु उर्फ मंजु पति हीरालाल पुरोहित निवास 5, मराठी मोहल्ला इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्री सुगन चन्द बल्द चादमलजी बडजात्या निवास 13/15, पीर गली इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 4, 5 स्टोरी बनावुआ मराठी मोहल्ला, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-6-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निदेश सं० एम० आर०/गवालियर/5-10-74—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान का हिस्सा है, जो नया बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री शंकर दत्त बलद सोतूबाबू उर्फ सतेन्द्रनाथ दत्त तथा श्रीमती बलद आत्मज श्री शंकर दत्त व सर० पिता शंकर दत्त निवासी गण हाल राज पायगा रोड, लखर गवा० (अन्तरक)

(2) महेश चन्द बलद रामजी लालजी (2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री रामस्वरूप निवासी राजपायगा रोड, लखर गवा० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का हिस्सा राजपायगा मार्ग नया बाजार मकान नं० 818/40 लखर गवालियर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

[मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निर्देश सं० एम० आर०/भोपाल/28-10-74—अतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो अरेरा कालीनी में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
28-10-1974

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

1. श्री अरून गनेश सिन्दुरकर वत्त माधो सिन्दुरकर
निवास 465 मुकुद निवास 14 रोड कार बम्बई (अन्तरक)

2. (1) श्री कुमार राजेश (2) कुमार नीतन द्वारा डा०
रतन चन्द सिगवी निवास पाडुशन छिन्दवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान सिन्हाल स्टोरी प्लॉट नं० 131 सेक्टर ई०
2, अरेरा कालीनी भोपाल।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बूल चन्द परमानन्द व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सायरस रत्न खारस (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

अर्जन रेंज, लखनऊ

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

लखनऊ, दिनांक 2 जून 1975

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

निर्देश सं० 14-सी०/अर्जन—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक
है और जिसकी सं० 673/3 व 661/6 है तथा जो मकयूम
पुर कैंथी विजनौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

भूमि धरी जमीन नं० 673/3 और 661/6 जिसका
रकबा 20 बिघा है। जिसमें मकान गोदाम और एक ट्यूब-
वैल आदि शामिल है। जो कि ग्राम मकयूम पुर कैंथी
विजनौर जिला लखनऊ में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए
सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-6-1975

मोहर :

बिशम्बर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री विश्व रंजन बैसाक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए०सि० अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश सं० ए० सि०-217/आर० IV/कल०/75-76—

अतः मुझे, एस० भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 62 है तथा जो जमुनालाल बजाज स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(2) श्री काजी हुसमुद्दीन, काजी नुरुल इस्लाम, हाजी सेक, रेज्जाक भाति, सेक बशीर भाति, हाजी गनी भाति, हासान बशीर बदगुजार, मोहम्मद बदगुजार हाजी स्कानुद्दीन किची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कट्टा 9 छटाक 19 स्कोयार किट परिमाण जमीन और उसपर मकान, 92 जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, कलकत्ता में।

एस० भट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख : 31-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1975

निर्देश सं० 265/एकुरे III/75-76/कल०—अतः, मुझे, एस० भट्टाचार्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 128 है तथा जो रिजेंट एस्टेट, कल०-32 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिव्येन्दु सेनराय 12 बी० रिजेंट एस्टेट, कलकत्ता-32 (अन्तरक)

(2) श्री परिमल कान्ति भट्टाचार्य, 40 सी०, पुर्बपल्ली, हालतुं, 24 परगना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 6 छटाक 11 स्को० कुट जमिन साथ एकतल्ला मकान जो सं० 128 रिजेंट एस्टेट थाना : यादबपुर 24 परगना (अधिकन्तु 176/14/128 रायपुर रोड, कलकत्ता से परिचित है) पर अवस्थित है।

एस० भट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख : 2-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निदेश सं० एस० आर०/स्वालयर/26-10-74—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है, जो सौदागर संतर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरार में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरेन्द्र प्रसाद मित्तल वल्द श्रीधर मित्तल वकील सौदागर मुरार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामदेवी पति बाबूलाल अग्रवाल, निवास पंचौन, तहसील विजयपुर, जिला मुरैना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और दो मंजिला मकान, सौदागर संतर, मुरार।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1975

निदेश सं० एम० आर०/ग्वालियर/5-10-74—अतः मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो छतरी बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राधा बाई पति विश्ववरदयाल राठी, निवास छतरी बाजार, लश्कर, ग्वालियर । (अन्तरक)

2. श्री सीताराम वल्द गोवर्धनदास राठी, निवास छतरी बाजार, लश्कर, ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 मकान का पोर्सन और प्लॉट छतरी बाजार, लश्कर ग्वालियर ।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० आर० एम०/रायपुर 1-10-74—अतः मुझे वि० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर लाल वल्द खेमचन्द, (2) मंगल दास वल्द तारामल दाया, निवास घनाही, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री अमृतकुमार हीरालाल पील एन्ड कं०, फाफाडी, रायपुर। (अन्तरिती)

11-146GU/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 13, ऐरिया 2295 स्क्वार् फीट और दो मंजिल मकान बना हुआ, फाफाडी, रायपुर।

वि० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर०/रायपुर/1-10-74—अतः मुझे,
वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है, जो छोटा
पारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त
अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल बल्द राम किशन नथानी, निवास
सदर बाजार, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री हरीभाई बल्द गोरी भाई, (2) इलेश बल्द हरी भाई,
श्रीमती दही बेन पत्नी हरी भाई द्वारा मैसर्स पी० डी० एण्ड कम्पनी
बेजनाथ पारा, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान छोटापारा, रायपुर, मकान नं० 8/177
नजुला प्लॉट नं० 101, एरिया 4177 स्क्वयर फीट।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/26-10-74--यतः,
मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट और मकान
है, जो गोसपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 26-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूपनारायण बल्द छदामीलाल, निवास करेरा,
जिला शिवपुरी। (अन्तरक)

(2) 1. श्री गुरुमुखदास, 2. बलराज पुत्र भगवानदास
निवास तानसेन रोड, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान तानसेन रोड, गोसपुरा कालोनी, लखर,
ग्वालियर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर०/ग्वालियर/10-10-74-यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है और जिसकी सं० मकान का हिस्सा है, जो सराफा बाजार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीताराम बल्द गोवर्धनदास राठी, निवास छतरी बाजार, लखर, ग्वालियर ।

(2) श्री राधेश्याम बल्द विशम्भवर दयाल राठी, निवास छतरी बाजार, लखर, ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 पोरन का मकान और प्लाट, सराफा बाजार, लखर, ग्वालियर ।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस० आर०/रतलाम/27-10-74—यतः, मुझे, बी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 260ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है जो डाट की पोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद अयूब वल्द नियाज मोहम्मद अली, शयलाली रतलाम।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार वल्द अनोखी लाल द्वारा अनोखी लाल वल्द कालू राम, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान एक मंजिला बिल्डिंग डाट की पोल, रतलाम।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस०आर०/इन्दौर/31-10-74—यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुला प्लॉट है जो बम्बे-आगरा रोड पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चन्द्रासैन राव मलखर रेजीडेन्स एरिया, बम्बे-आगरा रोड, बम्बे इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल हीरालाल सेठी 59 रेडियो कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट 3 रेजीडेन्स एरिया-बम्बे-आगरा रोड, इन्दौर—
एरिया 6000 सक्वायर फीट।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस०आर०/भोपाल/9-10-74—यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, जो हमीदिया रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्र कुमार वल्द तुलसी राम अरुन निवास
94/16 ईदगा हिल, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री घनश्यामसिंह वल्द दरयावसिंह रघुवन्शी निवास
जीरावाड़ा बरेली जिला भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट हमीदिया रोड भोपाल पास में बैंक आफ इंडीया—
एरिया 1500 स्क्वायर फीट।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975
मोहर :

प्ररूप आर्दे० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० एस०आर०/जबलपुर/20-10-74—यतः, मुझे, वी०के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट और मकान है जो लार्डगंज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री रामसेवक बल्द जगन्नाथप्रसाद 2. कैलाशचन्द्र बल्द रामसेवक निवास लार्डगंज जबलपुर ।
(अन्तरक)

(2) डा० निर्मलकुमार बल्द जोहरीलाल और श्रीमती चन्द्रवती पत्नी डा० निर्मलकुमार, निवास गांधी फाटक, जबलपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट और मकान नं० 260, 260/1, लार्डगंज, जबलपुर ।

वी०के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1975

निदेश सं० एस० आर०/ग्वालियर/26/10/74—यतः,
मुझे बी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट और मकान है, जो गोसपुरा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—146GI/75

1. श्री हरीनारायण छदासी लाल निवास झांसी (यू०पी०)
(अन्तरक)

2. श्री तुलसीदास गोरल दास निवास खाराकुआ तानसेन
रोड गवा०।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और मकान गोसपुरा कालौनी तानसेन रोड लखर,
ग्वालियर।

बी० के० सिन्हा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 4-6-75

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०-----

1. श्री शुकर लाल व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री विक्रम सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

बुलन्दशहर, दिनांक 31 मई 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निदेश सं० 14-वी०/अर्जन—अतः, मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 167 है तथा जो मोईटा रोही में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनपूर्वी म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 167 जिसका रकबा 8220 वर्ग फीट है। जो कि मोहल्ला ईटारोही जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 31-5-75
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री प्रयाग नारायण सिंह व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री भूप सिंह

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० 40-बी०/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो ग्राम गंगापुर चमराक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजी भूमि जिसका रकबा 63 बिघा 12 बिस्वा है। जो कि ग्राम गंगापुर चमराक तह० किच्छा जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 मई 1975

निदेश सं० 47-आर०/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो ग्राम गंगापुर जमरान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसारण में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवधि—

1. श्री प्रयाग नारायण सिंह व अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमला देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजी भूमि जिसका रकबा 80 बीघा है। जो कि ग्राम गंगापुर जमरान तह० किच्छा जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 29-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री प्रकाश चन्द मुनिस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

2. श्री राम स्वरूप सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 30 मई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 46 आर०/अर्जन—अतः, मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो सिविल लाइन बिजनौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

दो किता प्लॉट जिनका रकबा 710.69 वर्ग गज और 712.95 वर्ग गज है। जो कि सिविल लाइन जिला बिजनौर में स्थिति है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

तारीख : 30-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्रयाग नरायण सिंह व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजीत कुमार सिंह (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

लखनऊ, दिनांक 29 मई 1975

निदेश सं० 44 -ए / अर्जन :— अतः, मुझे, विशम्भर
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है, तथा जो ग्राम गंगापुर

चमरान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16), के अधीन, तारीख 25/1/1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजी भूमि जिसका रकबा 80 बिघा है। जो कि ग्राम
गंगापुर चमरान तह० किच्छा जिला नैनीताल में स्थित
है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29/5/75
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री प्रयाग नारायन सिंह व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. अनीता (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निम्ने कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

लखनऊ, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश नं० 45-ए (अर्जन)—अतः, मुझे, बिशम्बर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या है तथा जो ग्राम गंगापुर चमरान में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

अराजी भूमि जिसका रकबा 64 बिघा है । जो कि ग्राम गंगापुर
चमरान तह० किच्छा जिला नैनीताल में स्थित है ।

बिशम्बर नाथ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० 2306/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जो नेल्लुनुरै गांव में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मेहुपालैयम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मई 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सी० एस० स्वामिनाथन्, रेस कोर्स रोड, कोयम्बतूर
(अन्तरक)

(2) श्री एन० तंगवेलु 15, नियर कोवापोरेटिव कालणी
मेहुपालैयम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अरकबट तोप—नेल्लुनुरै गांव, अवननाशि तालुक, 1/8 भाग

[एस० न०	ए० से०
374/1	4-34
375	4-50
378	6-36
384	3-17
361/2	2-95
362/2	2-45
363/2	1-80

कुल

25.97]

के० बी० राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17 मई 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० 2306/75—यतः मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो नेल्लुत्तुरै गांव में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडुपालेराम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सी० एस० स्वामिनाथन रेस कोर्स रोड़, कोयम्बलुर (अन्तरक)

13—146GI/75

(2) श्री एन० सुब्रह्मण्यम 15, नियर कोवापोरेटिव कालनी मेडुपालेराम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नेल्लुकरै गांव, अवनाशि तालुक में स्थित अरकनर तोप	एस० न०	ए० से०	ए० 25.97 में 1/8 भाग
374/1		4.34	
378-		4.50	
378.		6.36	
383		3.17	
361/2		2.95	
362/1		2.45	
363/2		1.80	
कुल		25.97	

तारीख : 17 मई 1975

मोहर :

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जून 1975

निर्देश सं० एसि०/आर०-II/कलकत्ता/74-75—अतः मुझे,
आर० वि० ललमोया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 708/1 है तथा जो ब्लाक पि०, न्यू आलिपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिष्ट्रार, आलिपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नमीता मित्रा, 11/1 बि, इकडालिया प्लेस,
फ्लाट सं० 603 कलकत्ता-16 (अन्तरक)

2. श्री अभजीत दास गुप्ता, 28 बि०, पन्डित्या रोड,
कलकत्ता-16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्यू आलिपुर, पि० ब्लाक, सम्पत्ती सं० 708/1 में 4.27 कट्टास क्षेत्रफल का जमीन।

आर० वि० ललमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 23 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 मई 1975

निर्देश सं० राज०/स० आयु अर्जन/239—यतः मुझे,
बी० पी० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फैक्ट्री० प्लांट एण्ड मशीनरी है तथा जो कोटा
में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1 अक्टूबर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० गोल्डन डेयरी प्रोडक्ट्स, 6 एवं 6 ए इन्डस्ट्रियल
एरिया कोटा भागीदार (1) श्री कालूराम शिखवाल पुत्र स्व०
श्री राधाकिशन शिखवाल (2) रंगलाल शर्मा पुत्र श्री श्रीराम
शर्मा, स्माल स्केल इन्डस्ट्रियल एरिया कोटा (अन्तरक)

2. मै० जै श्री मिल्क प्रोडक्ट्स इन्डस्ट्रियल एरिया कोटा,
भागीदार सर्वश्री (1) सुगनचन्द सरावगी पुत्र स्वर्गीय जोरावल मल
सरावगी (2) केशरीमल जैन पुत्र स्व० श्री जोरावल मल जैन (3)
शान्ती लाल सरावगी पुत्र श्री सुगनचन्द सरावगी (4) बाबुलाल
सरावगी पुत्र श्री सुगनचन्द सरावगी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्माल स्केल इन्डस्ट्रियल एरिया कोटा स्थित जमीन के प्लाट
नं० 6 एवं 6 ए० पर निर्मित फैक्ट्री के कार्य आने वाली तथा अन्य
इमारत, प्लांट एवं मशीनरी, स्टोर, स्पेयर तथा कार्यालय फर्नीचर
सहित।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 27-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मई 1975

निर्देश सं० राज०/सा०आय० अर्जन/238—यतः मुझे बी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी० 144/ए० है जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) 1. श्रीमती स्वर्णलता भट्ट पत्नी श्री गोपेश्वर भट्ट
2. श्री गोपेश्वर भट्ट पुत्र श्री नारायण दास भट्ट
नि० राजेन्द्र मार्ग बापूनगर जयपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मनोहर दास 2. श्री जुगुल किलोर और 3. श्री नवल किशोर अग्रवाल चीनी की बुर्ज, गणगोरी बाजार जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोती डूंगर एक्सटेंशन स्कीम, जयपुर स्थित प्लॉट न० बी० 144 का उत्तर की ओर का आधा भाग जो कि बी० 144 ए० के नाम से जाना जाता है कुछ निर्मित क्षेत्र तथा बाउंड्री वाल सहित।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 26-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) 1. श्री सीताराम खेलचन्द्र गुप्ता 2. श्री भूपेन्द्र सीताराम गुप्ता 908 बुधवार पेठ पूना-2।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना, 411004, दिनांक 21 जून 1975

निर्देश सं० सी०ए०५ ऑक्टोबर 74/बंबई (पूना) 210/75-
76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 10 औंध रोड बोपोड़ी है तथा जो बोपोड़ी (पूना)
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-10-
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शैला जहांगीर मायाराम मलबारी सी लैंड न्यू
कैफे, परेड कोलाबा बंबई-5।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड लैंड प्रापर्टी -धून व्हीला नाम से, परिचित 10, औंध
रोड खड़की बोपोड़ी (पूना) सं० न० 65ए०/1, 65/डी० और
64-C/2 सी०टी०एस० क्रम० 2020, और 2021 और 2022
क्षेत्रफल—8523.68 वर्ग फीट मीटर्स।

बंगले की बांधी हुयी जगह—1000 वर्गफीट और हाउस,
गैरेज 2000 वर्गफीट।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1016 अक्तूबर, 74, में
सब रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 21-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-41004

पूना, 41004 दिनांक 20 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/ऑक्टोबर 74/सोलापूर/207/75-76—यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 315/1ए 2ए है तथा जो सोलापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन दिनांक 16-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महादेव कोंडिबा वानकर मजरेवाडी, ता० सोलापूर (अन्तरक)
2. सोलापूर जिला परिषद कर्मचारी, सहकारी गृहनिर्माण संस्था० मर्यादित, मजरेवाडी, ता० सोलापूर त्रिजय नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सं० नं० 315/1ए 2ए मेसे 18 प्लाट्स फ्री होल्ड एन० ए०. लैंड, सोलापूर

क्षेत्रफल:—70508 वर्गफीट

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2944 ऑक्टोबर 74 में सबरजिस्ट्रार सोलापूर के दफ्तर में लिखा है।]

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 20-6-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना, दिनांक 20 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/अक्टूबर 74/सोलापुर/208/
75-76:— यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० गट नं० 17/1 है तथा जो (सोलापुर)
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हणमंत महादेव रानडे 112-ए, तारा निवास
मोदीखाना, सोलापुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुगलाबाई भीमाशंकर अगडे 446,
उत्तर कसबा पेठ, सोलापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड खेती की जमीन गट नं० 17/1, मौजे-बाके
तहसील-ऊत्तर सोलापुर जिला सोलापुर क्षेत्रफल-7 एकड़-18
गुठे (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2956
अक्टूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार सोलापुर के दफ्तर
में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून 1975

निदेश नं० अर्जन / 141/ आगरा / 74-75/534 :—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14/482, है, तथा जो अवकाशवाली गली नूरी गेट आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 11/10/1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बीना खन्ना पत्नी श्री वेद प्रकाश खन्ना नि० 304, जवाहर मार्केट, तुमयपुर देहली ।
(अन्तरक)

(2) श्री पूरन चन्द पुत्र श्री मदन लाल नि० नूरी गेट आगरा
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 15/482, जो अवकाशवाली गली नूरी गेट आगरा में स्थित है । इसका हस्तान्तरण रु० 60,000/- में किया गया है ।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 2-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री वी. एस. एस० अब्दी रोड हैदराबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 21 जून 1975

सं० आर० ए० सी 45/75-76:— यतः सुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-938 (का भाग) है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 24/10/74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—146GI/75

(2) के० सुभाष, 4-1-308 वैक स्ट्रीट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हैदराबाद तिलक रोड पर स्थित मकान नं० 4-1-938 का भाग पर दुकान नं० 2 और पहली मंजिला

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 21/6/75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) मैसर्स थ्री० एस० अवीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मानिकश्रमा कशारकर 4-1-308 बैंक
स्ट्रीट हैदराबाद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 21 जून 75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० आर० ए० सी० 42/75-76:— यतः, मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938 (का भाग) है, जो तिलक रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 24/10/1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4 और पहली मंजिल जो मुनिसिपल नं०
4-1-938, तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 21-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 अक्टूबर, 1974

सं० आर० ए० सी० 41/75-76—यतः, मुझे, के एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-938 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स श्री एसस, अबीद रोड, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री के० विजय प्रकाश, 2. के० सुबाश 3.

के० टी० अनिल कुमार, 4. मानिकअम्मा,
4-1-308 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4-1-938 तिलक रोड, हैदराबाद, का भाग, जिसमें दुकान, सीडिया यथा पहली मंजिल के साथ ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 21-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 जून 1975

सं० आर० ए० सी० 43/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 4-1-938 (भाग) है, जो तिलक रोड, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
24-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सीएसएस अबीद रोड,
हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री के० टी० अनिल कुमार,
4-1-308 बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हैदराबाद तिलक रोड पर स्थित मकान नं० 4-1-938 के
भाग पर दुकान नं० 3 और पहली मंजिल, क्षेत्रफल 43.69 वर्ग
गज।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 21-6-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004
पूना, दिनांक 23 जून, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/आईटीए/74/शोलापुर/211/1975-76
—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी संख्या सी० टी० एस० क्र० 10392-1 F. P. No. 42
है तथा जो सोलापुर में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अंबालाल पुरुषोत्तम पटेल,
जनरल मुख्त्यार—विजय लैंड एण्ड
इस्टेट कॉरपोरेशन, 240-ए०, मुशिद (अन्तरक)
बिल्डिंग, दक्षिण कस्बा, मेन रोड,
सोलापुर
2. (1) श्री अंबादास पुरुषोत्तम पटेल (अन्तरिती)
(2) श्री रामेश्वर देव किसन सारडा
(3) श्री नंदिनी नासिक, पूना रोड,
नासिक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन—सी० टी० एस० नं० 10392-1, फायनल
प्लॉट नं० 42, टी० पी० स्कीम नं० 1 में से, सोलापुर
क्षेत्रफल :—60,211 वर्ग फीट

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3051, अक्टूबर
1974 में सब-रजिस्ट्रार सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।]

तारीख: 23-6-1975
मोहर:

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना कर्वे रोड, पूना 411004

पूना, दिनांक 21 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/आक्टोबर 1974 सोलापूर /209, 75-76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० गट नं० 17/2 है तथा जो बाले सोलापूर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ताराबाई हणमंत रानडे,
112-ए, 'तारा निवास',
मोदीखाना, सोलापूर। (अन्तरक)

2. श्री भीमाणकर धर्माप्पा भीगडे
446, उत्तर कसबा पेठ, सोलापूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड खेती की जमीन, गट नं० 17/2 मौजे बाले, सोलापूर
क्षेत्रफल 6 एकड़—34 गुंठा

[जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2957/अक्टूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार सोलापूर के दफ्तर में लिखा है।]

एच० एस० श्रीलख,
तारीख : 21-6-75
सक्षम प्राधिकारी,
मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 23 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/आक्टोबर 1974/सोलापूर/212/-1975-76—यतः मुझे, एस० एस० श्रीलक्ष्म आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या सी० टी० एस० क्र० 10392-1, एफ० पी० नं० 42 है तथा जो सोलापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अंबालाल पुरुषोत्तम पटेल,
जनरल मुख्त्यार—विजय लैण्ड एण्ड
इस्टेट कारपोरेशन 240-ए, मुंशिद विल्डिंग,
दक्षिण कसबा, मेन रोड, सोलापूर (अन्तरक)

2. (1) श्री अंबादास पुरुषोत्तम पटेल
(2) श्री रामेश्वर देव किसन सारडा
"नंदिनी" नासिक पूना रोड,
नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन—सी० टी० एस० नं० 10392-1, फायनल प्लॉट क्र० 4 टी० पी० स्कीम, नं० 1 में से, सोलापूर क्षेत्रफल :—40,000 वर्ग फीट

[जैसी कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3057 "अक्तूबर 1974 में सबरजिस्ट्रार सोलापूर के दफ्तर में लिखा है।]

एस० एस० श्रीलक्ष्म,
तारीख : 23-6-1975 सक्षम प्राधिकारी,
मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून, 1975

निर्देश सं० अर्जन/38/फिरोजाबाद/74-75/552 —अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मौहू० सलामगंज
फिरोजाबाद, आगरा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 9-10-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ला० रतन लाल पुत्र ला० फूलचन्द खुद व
संरक्षक श्री नरेन्द्र कुमार और राजेन्द्र-
कुमार (नाबालिग) पुत्रगण ला० रतन लाल
व मुख्तारआम स्नेहदेवी पुत्री स्वयं व
श्रीमप्रकाश व बीरेन्द्र कुमार पुत्रगण
ला० रतनलाल व पु० रामसखी
पत्नी रतनलाल व श्रीमती सरोजदेवी व
श्रीमती प्रभादेवी पुत्रियां ला० रतनलाल,
फिरोजाबाद, आगरा। (अन्तरक)

2. श्री नन्मूल पुत्र स्व० ला० मुकन्दीलाल व
राधेश्याम व श्यामसुन्दर पुत्रगण ला०
नन्मूल ट्रस्टीज नन्मूल फाउण्डेशन
(चेरीटेबिल ट्रस्ट) स्थित फिरोजाबाद,
आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसमें 29 क्वाटर्स बने हुए हैं जो मौहूला
सलाम गंज, फिरोजाबाद, जिला आगरा में स्थित है इसका
हस्तान्तरण रु० 40,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 2-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 23 जून, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 46/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।

की धारा 269-ब के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-52 कुकटपल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
11-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—146GI/75

1. श्री एम० जसवन्त रावु पिता एम० रामशा
मकान नं० 3-42 कुकटपल्ली—
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री एम० मरसिरासवु पिता एम० रामया,
मकान नं० 3-42-कुकटपल्ली हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 23-6-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

दिनांक 21 जून, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 44/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938 (का भाग है, जो तिलक रोड
हैदराबाद में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 24-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से क्षति नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उगसे वचने में सुविधा के लिए
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एसस अमीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री के० विजय प्रकाश 4-1-308 बैंक
स्ट्रीट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हैदराबाद तिलक रोड पर स्थित मकान नं० 4-1-938 के
भाग पर दुकान नं० एक और पहली मंजिल क्षेत्रफल 47.29
वर्ग मीटर ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 21-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1975

Acq. File No. 198/J. No. I(519)/74-75

यतः मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० D. No. 31-76 Vinukonda (Rice & Flour Mill) है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Vinukonda में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. Vuppala Rama Koteswara Rao, S/o Bhapaiah, Binukonda. 2. Tadepally Satyanarayana, S/o Naga-bhushanam, Kolluru. 3. Bavisani Venkata Subba Rao, S/o Laxminarayana, Kolluru. 4. Smt. Videla Narayana-mamma, W/o Laxmaiah, 5. V. Anjaneyulu. 6. V. Chinna Anjaneyulu. 7. V. Srinivasarao. 5, 6 & 7 being minors—Represented by mother Narayanamma, Kandlagunta. 8. Kaplivi Venkatappaiah, S/o Guruvaiyah, Narasaraopeta. 9. Vebulisetty Markandayya S/o Laxmaiah, and 10, V. Kasi Viswanatham, Kandlagunta, 11. Gopavarapu Venkaiah, S/o Seshiah, Narasaraopet.

(Transferor)

(2) 1. N. Jaggaiah, 2. Nrasimha Rao, 3. N. Pattabiramaiah, 4. N. Satyanarayana Murty and 5. Ch. Subba Rao. (1, 2 & 3)—Gopanahalli Davanagiri Taluk Chitra Durg Dt. Karnataka 4 & 5 Kumbaluru Davanagiri Taluk Chitra Durg Dt. Karnataka.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property viz.—the land mill premises and machinery at Vinukonda as shown in Partnership deed dated 21st October, '74 pertaining to the document Nos. 1711 to 1717 registered at Sub-Registrar, Vinukonda dt. 15-10-74.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 16-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Smt. Pandaswara Parvatamma, W/o Janadrhana Rao, Gunturivari Thota, Guntur.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1975

Acq. File No. 197/J. No. I(537)GTR/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 9-1-2 Kithapeta, है जो GTR में स्थित है (और इससे उपावद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रू० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Guntur में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधिरब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) Smt. Makineni Tirupatamma, W/o Veeraiah, Rail-peta, Guntur. 2. Sri Makineni Peda Rattalah, Rail-peta, Guntur.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 17th October, 1974 vide registered document no. 5533/74 dt. 26-10-74 registered before the SRO, Guntur.

B. V. SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

Date: 16-6-75.

Seal:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/193/2245—यतः,

मुख्य, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',

या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ज्योत्सना स्वरूप परनी लाला गोपाल राज स्वरूप रामबाग मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेटरी ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर ।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री हेम चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरण दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्रीबहा स्वरूप चैयरमैन, मुजफ्फरनगर ।

सह स्वामी :

अनुसूची

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद बती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अचल संपत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरी के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 18 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पाँच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 2 दिसम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/191/2244—यतः,
मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का
के अधीन दिनांक 21 अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त
अधिनियम', 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रभात कुमार स्वरूप, रामबाग, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग
सेक्रेटरी। (अन्तरिती)

किरायेदार :

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री भोमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री भोमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेजबन्ध पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कवेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्री ब्रह्मस्वरूप
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

सह स्वामी

मुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, कानपुर—

- श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप
 श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),
 श्री केशव कुमार स्वरूप, (हिन्दू संयुक्त परिवार)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो मुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरी के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 2 दिसम्बर 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/194/2243—यतः, मझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (भ्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केशव कुमार स्वरूप
रामबाग, मुजफ्फरनगर । (अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री प्रियाम सुन्दर गर्ग
सेक्रेटरी । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :—

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर—

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेजचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री वीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर ।

4.

सह स्वामी :

अनुसूची

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती-स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्सना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए०-(1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 वीधा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी०-(1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहल भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 2 दिसम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/192/2246—यतः,
मुझे वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 21 अक्तूबर 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922

का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लाला गोपाल राज वरूप, रामबाग
मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,
मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग
सेक्रेटरी। (अन्तरिती)

किरायेदार :—

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री श्रीमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराज पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री श्रीमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री जामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

3. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अनुसूची

4 सह स्वामी :

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री भाधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरूण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी राज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कच्हरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में कच्हरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कच्हरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 2 दिसम्बर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री गोवर्धन राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 जून 1975

निर्देश सं० हि० आर०-341/वि० 326/कल-1/74-75—

अतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1 है तथा जो तिलजला रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री कामता प्रसाद

(1) श्रीमती धानो देवी, (2) श्री
नन्दा किसोर यादव (3) चन्दिकासाउ
(4) मुन्नालाल साउ (5) उमेश
कृष्ण साउ (6) गोपाल साउ
(7) श्री रवि राय (8) श्री प्रियलाल
दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1, तिलजला रोड, पी० एस० बेनियायुक्कुर, कलकत्ता में
अवस्थित 3 कट्टा 14 छटाक 22 वर्ग फुट जमीन और उसका
माप अविभाजित 1/2 हिस्सा का मकान।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16।

तारीख : 26-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निदेश सं० ए० पी० 891/182 :—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3255, अक्तूबर, 1974 में है तथा जो जन्डवाला में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परमन्द सिंह पुत्र दविन्द्र मोहन गांव जन्डवाला अब दोआबा बोडी बिल्डर नजदीक रेलवे गेट, जी० टी० रोड जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र मल कियत सिंह गांव जन्डवाला पोस्ट श्रीफस जन्डवाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3255 अक्तूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निदेश सं० ए० पी० 892/ :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3578 नवम्बर, 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है ('और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम आसरा सुपुत्र भुजा राम वासी चलकलन (अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर सिंह, बलदेव सिंह, मुखविन्दर सिंह सुपुत्र चनन सिंह वासी बलाकीपुर पोस्ट औफिस जन्डयाला (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो उक्त सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3578 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निदेश सं० 893 —यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3579, नवम्बर
1974 है तथा जो जन्डयाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण से रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री स्वर्ण दास पुत्र बुजा राम वासी चोहल कलाँ
(अन्तरक)
2. श्री मोहिन्दर सिंह और सुखविन्दर सिंह पुत्र चनन
वासी बलाकीपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति-जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3579, नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० 890—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6852 अक्तूबर, 1974 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

17—146 GI/75

1. श्री चनन सिंह सुपुत्र भोला सिंह शकतीनगर
जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती ऊमा कालरा पत्नी चमन लाल सुपुत्र गहना राम
इ० ओ० 92 सेदा गेट जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 6852 अक्तूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० नं० ए० पी० नं० 874—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7415 नवम्बर, 1974 में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1974

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रूप नारायण सुपुत्र श्री राधा कृष्ण द्वारा मद्रास लैंडर स्टोर मोरवाहा बाजार जलन्धर (अन्तरक)
2. श्री प्रेम कुमार चौपरा सुपुत्र सरदार चन्द चौपरा, आफ मैसर्स राजन इन्डस्ट्रस फगवाड़ा गेट जलन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7415 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर।

तारीख : 24 जून, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० 894 :—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6644, अक्टूबर 1974 में है तथा जो मक़हमदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सुरिन्द्र कौर पत्नी हरभजन सिंह चक जिन्दा तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री रिशाल ककर सजुल रवीन्द्र कुमार ककर 147-5 इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती जैसा कि अधिभूत विलेख नं० 6644, अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निदेश सं० ए० पी० 895 :—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6645 अक्टूबर, 1974 में है तथा जो मकरन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी हरभजन सिंह चक जिन्दो तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रतन देवी पत्नी देस राज ककर 5-147 इन्डस्ट्रील ऐरिया जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति से रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6645 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निदेश सं० 896 :—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० जैसा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6592, अक्तूबर,
1974 में है तथा जो मकरमदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी हरबजन सिंह गांव चक जिन्दा
तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र कुमार स्पुत्र अवनाशीलाल ककर 5-147
इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर (अन्तरिती)

3. श्री जैसा कि नं० 2 में है।

श्री कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6592, अक्तूबर, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निदेश सं० ए० पी० 897 :—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6593, अक्टूबर, 1974 में है तथा जो जालन्धर मकरमदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी हरबजन सिंह वासी राक
जोन्दा तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश ककर पत्नी रविन्द्र कुमार 5-147
इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में में रुची रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6593, अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी०-898—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 961 नवम्बर 1974 में है तथा जो गरलेदाहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलाचौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख... 19—

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री मनोहर सिंह सपुत्र गोपाल सिंह गांव रूरकी मुगला तहसील बलाचौर (अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह सपुत्र स्वर्ण सिंह गांव रमरीपुर तहसील बलाचौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 961 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 24 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए०पी० 899—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2447, अक्टूबर 1974 में नगल में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घर-शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बलबहादुर सिंह सुपुत्र प्रभुदयाल सिंह गांव नगल
अब बडन तहसील गरशंकर (अन्तरक)
2. श्री गुरसिवा सिंह सुपुत्र बलवंत सिंह सुपुत्र परदुमन सिंह]
बासी बडन (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2447, अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गवशंकर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 24 जून, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी-901—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 963 नवम्बर 1974 में गरले दाहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वालाचौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

8—146GI/75

1. श्री स्वर्ण सिंह सुपुत्र गोपाल सिंह गांव हरकी मुगला तहसील बलाचौर (अन्तरक)

2. श्री दीदार सिंह सुपुत्र स्वर्ण सिंह गांव रमरीपुर तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

लघुटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 963 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचौर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 24 जून, 1975

सोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी०-902--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 869 अक्टूबर 1974 में है तथा जो बलाचोर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलाचोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रेम लता आशा देवी, सुन्दरम लता सपुत्री निरंजन सिंह सपुत्र परमेश्वरी दास वासी बलाचोर (अन्तरक)

2. श्री चांद रूप सपुत्र नरमाजन दास सपुत्र परमेश्वरी दास वासी बलाचोर गांव नगला वासी हिन्देसरी द्वारा भ्रमवाली (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 869 अक्टूबर 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचोर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर।

दिनांक : 24 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी०-903-यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2892 अक्टूबर 1974 में है, तथा भगपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आदि को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री वासुदेव सुबुल पुजू राम सुबुल लक्ष्मी नारायण वासी मकान नं० 596 नजदीक जोती सनेमा जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह सुबुल मुनशी राम गडन कहोली जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके द्वारा मैं अधोहस्ताक्षरी जानता हूँ कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में हैं, वही अर्थ है

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी०-904--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 962 नवम्बर 1974 में है तथा जो गरल दाहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलाचोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:--

1. श्री स्वर्ण सिंह सजुन गोपाल सिंह गांव सरकी मृगलां तहसील बलाचोर (अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह सजुन स्वर्ण सिंह वासी रमरीपुर तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 962 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचोर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1975

निर्देश सं० 905—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 890 अक्टूबर 1974 में है तथा जो रीतेवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलाचौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बन्ता और पानू सपुत्र राम बीता गांव रतेवाल तहसील बलाचौर (अन्तरक)

2. श्री करम चन्द, राम प्रकाश सपुत्र गंगा राम, गांव अदनवाल तहसील बलाचौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 890 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 2 जून, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-906—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्याधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मू 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3251 अक्टूबर 1974 में है तथा बरनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां-शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19----- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री मान सिंह सपुत्र श्री मंगल सिंह वासी बरनाला कला (अन्तरक)

2. दी दबाबा नवांशहर कोओपरेटिव हाऊस विल्डिंग सोसायटी द्वारा मोहन लाल सेठी, सत्रेटरी नवां शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3251 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, जालन्धर।

तारीख : 24 जून, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-907-—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख न० 3066 अक्टूबर 1974 में है तथा जो वरनाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरजीत सिंह सुपुत्र मंगल सिंह वासी वरनाला कलां तहसील नवांशहर । (अन्तरक)

2. उत्तराधिकारी हरजीत सिंह का 1. श्रीमती 2. अशोक कुमार 3. भूपिन्द्रा कुमार 4. नरिन्द्र सिंह सुपुत्र हरजीत सिंह सुपुत्र छज्जुराम रामवासी हरजीत निवास कोठी रोड़, नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख न० 3066 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक : 24 जून, 1975

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 908—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2276 अक्टूबर 1974 में है तथा मकूमजारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गारशंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेणमा देवी सपुत्री नाथूराम सपुत्र तेलू बासी मकूमजारा, तहसील गरशंकर (अन्तरक)

2. श्रीमति जमना देवी पत्नी होशियार सिंह सपुत्र नाथूराम बासी मकूमजारा, पोस्ट आफिस बरनकला तहसील गरशंकर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2276 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गरशंकर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 24 जून, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० न० 909—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7050 अक्टूबर, 1974 में है तथा जो मोडल टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
19—146GI/75

1. श्री मुरारीलाल सपुत्र श्री मेला राम मोडल टाऊन सिल्फ जी० ए० श्री भगत राम, सोहन लाल और पूर्ण दास सपुत्र श्री लाल सिंह 656-एल० मोडल टाऊन जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती उषा श्री पत्नी श्री ब्रज मोहन श्री हिन्दुस्तान आटोमोबाईलस लिमिटेड मेवाली टैंक, बर्ड रोड, बंगलौर-2 (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 1 में है ।
(वह व्यक्ति जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7050 अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा था ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24 जून, 1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० 910—यस: मुझे रवीन्द्र कुमार
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7104 अक्टूबर
1974 में है तथा जो बस्ती मिटल में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री गुरदयाल सिंह सपुत्र श्री जीवन सिंह बस्ती मिटलू
जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री अर्जन सिंह
 2. श्रीमती जीत कौर पत्नी श्री हरबन्स सिंह
 3. श्रीमती शाम कौर पत्नी श्री मन्खन सिंह
 4. श्रीमती प्रेम कौर पत्नी श्री हरनाम सिंह 487
पद बस्ती मिटलू जालन्धर। (अन्तरिती)
 3. जैसाकि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7104 अक्टूबर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून 1975।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० 911—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7534 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मेहर सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह द्वारा खालसा इंजी-नीयरिंग वर्क्स जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री रूप नारायण द्वारा मद्रास लेबर स्टोर जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7534 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० 912—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7225 नवम्बर 1974 में है तथा जो बस्तियां अड्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मेहर सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह सपुत्र श्री सन्ता सिंह द्वारा खालसा इंजीनियरिंग वर्क्स इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर । (अन्तरक)
2. श्री रूप नारायण सपुत्र श्री राधा कृष्ण सपुत्र श्री चन्द्र भान द्वारा मद्रास लेदर स्टोर कोतवाली रोड, जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7225 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० 913—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7416 नवम्बर, 1974 है तथा जो बस्तियां झुआ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मेहर सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह सपुत्र श्री सन्ता सिंह द्वारा खालसा इंजीनियरिंग वर्क्स इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर । (अन्तरक)
2. श्री रूप नारायण द्वारा राधा कृष्ण द्वारा मन्नास लेदर स्टोर जालन्धर कोतवाली रोड । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7416 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 914/205—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7022 अक्टूबर, 1974 में है तथा जो बस्ती दान्धमदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तारा सिंह सपुत्र श्री चन्दा सिंह गांव दान्धमदा ।
(अन्तरक)
2. वेद प्रकाश चौपरा सपुत्र श्री राम नाथ चौपरा 229
डब्यू० आर० बस्ती शेख जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7022, अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 915/206—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6587 अक्टूबर, 1974 में है तथा जो बस्ती बाबा खेल नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी लेट कर्नल राम सिंह सरकार सपुत्र श्री अजब सिंह बस्ती बाबा खेल द्वारा कर्नल गुर दयाल सिंह । (अन्तरक)
2. श्रीमती शशी कान्ता पत्नी कैलाश चन्द्र और मीना रानी पत्नी श्री हरबन्स लाल 23 आदर्शनगर, जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6587, अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 916/207—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7151 अक्टूबर 1974 में है तथा जो Khun-Khun में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री दालीप सिंह सपुत्र श्री हीरा सिंह गांव कंग साबू तहसील नकोदर । (अन्तरक)
2. दलवार सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह गांव कंग साबू जिला जालन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जो जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7151 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 917/208—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है') की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7169 अक्टूबर, 1974 है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

20—146GI/75

2. श्रीमती पारवती सुपुत्री गंगा देवी पत्नी निहालचन्द वासी भारगोकैप, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री हरनाम सिंह सुपुत्री लखा सिंह सुपुत्र शेर सिंह वासी भारगोकैप, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में रुचि रखता है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7169 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 918/20—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 7023 अक्टूबर
1974 में है तथा जो बस्ती दान्धामन्दा में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
अन्तर्पूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. तारा सिंह सपुत्र श्री चन्दा सिंह बस्ती दान्धामन्दा जालन्धर
(अन्तरक)
2. श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र श्री सूरत सिंह 1/3 राज कौर
परीत नगर सोडल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7023 अक्टूबर 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 919—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6804 अक्टूबर 1974 में है तथा जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरिन्द्र कौर अलाइस सुरिन्द्र कौर सपुत्री वीर सिंह सपुत्र गरीब सिंह जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल कौर पत्नी श्री गुरबक्श सिंह 95 माडल टाऊन पठानकोट । (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6804 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 921—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6951 अक्टूबर 1974 में है तथा जो गार्डन कलोनी खुरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भाग मल सपुत्र श्री बीरू मल गांव चवन नगर (करतारपुर) तहसील जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री जयमल दास सपुत्र श्री इश्वर दास गांव खुरला तहसील जालन्धर । (अन्तरिती)

(3) जैसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6951 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 922—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6955 अक्टूबर 1974 में है तथा जो रेख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कर्म सिंह सपुत्र श्री संतोख सिंह सपुत्र श्री संता सिंह गांव रेख, तहसील जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री राम लाल सपुत्र श्री चौहान मल, गांव रेख, तहसील जालन्धर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6955 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 923—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6956 अक्टूबर (1974 में है तथा जो गांव रेखू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरनाम सिंह सपुल श्री संतोख सिंह गांव रेखू तहसील जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री राम लाल सपुल श्री चौहान मल गांव रेखू तहसील जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6956 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 24-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 924—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 6622 अक्टूबर 1974 में है तथा जो धौगरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माया वन्ती, सतवन्ती कौर पुत्री श्री सोहन सिंह गांव बाल, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री वीर सिंह, मोहिन्द्र सिंह, सुरजीत सिंह सपुत्र श्री सोहन सिंह गांव बाल जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 6622 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 925—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6519 अक्तूबर 1974 में है तथा जो बीदीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह सपुत्र श्री दीतू गांव गोपालपुर अलईआ बीदीपुर तहसील जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र महाजन सपुत्र श्री हंस राज जालन्धर 19 शक्ति नगर जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

• (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6519 अक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जून 1975

निर्देश सं० 920—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7161 अक्टूबर 1974 है तथा जो विकटगम पार्क नजदीक गुलाब देवी अस्पताल, में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

21—146GI/75

1. श्री सूरज प्रकाश सपुत्र श्री पुन लाल 53 विजय नगर और राज कुमारी पत्नी श्री प्यारा लाल 287 न जवाहर नगर जालन्धर । (अन्तरक)

2. डा० अमरजीत गोयल नं० के० 227 चरणजीत पुरा जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसाकि अधिकृत विलेख नं० 7161 अक्टूबर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है ।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जून 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1975

निर्देश सं० अ-ड-1/969-9/अक्तूबर 1974—अतः मुझे,
एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 653 मलबार और कंबाला हिल
डिवीजन है, जो फार्नेट स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उत्तम चन्द तलसीदास और तुलसीदास धामनलाल
(अन्तरक)
2. द स्वतंत्र भवन को० आर्गेनिटिव हाऊसिंग सोसायटी
(अन्तरिती)

4. 1 खुशिन जयराज भाई
- 2 हसावअली कासामअली
- 3 आश्राफ अली जयराजभाई
- 4 सुलतानअली जयराजभाई
- 5 हुसेनअली एम विश्राम

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अ-ड-1/969-9-अक्तूबर 1974

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा जो मापसे 1038-75
वर्ग भाग (863-53 वर्ग मीटर) या उसके समकक्ष है जो इंप्रूवमेंट
ट्रस्टीज के गामदेवी इस्टेट के प्लॉट नं० 40 पर स्थित है जो बम्बई
शहर और रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई में है जो निम्न प्रकार से
घिरा है दक्षिण-पूर्व कि ओर उक्त जायदाद का प्लॉट नं० 39,
दक्षिण पश्चिम में उक्त इंप्रूवमेंट ट्रस्टीज की जमीन के द्वारा जो
बम्बई शहर की अवर जबर का रास्ता तरीके से उपयोग की
जाती है उत्तरपश्चिम में अब्दुल भाई और सराफ अली इब्राहिमजी
को लालधर दी गवे प्लॉट नं० 41-42 द्वारा उत्तर-पूर्व की ओर
अलेक्सांड्रा रोड और नया सर्वे नं० 7335 धारण की हुई जमीन का
एक भाग और केडेस्टेल सर्वेक्षण नं० 497 मलबार और कंबाला
हिल डिवीजन साथ में गृहवाटिका और निवासगृहों सहित और
तलमाला और 2 मंजिले और आऊट हाउस और मोटार गैरज
का रोड सहित बानी इमारत, और म्युनिसिपलटी 'डि' वार्ड ने
असेस के गली इमारत जिसके नं० 2883 (11) और 2883
(113) और नया स्ट्रीट नं० 18 जो अलेक्सांड्रा रोड पर है।

एम० जे० माथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 13 जून 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1975

निर्देश सं० अ०-ई०-1/979-6/अक्तूबर, 1974—अतः, मुझे,
एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस०

नं० 497 है, जो प्लॉट नं० 40 गामदेवी इस्टेट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार
बम्बई, मलबार और कंबाला हिल डिवीजन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री प्रेमकुंवरबाई पुरणोत्तम और कुसुमबाई कृष्ण-
कुमार। (अन्तरक)

2. ठाकर कानजीभाई देवकरान और अन्य

(अन्तरिती)

3. किरायदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन एतद्द्वारा
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा जो फोरजेट
स्ट्रीट पर स्थित है और जो बम्बई शहर और रजिस्ट्रेशन
उपजिला बम्बई में है और जो मापसे 9710 वर्ग गज
था उसके समकक्ष है और जो निम्न प्रकार से घिरा हुआ है
उत्तर की ओर और लेसास की नाम की जायदाद जो दादा-
भाई दाज की लिज से दी गई है दक्षिण की ओर उक्त
लेसास की जायदाद पश्चिम की ओर फोरजेट स्ट्रीट हिल
और पूर्व की ओर फोरजेट स्ट्रीट और उक्त जमीन का
टुकड़ा, जमीन का एक भाग जो उक्त लेसास के अधिकार
में है और भूराजस्व संग्रहक के पुस्तकों में है नया क्र० 3422,
नया सर्वे नं० 7064 और केडेसेल सर्वेक्षण क्र० 653 मलबार
और कैबाला हिल डिवीजन में पंजीकृत है और म्युनिसिपल
भावों एवं करों के निर्धारक एवं संग्रहक डी वार्ड नं० 3420
(2), 2420(3), 3423(2), 3425(1) और 3425
(13) स्ट्रीट नं० 225, 235, 24, 45, 5-6 और 54
जो फोरजेट स्ट्रीट पर है।

एम० जे० माथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 13 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1975

निर्देश सं० अ० ई०-1/962-2/अक्तूबर, 1974—अतः मुझे

एम० जे० माथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 674 (अंश) मलबार और कंबाला हिल डिवीजन है, जो पेडर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई-1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-10-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जहांगीर होरमुसजी कामा और अन्य (अन्तरक)
2. सोनमृग को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी (अन्तरिती)

3. किरायदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का मैदान का टुकड़ा या मेन्शन और करमुक्त जमीन का भाग जो पहले अनुसूची में बताया गया है जो माप से 2100 वर्ग गज या 1755.81 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है जो पेडर रोड में स्थित है और बम्बई शहर बम्बई रजिस्ट्रेशन जिला और उप जिला बम्बई जिसका सद केडे-स्ट्रेल सर्वेक्षण क्र० 674 (वी० टी०) मलबार और कंबाला हिल डिवीजन है म्युनिसिपल डि वाईड क्र० 3481/3482 (1 बी) स्ट्रीट नं० 62 डी सी० पेडर रोड और निम्न प्रकार से घिरा है उत्तर की ओर प्लाट नं० 9 घट चंदन को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी पेडर रोड की आंशिक जायदाद और आंशिक रूप से प्रायवेट रोड और द उसके बाद श्रीमान जी पेट्रीट अस्पताल की जायदाद दक्षिण की ओर सर नेविले दाडिया की जायदाद पश्चिम की ओर प्लाट नं० 3 और 4 जो पहले अनुसूची में बतायी गई जायदाद का एक पूर्व की ओर प्लाट नं० 7 पर यूनिट को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की जायदाद ।

एम० जे० माथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 13 जून, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 60-एस०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास है कि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सूट नं० 4 है तथा जो शान्तीनिकेतन भलीताल नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. इन्द्र लाल साहू व अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती सुधा साहू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला सूट नं० 4 जिसमें, 6 कमरें, किचन, गुसलखाना, टट्टी इत्यादि हैं जो कि शान्तीनिकेतन भलीताल, जिला नैनीताल में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-4-1975
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th May 1975

No. A.32013/3/74-Admn.I.—Shri K. V. Ramakrishnan, an officer of the Indian Audit and Accounts Service, who was appointed to officiate as Joint Secretary in the office of the Union Public Service Commission upto 28-2-75 vide this office Notification of even number dated 11-11-74 has been allowed to continue to officiate in the same capacity in the same office with effect from 1-3-1975 until further orders

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi, the 31st May 1975

No. P/1853-Admn.I.—Shri M. K. Krishnan, a permanent Section Officer of the CSS who has been appointed to officiate in Grade I of the CSS until further orders from 22nd April, 1975 vide Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. 4/58/74-CS.I dated 19th May, 1975, has been appointed to officiate as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the same date.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th May 1975

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 19-4-75, the President is pleased to appoint Shri B. B. Dass Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-5-75 to 30-6-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 19-4-75, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-5-75 to 30-6-75 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-1, the 22nd May 1975

No. R-7/70-AD.V.—Shri Ram Saran, Dy. S.P./CBI/EOW/ New Delhi relinquished charge of the office of Dy. S.P./CBI/EOW/New Delhi on the afternoon of 30-4-75 and proceeded on 61 days L.P.R. w.e.f.f. 1-5-75.

He will retire from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. 1-7-75.

The 24th May 1975

No. A-19036/8/75-AD.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P./S.P.E. hereby appoints Shri R. K. Bhattacharya, Inspector of Police, C.B.I. Calcutta as Deputy Supdt. of Police in the C.B.I., S.P.E. with effect from 3-5-1975 (FN) until further order.

The 11th June 1975

No. A. 19036/9/75-AD.V. The Director, C. B. I. and Inspector General of Police, Special Police Estt. hereby appoints Shri L. N. Mishra, an Officer of Orissa State Police as Deputy Supdt. of Police in the C. B. I./S. P. E. with effect from 23-5-75 forenoon until further orders.

The 12th June 1975

F. No. M-7/73-AD.V.—On completion of his term of reemployment in the C.B.I., Shri M. Gopalan relinquished charge of the Office of Joint Director, C.B.I. and Special Inspector General of Police, S.P.E. on the afternoon of 31-5-75 and proceeded on refused L.P.R. for 120 days.

The 13th June 1975

No. PF/1-83/74-AD.I.—Shri Jai Karan, an officer of Rajasthan State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI, Special Unit, New Delhi on the afternoon of 13-5-75 on repatriation to the Rajasthan State Police Department.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E), C.B.I.

New Delhi, the 13th June 1975

No. A.20014/23/75-AD.I.—Consequent on his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Ravi Prakash Sinha, Sub-Inspector of Police (Bombay Branch) as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Bombay (EOW) Branch in a temporary capacity, with effect from 18th March, 1975 (A.N.) until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
for Dy. Inspector General of Police
Special Police Establishment

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 12th June 1975

No. 32/1/75-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Malhotra, an officiating Section Officer in the Central Vigilance Commission, in a substantive capacity in that grade with effect from 1st January, 1974.

No. 32(1)/75-Admn(i).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri L. Yegnanarayanan, an officiating Senior P.A. in the Central Vigilance Commission, in a substantive capacity in that grade, with effect from the 11th September, 1972.

B. V. DIGHE, Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st May 1975

No. E-16013(2)/3/73-Ad.I.—Shri A. V. B. Mudaliar, IPS (Maharashtra 1964) assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Fertilizer Corporation of India, Trombay, Bombay with effect from the afternoon of 31st March 1975 vice Shri R. Padmanabhan IPS (Kerala-1966), who, on his repatriation to State cadre relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

The 28th May 1975

No. E-16013(2)/2/75-Ad.I.—On transfer from West Bengal cadre, Shri V. Sahai IPS (West Bengal-1967), assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 5th May, 1975.

The 2nd June 1975

No. E-16014(4)/1/75-Ad.I.—On transfer on deputation from Border Security Force, Shri Harinderpal Singh, Assistant Commandant No. 30 Battalion Border Security Force, Bhikhiwind, Amritsar, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Artificial Limbs Manufacturing Corporation of India, Project, Kanpur with effect from the forenoon of 30th May, 1975.

The 3rd June 1975

No. E-38013(2)/1/75-Ad.I.—On transfer from Durgapur Steel Plant, Durgapur Shri Lachhman Das, IPS, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Mining and Allied Machinery Corporation Limited, Durgapur with effect from the afternoon of 5th May 1975.

L. S. BISHT, Inspector General

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 21st May 1975

No. A.36/18/75-Wireless.—On deputation from the Office of the Director of Audit & Accounts, Posts & Telegraphs, Delhi, Shri D. R. Shivaramaiah, assumed the charge of the post of Accounts Officer in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the afternoon of 6th August, 1974 for a period of two years in the first instance on usual deputation terms.

The 31st May 1975

No. A. 16/T-28/Wireless.—Shri T. N. Bhattacharyya, Administrative Officer of the Directorate of Coordination (Police Wireless) has been appointed as Accounts Officer on ad hoc basis in addition to his duties *vice* Shri D. R. Shivaramaiah, Accounts Officer proceeded on 46 days Earned Leave from 19-5-75 to 3-7-75.

No. A.21/5/71-Wireless.—Consequent on his reversion to Ministry of Defence, Shri S. C. Agarwal relinquished charge of his duties as Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the afternoon of the 17th May, 1975.

C. P. JOSHI, Director
Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 21st May 1975

No. O.H-1014/75-Estt(CRPF).—The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr. Naresh Kumar Agnihotri as J.M.O. in the CRP Force, on an *ad hoc* basis initially for a period of one year w.e.f. the forenoon of 7th April 1975.

2. Dr. Naresh Kumar Agnihotri, is posted to Group Centre C.R.P.F., Jammu.

The 30th May 1975

No. O.II-1024/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Pratap Chandra Das as J.M.O. in the CRP Force, on an *ad hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 8th May 1975.

2. Dr. Pratap Chandra Das, is posted to 3rd Bn., C.R.P.F.

The 31st May 1975

No. P. VII-4/74-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Sub Ramesh Gurbani as Dy. SP (Coy. Comdr./QM) in the CRPF w.e.f. the forenoon of 15th May, 1975 in a temporary capacity in leave vacancy until further orders.

2. He is posted to 1st Signal Bn CRPF and has taken over charge of his post on the forenoon of the same date.

The 5th June 1975

No. O. II-52/69-Estt.—The President is pleased to appoint Shri Raj Singh, Commandant on promotion as Deputy Inspector General of Police, in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. On his appointment as DIGP Shri Raj Singh handed over charge of the post of Commandant GC No. I CRPF, Ajmer on the forenoon of 14th January, 1975 and assumed charge of the post of DIGP CRPF Aizal (Mizoram) on the afternoon of 15th January, 1975.

No. F. 2/5/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on re-employment Brigadier P. N. Khanduri (Retd.) as DIGP, CRPF, Neemuch in a temporary capacity for a period of one year w.e.f. the afternoon of 16th May, 1975 subject to premature termination of his services should administrative exigency, his unsuitability and/or any other unforeseen factors so demand.

The 11th June 1975

No. A. VI-3/75-Estt.—The President is pleased to appoint the following persons as Dy. SP (Coy. Comdr./Q.M.) in the CRPF in a temporary capacity w.e.f. the dates shown against each until further orders.

2. They are posted to the Bns/GC CRPF shown against each w.e.f. the dates of their appointment as Dy. SP :—

Sl. No., Name, Date of appointment as Dy. SP & Bn/GC to which posted

1. Shri P. Valsakumar, 4th November 1974 (FN)—1st Bn.
2. Shri Ramesh Chander Sethi, 4th November 1974 (FN)—27th Bn.

S. N. MATHUR,
Assistant Director (Adm.).

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 29th May 1975

No. 25/27/72-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated the 25th January 1975, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri B. I. Bhan as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar for a further period of six months with effect from the 1st May 1975 or till Shri Abdul Gani returns from his foreign assignment, whichever is earlier, on existing terms and conditions.

The 9th June 1975

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to replace the services of Shri K. K. Shrivastava, Deputy Director of Census Operations, Madhya Pradesh at the disposal of the Madhya Pradesh Government with effect from the afternoon of 31st May 1975.

No. P/M(19)/Ad.I.—Consequent on his release from the Indian Institute of Public Administration, New Delhi, Shri B. K. Maratha assumed charge of the office of the Assistant Director (Programme) on the forenoon of 1st April, 1975.

2. The headquarters of Shri B. K. Maratha will be at New Delhi.

The 12th June 1975

No. 2/1/75-RG(Ad.I).—Shri Lal Krishan handed over charge of the office of the Assistant Director of Census Operations (Technical), Delhi, on the afternoon of 30th April, 1975.

Shri Lal Krishan assumed charge of the office of the Assistant Director of Census Operations, A & N Islands, Port Blair, on the forenoon of 23rd May, 1975.

The headquarters of Shri Lal Krishan will be at Port Blair.

II

Shri R. K. Aggarwal handed over charge of the office of the Assistant Director of Census Operations (Technical), West Bengal, on the afternoon of 16th May, 1975.

Shri R. K. Aggarwal, assumed charge of the office of the Assistant Director of Census Operations (Technical), Delhi on the forenoon of 19th May, 1975.

The headquarters of Shri R. K. Aggarwal will be at Delhi.

The 13th June 1975

No. 6/8/72-RG(Ad.I)—The following officers relinquished charge of the posts in the various Directorates of Census Operations with effect from the dates shown against each and their services were replaced at the disposal of the respective State Governments with effect from the same date :

S. No.	Name and designation	Name of the Office	Date of relinquishment of charge	Service replaced at the disposal of
1	2	3	4	5
1.	Shri J.K. Das, Deputy Director of Census Operations	Director of Census Operations Orissa	1-3-74 (FN)	Govt. of Orissa
2.	Shri Krishori Lal, Deputy Director of Census Operations	Director of Census Operations Uttar Pradesh	25-3-74 (AN)	Govt. of Uttar Pradesh
3.	Shri K.S. Sinha, Deputy Director of Census Operations	Do.	11-4-74 (FN)	Do.
4.	Shri Ram Mani Pande, Deputy Director of Census Operations	Do.	17-5-74 (FN)	Do.
5.	Shri Nandji Ram, Deputy Director of Census Operations	Do.	23-4-74 (FN)	Do.
6.	Shri S. Lima Aier, Deputy Director of Census Operations	Director of Census Operations Nagaland	24-5-75 (AN)	Govt. of Nagaland

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secretary

New Delhi-110011, the 13th June 1975

No. P/Z(1)-Ad.I.—In continuation of this office Notification No. 25/71/72-RG(Ad.I), dated 10th July, 1974, the President is pleased to extend the re-employment period of Shri J. N. Zutshi as Director of Census Operations and *ex-officio* Superintendent of Census Operations, Jammu & Kashmir by one year i.e. up to 19th October, 1976.

R. B. CHARI
Registrar General and *ex-officio* Joint Secy.

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER,
LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 2nd June 1975

No. 6/166/75-LTCP.—Shri D. Ghosh, Assistant Conservator of Forests, West Bengal Senior Forest Service, who has been working as Logging Instructor, in the Logging Training Centres Project, Dehra Dun, has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 15th May, 1975 and his services have been placed at the disposal of the Principal, Eastern Forest Rangers College, Kurseong with effect from the same date.

ROMESH CHANDRA
Chief Executive Officer

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 28th May 1975

No. 302/(A).—The undersigned is pleased to appoint Shri N. J. Dhiyaro Inspector Control, New Currency Note Press to officiate as Deputy Control Officer in Currency Note Press in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 purely on *ad hoc* basis for a period of 43 days w.e.f. the forenoon of 19th May, 1975 to 30th June, 1975 in the vacancy caused due to the grant of earned leave to Shri F. H. Kolhapurwala, Deputy Control Officer, Currency Note Press.

V. J. JOSHI
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th June 1975

F. No. BNP/E/8/H-4.—The Recruitment Rules having been finalised, the officiating appointment of Shri K. C. Hindaul Permanent Inspector Control in the Currency Note Press, Nasik Road as Control Officer in the Bank Note Press, Dewas in continued on *regular* basis w.e.f. 20th March 1975 to 27th January 1976 (AN).

F. No. BNP/C/93/74.—The Recruitment Rules having been finalised, the officiating appointment of Shri M. S. Deshpande, permanent Inspector Control in the Security Paper Mill, Hoshangabad as Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on *regular basis* w.e.f. 20th March 1975 to 30th September 1975 (AN).

F. No. BNP/E/Spl/30.—The Recruitment Rules having been finalised, the officiating appointment of Shri S. P. Kulshrestha, Accounts Officer in the office of the Accountant General, Madhya Pradesh as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on *regular basis* w.e.f. 19th February 1975 to 2nd December 1975 (AN).

D. C. MUKHERJEA
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 9th June 1975

No. 12(2/7)/3273.—As a result of introduction of 7 day working in the Security Paper Mill, Hoshangabad with effect from 15th June 1975 the post of Assistant Chief Chemist in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 is being converted into that of Assistant Works Manager in the same pay scale with effect from 15th June 1975 (FN).

The incumbent of the post of Asstt. Chief Chemist, Shri A. K. Ghosh will therefore take over as Asstt. Works Manager with effect from 15th June 1975 (FN).

P. S. SHIVARAM,
Officer on Special Duty
(NSPM) & Head of the Department (SPM)
Hoshangabad (MP).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 27th May 1975

No. 316-GE-I/N-24/PF.II, dated 18th January 1975.—Consequent upon his permanent absorption in the Indian Telephone Industries, Bangalore, (a Central Government Undertaking) in public interest with effect from 1st April 1973, Shri A. S. Narayanan, IAAS, is deemed to have retired from Government service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

No. 483-GE-I/A-23/PF, dated 4th February 1975.—Consequent upon his permanent absorption in the Indian Dairy Corporation, Baroda (a Government of India Undertaking), in public interest with effect from 16th October 1974, Shri H. K. Agrawal, IAAS, is deemed to have retired from Government Service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

No. 538-GE-I/J-3/PF.IV, dated 7th February 1975.—On return from earned leave from 19th November 1974 to 4th January 1975 with the permission to suffix Sunday the 5th January 1975, Shri P. N. Jain took over as Accountant General, Central Revenues, New Delhi on 6th January 1975. He relieved Shri S. P. Guptani.

No. 746-GE-I/A-30/PF.II, dated 11th February 1975.—Consequent upon his permanent absorption in the Indian Oil Corporation Ltd., (a Government of India Undertaking) in public interest with effect from 5th October 1974, Shri T. S. Anand, IAAS, is deemed to have retired from Government service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

No. 867-GE-I/S-28/PF, dated 19th February 1975.—On return from leave from 14th January 1975 to 29th January 1975 Shri S. Manzur-e-Mustafa took over as Accountant
22—146GI/75

General (I) Madhya Pradesh, Gwalior on 30th January 1975. He relieved Shri S. Ramachandran, Accountant General (II) Madhya Pradesh, Gwalior.

No. 998-GE-I/R-30/PF, dated 26th February 1975.—On return from leave from 13th January 1975 to 7th February 1975 with the permission to suffix holidays on 8th and 9th February 1975 Shri K. Ranganadham, IAAS, took over as Member, Audit Board and ex-Officio, Director of Commercial Audit, Ranchi with effect from 10th February 1975 (FN). He relieved Shri S. S. Ahmed, IAAS.

No. 1143-GE-I/S-I/PF, dated 6th March 1975.—On return from leave from 16th January 1975 to 31st January, 1975 Shri S. R. Subrahmanyam, IAAS, took over as Accountant General Rajasthan, Jaipur on 1st February 1975. He relieved Shri K. Tyagarajan.

No. 1144-GE-I/S-I/PF, dated 5th March 1975.—On his relief from the Office of the Accountant General Rajasthan, Jaipur by Shri S. R. Mukherji, IAAS Shri S. R. Subrahmanyam, IAAS, assumed charge of the post of Director (Staff) in the Office of the Comptroller and Auditor General of India on 17th February 1975 (FN).

No. 1660-GE-I/R-20/PF, dated 29th March 1975.—On return from leave from 10th February 1975 to 28th February 1975 with the permission to prefix 8th & 9th February 1975, Shri G. Ramachandran, took over as Accountant General (I), Andhra Pradesh, Hyderabad on 1st March 1975 (FN). He relieved Shri A. C. Narayanaswamy, IAAS.

No. 1639-GE-I/M-21/PF, dated 29th March 1975.—On his relief on 20th January 1975 from the post of Director of Audit, London and on expiry of leave and usual joining time, Shri S. R. Mukherji, IAAS assumed the charge of the post of Accountant General, Rajasthan, Jaipur on 10th February 1975.

No. 1690-GE-I/S-48/PF, dated 1st April 1975.—On return from leave from 16th December 1974 to 10th January 1975 with the permission to affix holidays on 14th and 15th December 1974 and 11th & 12th January 1975 Shri H. S. Samuel took over as Chief Auditor, South-Eastern Railway, Calcutta on 13th January 1975 (FN). He relieved Shri S. C. Banerjee.

M. P. GUPTA
Asstt. Comptroller and Auditor General (P)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 2nd June 1975

No. OE-I-Audo/931.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Rai Brajeshwar Narain Sinha, a substantive Section Officer of the Local Audit Branch of his office to officiate until further orders as an Assistant Examiner in that office with effect from 5th May 1975 (FN).

B. P. SINHA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 5th June 1975

No. ESI/A4/141.—The Accountant General is pleased to promote Shri K. G. Ramaswamy, permanent Section Officer, to officiate in a temporary capacity as Accounts Officer with effect from 5th June 1975 (AN) or from the date he assumes charge of the new assignment until further orders and without prejudice to the claims of seniors.

R. A. BORKAR
Sr. Dy. Acctt. Genl. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MADHYA PRADESH—I

Gwalior-474002, the 24th May 1975

No. Admn.I/82.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I has been pleased to appoint the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity from the dates mentioned against each, until further orders.

S/Shri

1. C. Krishnan (02/0179)—14th April 1975 (FN).
2. C. Pramanik (02/0180)—14th April 1975 (FN).
3. B. D. Risbud (02/0181)—21st April 1975 (FN).

Sd./- ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, COM-
MERCE WORKS & MISCELLANEOUS

New Delhi, the 22nd May 1975

No. Admn.I/8(56)/984-1000.—The Comptroller & Auditor General of India has been pleased to convey the sanction of the President to the permanent absorption of Shri Prakash Chandra, a permanent Accounts Officer in the office of the Accountant General, C.W. & M, New Delhi in the State Farms Corporation of India Ltd., 16/48, Malcha Marg, Chanakya Puri, New Delhi as Accounts Officer w.e.f. 1st December 1974 (FN), in public interest. He is deemed to have retired from Government service w.e.f. the date of his absorption in the Corporation as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

The 26th May 1975

No. Admn. IV GOs/18.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri S. K. Ghosh, Accounts Officer, Office of the Sr. Dy. Accountant General, C.W. & M, Calcutta retired from Government service on 31st March 1975 (AN), his date of birth being 1st April 1917.

G. N. PATHAK,
Accountant General.OFFICE OF THE MEMBER AUDIT BOARD & EX-
OFFICIO DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT
(COAL)

Calcutta-16, the 24th May 1975

No. 679/C/Admn./PRK/17.—The Member Audit Board and Ex-Officio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta has been pleased to grant 43 days E.L. to Shri P. R. Kale, Chief Auditor Commercial Accounts (Coal), Calcutta for the period from 19th December 1974 to 31st January 1975. On the expiry of his leave Shri Kale has taken charge of his office on 1st February 1975 (FN).

R. N. MUKHERJEE,
Audit Officer (Admn.).OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, CENTRAL
RAILWAY

Bombay, the 2nd May 1975

G.O.O. No. 332.—Consequent upon transfer of Shri P. C. Calla vide C&AG's letter No. 2034-GE.I/66/75 of 19th April 1975, Shri Kulwant Singh, IA & AS has taken over charge of Chief Auditor, Central Railway, Bombay with effect from 2nd May 1975 (AN).

SUDHA RAJAGOPALAN
Dy. Chief Auditor

MINISTRY OF SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 26th May 1975

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/667-669.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri K. K. Mannan, Section Officer (Pay & Accounts) of his organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, New Delhi w.e.f. 29th June 1974 (AN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/673-675.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Sham Das Section Officer (Pay & Accounts) of his organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Reh. New Delhi w.e.f. 31st August 1974 (FN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/684-686.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri M. B. L. Bhatnagar, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, Ministry of Food & Agriculture, New Delhi w.e.f. 27th February 1975 (FN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/687-689.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri G. S. Rajput, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Ministry of Food & Agriculture, New Delhi, w.e.f. 28th February 1975 (FN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/690-692.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri O. P. Verma, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Rehabilitation, New Delhi w.e.f. 31st March 1975 (AN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDM)/693-95.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Sat Pal, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Rehabilitation, New Delhi w.e.f. 4th April 1975 (AN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

The 11th June 1975

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/1196-98.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Sukhdev Raj Sharma, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, New Delhi w.e.f. 31st May 1975 (FN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/1197-1201.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri P. C. Gupta, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, New Delhi w.e.f. 31st May 1975 (FN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

The 26th June 1975

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/670-672.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Pritam Singh, I Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer, in the Office of the Chief Pay & Accounts Officer, Ministry of Food & Agriculture, New Delhi w.e.f. 19th August 1974 (FN) until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay and Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/676-677.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri B. M. L. Kapoor, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the Office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Bombay w.e.f. the forenoon of 27th Dec. 1974 until further orders.

2. His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

3. The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay and Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/678-679.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri A. G. Johnson, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the Office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Bombay w.e.f. the forenoon of 6th February 1975 until further orders.

2. His promotion is without prejudice to the rights and claims of his senior in the panel.

3. The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/680-681.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri R. K. Mehra, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the Office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Madras w.e.f. the forenoon of 31st January 1975, until further orders.

2. His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

3. The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

No. A-32014/73-74/Admn(CDN)/682-683.—The Chief Pay & Accounts Officer, Ministries of Supply & Rehabilitation and Food and Agriculture, New Delhi has appointed Shri S. K. Sareen, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the Office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Bombay w.e.f. the forenoon of 27th February 1975 until further orders.

2. His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

3. The promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

S. N. PATHAK
Pay & Accounts Officer

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS,
New Delhi, the 21st May 1975

No. 40011(2)/74-AN-A—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to Pension Establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	K. K. Govindan Nambiar, (O/45)	Officiating Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2.	Radha Raman Chatterjee (O/48)	Officiating Accounts Officer	30-6-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
3.	Tarapada Mitra (O/98)	Officiating Accounts Officer	31-5-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
4.	K. S. Chadha (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	31-5-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.

The 23rd May 1975

No. 18289/AN-II.—On attaining the age of 58 years Shri H. Viswanathan, Assistant Controller of Defence Accounts will be transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department w.e.f. 31st August 1975 (AN).

The 9th June 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to Pension Establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	P. L. Suri (P/109)	Permanent Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
2.	B. R. Datta (P/375)	Permanent Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut (on deputation to Ministry of Finance, New Delhi).
3.	Baldev Ram (P/10)	Permanent Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut (on deputation to Rural Electrification Corporation Ltd. New Delhi).
4.	D. R. Aggarwal (P/512)	Permanent Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
5.	A. Balakrishnan (O/124)	Officiating Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South, Madras.
6.	S. Narasimhamurthy (O/130)	Officiating Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
7.	P. P. Jakhalekar (O/311)	Officiating Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
8.	K. Venkata Rao (O/298)	Officiating Accounts Officer	31-8-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.

(2) The following is added as para 4 in this department notification bearing No. 40011(2)/74-AN-A dated 5-3-1975.

"Shri D. G. Bhawe, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave preparatory to retirement from 7-4-75 to 31-5-75."

No. 40011(2)/74-AN-A—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officers who are accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of the date shown against each.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date of death	Date of struck off strength	Organisation
1.	Sarvashri V. Venkataraman (P/44)	Permanent Accounts Officer	27-5-75	28-5-75 (FN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
2.	D. Gopaladesikan (P/70)	Permanent Accounts Officer	15-5-75	16-5-75 (FN)	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.
3.	D. V. Chalapathi Rao (O/364)	Officiating Accounts Officer	20-5-75	21-5-75 (FN)	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.

The 11th June 1975

No. 71019(6)/74-AN-II.—On the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1973, the President is pleased to appoint Shri Guru Prasad Mohanty as Probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from 15th January 1975 (AN).

CORRIGENDUM

2. Notification bearing this office No. 71019(6)/74-AN-II of 4th February 1975 published in the Gazette of India Part III, Section I (P-1906) dated 8th March 1975 is cancelled.

S. K. SUNDARAM

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES GROUP

Kanpur, the 23rd May 1975

No. 1/75/OEF.—On attaining the age of superannuation Shri G. C. Dass, offg. ADGOF Grade II, retired from service, 30th November 1974 (AN).

No. 2/75/G/OEF.—On attaining the age of superannuation Shri G. D. Suri, offg. Dy. Manager, retired from service, 30th Dec., 1974 (AN).

S. K. DUTT

Assistant Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 23rd May 1975

No. 20/75/G.—On attaining the age of superannuation, viz. 58 years, the undermentioned officers retired from service with effect from the date specified against each :—

(1) Sri A. M. De Kanungo, offg. Asst. Manager, (Subst & Permt F'man)—3rd January 1974 (AN).

(2) Sri S. P. Bhattacharjee, offg. Asst. Manager, (Subst & Permt F'man)—31st January, 1974 (AN).

R. SUNDARAM

Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF LABOUR

Simla-171004, the July 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Numbers for Industrial Workers on base 1960=100 increased by four points to reach 327 (Three hundred and twenty-seven) during the month of May, 1975. Converted to base 1949=100 the Index for the month of May, 1975 works out to 397 (Three hundred and ninety-seven).

K. K. BHATIA
Director

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 2nd June 1975

No. Admn.12(11)Genl/74.—Consequent upon his deputation to the post of Welfare Administrator, Lime Stone and Dolomite Mines Labour Welfare Organisation, Jabalpur, Shri J. N. Sanyal, Physical Training Instructor in the Coal Mines Labour Welfare Organisation relinquished charge in the afternoon of 14th April 1975.

R. P. SINHA

Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad.

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th May 1975

No. EST-1-2/(637).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 14th March, 1975 and until further orders, Shri Suresh Chand Jain as Assistant Director Grade I (Dyeing) in the Weavers' Service Centre, Bhagalpur.

R. P. KAPOOR

Textile Commissioner

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 30th May 1975

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1033/74-Admn(G)/3473.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri L. K. Batra as Controller of Imports & Exports Class II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd April 1975, until further orders.

2. Shri L. K. Batra will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE

Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 30th May 1975

No. 6/113/54-Admn(G)/3426.—The President is pleased to appoint Shri K. G. Narainsinghani, a permanent Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras on *ad hoc* basis for the period from 12th May 1975 to 28th June 1975 vice Shri P. Madhavan Nair granted leave.

No. 6/305/55-Admn(G)/3488.—The President is pleased to appoint Shri K. P. Narayan, permanent Controller in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta to officiate as Dy. Chief Controller of Imports & Exports in that office for the period from 11th February 1975 to 9th April 1975.

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the 9th June 1975

ORDER FOR CANCELLATION

Subject : Cancellation of Exchange Control Copy of Import Licence No. P/E/0209795 dated 4th June 1973 issued to M/s. The Bharat Trading Co., 40, North Veli St., Madurai-1.

No. ITC/14/Rev-Dup/Am/76/EL.—M/s. The Bharat Trading Co., 40, North Veli Street, Madurai-1, were issued a licence No. P/E/0209795/c/xx/47/M/37-38, dated 4th June 1973 for Rs. 4275/- (Rupees Four thousand two hundred and seventy five only) by this Office for import of Motor Vehicle Parts for the licensing period April—March 1974.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the Exchange Control Copy of the above licence on the ground that the original has been lost by them after having utilised fully for April 73—March 74 period. In support of their contention they have also filed an affidavit.

A duplicate copy of the exchange control copy of the above licence has since been issued and the original copy of the licence has been cancelled.

This is reported for your information.

M. F. R. BIJLI
Deputy Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th June 1975

No. A31014(5)/70-Estt.A.—Shri R. Namasivayam is confirmed in the post of Publication Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from 14th July, 1974.

D. N. BHARGAVA
Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 27th May 1975

No. 4149/B/40/59/C/19A.—Shri Balaram Saha, Superintendent, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 13th May 1975, until further orders.

The 2nd June 1975

No. 4198/B/40/59/C/19A.—Shri A. K. Chattaraj, Superintendent, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 19th May, 1975, until further orders.

The 3rd June 1975

No. 4202/B/2251(DKS)/19B.—Shri D. K. Sharma, Senior Drilling Assistant in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24th March, 1975, until further orders.

No. 4207/B/40/73/196.—Shri Mohinder Singh of the G.S.I. is confirmed in the post of Asstt. Administrative Officer (Gazetted Class-II) in the scale of pay of Rs. 350—800 (Pre-revised) in the G.S.I., w.e.f. 22nd February 1974.

No. 4320/B/51/62/19A.—Shri H. K. Ghosh, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th April 1975, until further orders.

No. 4224/B/40/59(SSJ)/19A.—Shri S. S. Jamwal is appointed as an Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11th April, 1975, until further orders.

The 4th June 1975

No. 4261/B/2222(AM)/19A.—Shri Anil Mehrotra is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1-4-1975, until further orders.

No. 4255/B/2503(IV)C/19B.—Dr. D. N. Tewari, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released on resignation from the services in the Geological Survey of India with effect from 1-1-1974.

The 6th June 1975

No. 4278/C/2222(PC)/19A.—Shri Prakash Chandra is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 11-4-1975, until further orders.

The 7th June 1975

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 10th June 1975

No. EI-2(2)/71(.)—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Sudhir Kumar Chandra, Superintendent to the post of Deputy Assistant Iron & Steel Controller with effect from forenoon of the 9th June, 1975 *vice* Shri Jyotirmoy Basu, proceeded on leave.

The 11th June 1975

No. EI-1(10)/74(.)—Iron & Steel Controller, hereby appoints the undermentioned persons to officiate in the post indicated against each from 1-8-73 :—

- (1) Shri Sunil K. Roy, Dy. Asstt. Iron & Steel Controller.
- (2) Shri Bhupati Bhushan Biswas, Asstt. Director (Administration).

2. This supersedes this Office Notification No. EI-1(10)/74, dated 1-3-1975.

A. C. CHATTERJEE

Deputy Director (Administration)
for Iron & Steel Controller

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 11th August 1974

No. C-4890/PF(DCK).—As a result of disciplinary action, Shri D. C. Kuthari, Officer Surveyor, No. 70 (Forest) Party, Northern Circle, Survey of India, Dehra Dun is

(i) CENSURED and

(ii) A recovery of Rs. 840.00 (Rupees eight hundred and forty only) is to be made from his pay in 21 instalments of Rs. 40.00 each being part of pecuniary loss caused by him to the Government by his negligence and carelessness.

HARI NARAIN
Surveyor General of IndiaMINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 27th May 1975

No. 40/PFI/48-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. R. Peswani, Officiating Superintendent in the Films Division, Bombay, to officiate as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 5th May 1975 *vice* S/Shri M. Chandran Nair and N. N. Sharma granted leave.

K. S. KUDVA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th May 1975

CORRIGENDUM

No. 4(111)/75-SI.—For the words 'Clerk Grade-I' please substitute 'Clerk Grade-II' in this Directorate's Notification No. 4(111)/75-SI, dated the 28th April 1975 appointing Shri Athos Fernandes as a Programme Executive at All India Radio, Panaji.

C. KARUNAKARAN
Director General

The 7th June 1975

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 10th June 1975

No. 4288/B/2222(BB)/19A.—Kumari Banani Bardhan is appointed as Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9-5-1975, until further orders.

No. 4300/B/51/62/19A.—Shri S. K. Ghosh, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 28th February, 1975 (afternoon).

The 9th June 1975

No. 4315/B/2181(SKR)/19B.—Shri Syamal Kumar Roy, A.I.C., is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-4-1975, until further orders.

The 10th June 1975

No. 4321/R/51/67/19C.—The following officers of the G.S.I. are confirmed in the post of Administrative Officer (Gazetted Class-II) in the scale of pay of Rs. 475—800 (Pre-revised) in the G.S.I. w.e.f. the dates shown against them :—

1. Shri I. M. Chatterjee—22-2-71.
2. Shri R. R. Ghosh—16-1-73.
3. Shri K. R. Barary—18-1-73.
4. Shri R. P. Guha Roy—4-6-73.
5. Shri D. P. Roy—4-6-73.
6. Shri S. N. Chatterjee—9-7-73.
7. Shri B. N. Mukherjee—1-10-73.

No. 4330/B/2222(DR)/19A.—Shri Dhruval Basu, Senior Technical Assistant (Geology) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 13-5-1975, until further orders.

The 11th June 1975

No. 4336/R/4/72/19A.—Shri Karan Singh received charge of the post of Assistant Stores Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the forenoon of 1-4-1975.

The 12th June 1975

No. 4380/R/2181(MRS)/19B.—Shri M. R. Sen Gupta, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the G.S.I. with effect from the afternoon of 25-11-74 for joining his new appointment as Chemical Examiner Grade-II in the Central Revenues Chemical Service, Class I.

No. 4351/R/2251(GSDI)/19B.—Shri G. S. D. Unadhuvar, Driller Geological Survey of India, died on the 11th March, 1975.

No. 4373/B/2222(VTM)/19A.—Shri V. Thenkarai Muthu is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 18-4-1975, until further orders.

The 11th June 1975

No. 5(25)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Tushar Mehta, Transmission Executive, All India Radio, Ahmedabad as Programme Executive, All India Radio, Rajkot in a temporary capacity with effect from the 13th May, 1975 and until further orders.

No. 5(127)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Umakant Das, Transmission Executive, All India Radio, Cuttack as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 15th May, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 27th May 1975

No. 2/5/73-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lalit Mohan Ambast in the Cadre of Assistant Engineer in an officiating capacity at Station of All India Radio, Cuttack with effect from 30th April, 1975 (forenoon).

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-11, the 28th February 1975

No. 34-41/74-CHS.I.—Consequent on his transfer, Dr. S. K. Chopra, an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 17th December, 1974, and assumed charge of the post of Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Delhi, on the forenoon of the 18th December, 1974.

The 1st May 1975

No. 1-45/74-CHS.II.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs) Usha Nagpal relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Willingdon Hospital, New Delhi, on the forenoon of the 22nd November, 1974.

R. N. TEWARI
Dy. Director, Administration (CHS)

New Delhi, the 2nd June 1975

No. 12-1/75-Admn.I.—Consequent on his promotion to officiate in Grade I of the C.S.S. in the Department of Health, Shri R. D. Kamat relinquished charge of the post of Section Officer in this Directorate on the forenoon of 16th May, 1975.

The President is pleased to appoint Shri P. S. Seekand. a permanent Grade IV officer of the C.S.S. as Section Officer in the Directorate General of Health Services in an officiating capacity for a period of 32 days w.e.f. the forenoon of 16th May, 1975 vice Shri R. D. Kamat appointed as Under Secretary in the Department of Health.

The 4th June 1975

No. 10-13/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Dhar, Senior Analyst, Central Food Laboratory, Calcutta, to the post of Chief Technical Officer in the same Laboratory in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th January, 1975, and until further orders.

The 6th June 1975

No. 12-9/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. L. Dhingra, an officer of Grade I of the C.S.S.S. to officiate in the Selection Grade of the C.S.S.S. in this Directorate with effect from the forenoon of 2nd June, 1975, until further orders.

Consequent on his appointment to the Selection Grade of C.S.S.S. Shri B. L. Dhingra relinquished charge of the post in Grade I of the C.S.S.S. in this Directorate on the forenoon of 2nd June, 1975.

S. P. JINDAL
Dy. Director, Administration

New Delhi, the 12th June 1975

No. 34-2/72-Admn.I.—The resignation of Smt. Kamlesh Natarajan, Senior Physiotherapist, Safdarjang Hospital, New Delhi has been accepted with effect from the forenoon of the 24th January, 1975.

S. P. JINDAL
Dy. Director, Administration
for Director General of Health Services

New Delhi, the 7th June 1975

No. 41-28/73-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the undermentioned officers in a substantive capacity to the posts of Drugs Inspector (Class II-Gazetted) in the Zonal Offices of the Central Drugs Standard Control Organisation shown against each with effect from the 4th July, 1972:—

1. Shri S. K. Desai—West Zone, Bombay.
2. Shri K. S. George—North Zone, Ghaziabad.
3. Shri N. B. Ray—South Zone, Madras.
4. Shri O. K. Rao—East Zone, Calcutta.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)

New Delhi, the 10th June 1975

No. 9-8/75-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Danyanti Katoch to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Delhi under this Directorate with effect from the forenoon of the 2nd June, 1975 and until further orders.

H. S. DHAKALIA
Dy. Director Administration (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

(BR. HEAD OFFICE)

Nagpur, the 6th June 1975

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Ministry of Foreign Trade, Ministry of Finance (Central Revenue) Notification No. 125, 126, 127 Dt. 15-9-1962. No. 1131, 1132 Dt. 7-8-1965. No. 2907 Dt. 5-3-1971. No. 3601-A, 3601-B, 3601-C, Dt. 1-10-1971. No. 12 Dt. 9-6-1945. No. 1 Camp Dt. 5-1-1946. No. 6 Dt. 5-2-1949. No. 64 Dt. 17-6-1961. No. 1133, 1134, 1135 Dt. 7-8-1965. No. 3099 Dt. 3-11-1973. No. 1127 Dt. 21-4-1973. No. 1130 Dt. 7-8-1965. No. 1421 Dt. 31-8-1963. No. 124 Dt. 15-9-1962. No. 448 Dt. 14-3-1964 and published in the

Gazette of India, I hereby authorise Shri R. S. Varma, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed, Tobacco, Onion, Garlic, Pulses, Cumin Seed, Curry Powder, Tendu leaves, Walnuts, Myrobalans and Table Potatoes, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 2nd May 1975

No. PA/67(7)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Amal Kumar Ghosh, a permanent Junior Engineer in the office of Executive Engineer (Elect.) Special Electrical Divn., Central P.W.D., New Delhi on his transfer to officiate as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from forenoon of March 31, 1975, until further orders.

The 7th May 1975

No. PA/81(97)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Murlidhar Chintamani Barve, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade-SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 8th May 1975

No. PA/81(36)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Virupax Ramachandra Joshi, a permanent Scientific Assistant (A) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 10th May 1975

No. PA/81(27)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Mohinder Singh, a permanent Chargehand and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(27)/75-R-IV.—The Director Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mahesh Chander Sharma, temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer—Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 30th May 1975

No. PA/62(17)/73-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dattatray Vasudeo Rane, a temporary Sub-Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Station Officer in the same Research Centre for a period of one year on ad hoc basis with effect from the afternoon of April 23, 1975.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 12th June 1975

Ref. 5/1/75/Estt, V/186.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Pathiyat Govindan Kutty, Stenographer (Senior) to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period 10-3-1975 to 23-5-1975.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 28th May 1975

No. SAO-12(24)/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. R. Sundaram, as Security Officer, in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of May 2, 1975, until further orders.

The 30th May 1975

No. AMD/2/449/57-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. C. Sud, officiating Superintendent in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy as Assistant Personnel Officer in the same Division w.e.f. 8-5-75 to 11-7-75 vide Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted leave.

S. K. MALHOTRA
Administrative Officer
for Director

Hyderabad-500016, the 4th June 1975

No. AMD-2(571)/58-Adm.—The Director, Purchase & Stores, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Wazir Chand, a permanent Storekeeper and an officiating Chief Storekeeper in the Directorate of Purchase & Stores, as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the period from April 16, 1975 to June 13, 1975 (both days inclusive) vice Shri V. C. Cherian, Assistant Stores Officer on leave.

S. K. MALHOTRA
Administrative Officer
for Director, Purchase & Stores

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 15th May 1975

No. RRC-IL-13(9)/74-8852.—The Project Director, Reactor Research Centre, appoints Shri Kalyanasundaram Arumugam, a temporary Scientific Assistant 'C' as a temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre with effect from the forenoon of May 1, 1975 until further orders.

The 31st May 1975

No. RRC-IL-1(26)/72-9982.—Project Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri Porunthapakkam Venugopalachary Sundarajan, an officiating Assistant of this Centre as an Assistant Administrative Officer in the same Centre on a purely temporary basis for the period from 21-5-1975 to 5-7-1975 vice Shri K. Venkatakrishnan, Assistant Administrative Officer granted leave.

K. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 31st May 1975

No. 18(55)/75-Recd.—Shri R. Narayanan, officiating Supervisor is appointed as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the Madras Atomic Power Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 1, 1975 with headquarters at Kalpakkam until further orders.

K. BALAKRISHNAN, Adm. Officer
for Director, PPED

Kalpakkam-603102, the 3rd June 1975

No. 3(855)/75-Adm/P-6096.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Dr. (Smt.) Renuka Vasudevam to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the DAE Hospital at Kalpakkam with effect from the forenoon of May 22, 1975.

K. BALAKRISHNAN Adm. Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd June 1975

No. PPED/3(236)/75/Adm.5737.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Hasamnis, a temporary Draughtsman 'C' of this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade SB, in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

M. S. RAO, Adm. Officer
for Director

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 31st May 1975

No. DPS. A-32011/2/73/Est.—In continuation of this Directorate notification of even number dated December 3, 1974, Director Purchase and Stores appoints Shri Gajanan Laxmanrao Haldipur, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer (II) in the same Directorate for the following periods :—

1. 4-12-1974 to 18-1-1975
2. 24-3-1975 to 7-6-1975

B. G. KULKARNI,
for Administrative Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006, the 21st May 1975

Ref. MRPU/200(14)/75-Adm.—The Director, Purchase and Stores is pleased to appoint Shri H. Ganapathy, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Storekeeper in Directorate of Purchase and Stores as Assistant Stores Officer in an officiating capacity in this Directorate with effect from May 26, 1975 till July 11, 1975.

S. RANGACHARY, Purchase Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 17th October 1974

No. A.32013/1/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Bandopadhyay, Senior Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Calcutta as Controller on an *ad-hoc* basis at the same station with effect from the 25th May, 1974 F.N. in the leave vacancy of Shri A. K. Mitra, Controller.

The 29th May 1975

No. A.32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Communication Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Communication Officers in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against their names :—

S. No.	Name	Date from which appointed	Station to which posted.
1.	Shri M.K. Kurien	31-1-1975 (F.N.)	A.C.S., Bombay
2.	Shri N. S. Pillai	3-1-1975 (F.N.)	A.C.S., Bhubaneswar.
3.	Shri G.S. Karnani	7-3-1975 (F.N.)	A.C.S., Gwalior

The 12th June 1975

No. A.32014/3/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. L. Relwani, Technical Assistant at Aeronautical Communication Station, Ahmedabad to officiate as Assistant Technical Officer at the same station with effect from 27-5-1975 (F.N.) on a purely *ad-hoc* basis *vide* Shri Ishar Singh, Assistant Technical Officer, A.C.S., Ahmedabad granted leave.

H. L. KOHLI, Dy. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 4th June 1975

No. A.32013/5/73-EA.—The President is pleased to sanction the continued *ad-hoc* appointment of the following officers, as Aerodrome Officer upto the end of August 1975 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :—

Sl. No., Name and Station of posting

1. Shri K. P. V. Menon—Mangalore.
2. Shri V. R. Vishwanathan—Bhopal.
3. Shri S. C. Joshi—Headquarters A.O.(AIS).
4. Shri O. P. Dhingra—Headquarters T.O.(P).
5. Shri M. P. Khosla—Palam.
6. Shri J. S. R. K. Sharma—Madras.
7. Shri K. S. Prasad—Mohanbari.
8. Shri N. D. Ghosh—Dum Dum.
9. Shri Ravi Tankha—Agartala.
10. Shri C. R. Rao—Raikot.

11. Shri Kundan Lal—Aurangabad.
12. Shri J. K. Sardana—Srinagar.
13. Shri K. C. Misra—Santacruz.
14. Shri G. B. K. Nair—Santacruz.
15. Shri D. D. Sardana—Safdarjung.
16. Shri K. N. Venktechalliah—Santacruz.
17. Shri S. Dayal—Headquarters TO(AS).
18. Shri S. C. Sekhri—Udaipur.
19. Shri M. P. Jain—Safdarjung.
20. Shri S. K. Jain—Dum Dum.
21. Shri D. Ramanujam—Safdarjung.
22. Shri A. T. Verghese—Kumbhirgram.
23. Shri K. V. S. Rao—Madras.
24. Shri N. P. Sharma—Safdarjung.
25. Shri S. K. Banerjee—Dum Dum.
26. Shri R. Kothandaraman—Tirupathi.

No. A.33023/1/74-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby appoints the following persons to the post of Assistant Aerodrome Officer, Class II Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt., in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, in a temporary capacity, with effect from the 5th May, 1975 and until further orders :—

1. Shri H. C. Gulati.
2. Shri M. P. Chandy.
3. Shri R. D. Gupta.
4. Shri Puran Chand.
5. Shri M. Sarangapani.
6. Shri B. P. Pai.
7. Shri B. S. Reddy.

MOHINDER LAL HANDA,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 4th June 1975

No. A-31013/2/74-EH.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Gupta, officiating Scientific Officer, in a substantive capacity in the grade of Project Officer, with effect from 4th November, 1973 in the Civil Aviation Department.

T. S. SRINIVASAN,
Asstt. Director of Admn.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehradun, the 20th May 1975

No. 16/224/73-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to accept the resignation tendered by Shri R. L. Khurana at present working as Assistant Director, Indian Standards Institution Branch, Calcutta, from the post of Research Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the afternoon of 31st December, 1973.

PREM KAPUR, Registrar
Forest Research Institute and Colleges

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Calcutta, the 12th May 1975

No. 27.—On transfer from Calcutta & Orissa Collectorate Shri P. K. Chatterjee, Supdt. Cl. II took over charge of Inspection Group Darjeeling under Siliguri Central Excise Division on 1-4-75 (A/N) vice Shri M. H. Khandakar, Supdt. transferred.

No. 28.—On transfer from Inspection Group Darjeeling under Siliguri Central Excise Division Shri M. H. Khandakar, Supdt. took over charge of Inspection Group Siliguri under above Division in the Forenoon of 9-4-75 relieving Shri G. L. Chatterjee Supdt. of the additional charge.

No. 29.—On promotion to the grade of Supdt. Cl. II Shri H. L. Basu Barma took over charge of Maharajpur Range under Siliguri C.E. Divn. on 9-4-75 (F/N) vice Shri K. D. Roy, Supdt. transferred to Burdwan Central Excise Division.

No. 30.—On transfer from Alipurduar II Range under Cooch Behar Divn. Shri A. K. Sarkar Supdt. Cl. II took over charge of Dinhata (Town) Range under the above Division on 31-3-75 (F/N) vice Shri G. C. Das, Supdt. Cl. II transferred.

No. 31.—On transfer from Dinhata (Town) Range Shri G. C. Das, Supdt. Cl. II took over charge of Alipurduar II Range on 7-4-75 (F/N) relieving Shri P. G. Mukherjee, Supdt. of the additional charge.

No. 32.—On transfer from Raiganj Customs Circle Shri I. N. Guha, Supdt. Cl. II took over charge of Dinhata Customs Circle on 1-4-75 (F/N) relieving Shri K. M. Dutta, Supdt. of the additional charge.

N. N. ROY CHOUDHURY,
Collector of Central Excise & Customs,
W. B. Calcutta.

Guntur-522004, the 25th May 1975
CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 3.—Shri Y. V. Raghavendra Rao, officiating Superintendent of Central Excise, Class II M. O. R. Chintalapudi expired on 5th May, 1975.

I. J. RAO, Collector

Baroda, the 30th April 1975

No. 11/1975.—Shri P. M. Kothawala, permanent Superintendent, Central Excise, Class-II, Assessment-cum-Inspection Group-IV, Ahmedabad Division-II will attain the age of 58 years on 6-4-1975 (Birth date 6-4-1917). He shall accordingly retire on superannuation pension in the afternoon of 30-4-1975, in pursuance of Government of India, Department of Personnel and Adm. Reform O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated 24-11-1973.

No. 12/1975.—Shri R. A. Raval, Officiating Superintendent, Central Excise, Class-II, Dakor Range, Nadiad division will attain the age of 58 years on 8-4-1975 (birth date 8-4-1917). He shall accordingly retire on superannuation pension in the afternoon of 30-4-1975. In pursuance of Government of India, Department of Personnel and Adm. Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated 24-11-1973.

No. 13/1975.—Shri H. S. Desai, Permanent Superintendent, Central Excise, Class II, Leave Reserve, Anand Division will attain the age of 58 years on 15-4-1975 (birth date 15-4-1917). He shall accordingly retire on superannua-

tion pension in the afternoon on 30-4-1975, in pursuance of Government of India, Department of Personnel and Adm. Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated 24-11-1973.

N. B. SANJANA,
Collector,
Central Excise, Baroda

Patna, the 23rd May 1975

C. No. II(7)/5-ET-75/5451.—In pursuance of this office Estt. Order No. 122/75 dated 21st March, 1975 appointing Shri S. D. P. Sharma, Inspector (S.G.) of Central Excise and Customs to officiate provisionally as Supdt. Class-II of Central Excise and Customs in the time scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/—, plus usual allowance as admissible under rules, Shri S. D. P. Sharma assumed charge as Supdt. Customs, Garahara Transshipment Yard in the forenoon of 1-5-1975.

The 9th June 1975

C. No. II(7)/5-ET/75/5977.—Shri P. P. Gupta, officiating Superintendent Class-II Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on Superannuation with effect from 30-4-1975 (A.N.).

C. No. II(7)/5-ET/75/5978.—Shri Laloojee Sahay officiating Superintendent Class-II Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on Superannuation with effect from 30-4-75 (A.N.).

A. J. F. D'SOUZA,
Collector of Central Excise, Patna

(ESTABLISHMENT)

Delhi, the 7th June 1975

No. 70.—Shri Sohan Lal Chopra, Inspector (SG), Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge of the office of Superintendent, Central Excise Class-II in the Central Excise MOD-III, New Delhi in the afternoon of 23-5-75 against one of the posts sanctioned for new levies under Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance)'s letter F. No. A-11013/E/27/75-Ad.IV dated 2-5-1975.

No. 71.—Shri Lal Chand Arora, Inspector (SG), Central Excise Collectorate, Delhi, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs Cl. II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge of the office of Superintendent, Central Excise, Class-II (Disposal Unit), Hqrs. Office, New Delhi in the forenoon of 26-5-1975.

No. 72.—Shri M. M. Singh, Inspector (SG) Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent of Central Excise & Customs, Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge of the office of Superintendent Central Excise, Class-II, C.E. MOD-III, New Delhi in the afternoon of 23-5-1975 against one of the post sanctioned for new levies under Ministry of Finance (Deptt. of Revenue and Insurance)'s letter F. No. A-11013/E/27/75-Ad.IV, dated 2-5-75.

M. S. MEHTA,
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th June 1975

No. 8/1975.—Shri Shreedhar Prasad, lately posted as Supdt. Central Excise, Class II in the Patna Central Excise Collectorate on his promotion to Class I, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I, in the North Regional Unit, of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, at Patna on 17-5-1975 (Forenoon).

B. S. CHAWLA,
Director of Inspection
Customs and Central Excise

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 12th June 1975

No. A-19012/471/74-Adm. V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/471/74-Adm. V dated the 13th February, 1975, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia, Senior Librarian to officiate as Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Poona, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, for a further period from 1-3-75 to 31-8-75, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

V. G. MENON,
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

New Delhi-110022, the 29th May 1975

No. A-19012/279/72-Adm. V.—In partial modification of this Commission's Notification of even number dated the 3rd May, 1972, the Chairman, Central Water and Power Commission (now Central Water Commission) is pleased to appoint Shri Ajit Kumar, Supervisor to officiate notionally in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) (now Central Water Commission), on an ad-hoc basis in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 (Pre-revised) with effect from the 22nd January 1969.

Shri Ajit Kumar may be deemed to have taken over charge of the post of Extra Assistant Director, in the Central Water and Power Commission (Water Wing), New Delhi, with effect from the above date.

The 30th May 1975

No. A-32014/7/74-Adm. V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm. V, dated the 10th February, 1975, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period from 1-4-75 to 30-6-1975, or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

1. Shri V. Ramanathan
2. Shri I. Z. Poonawala
3. Smt. Valsala Kumari
4. Shri A. G. Kale,

K. P. B. MENON
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 30th May 1975

No. 6/2/75-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri A. K. Mahadevan—14-5-75 (F.N.)
2. Shri G. Gunalan—9-5-75 (F.N.)
3. Shri K. K. Sood—13-5-75 (F.N.)

M. S. PATHAK
Under Secretary
for Chairman

GODAVARI WATER DISPUTES TRIBUNAL.

New Delhi-49, the 7th June 1975

No. 1(6)/73-GWDT.—In exercise of the powers conferred by section 4(3) of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956), the Godavari Water Disputes Tribunal hereby appoints Shri B. R. Palta as an Assessor, on a part-time basis, with effect from the forenoon of 4th June, 1975, until further orders.

By order of the Tribunal.

R. P. MARWAHA,
Secretary

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE, BARODA HOUSE

New Delhi, the 9th June 1975

No. 5.—Shri B. R. Ninra an officer of Indian Railway Stores service who was on deputation in Steel Authority of India Ltd., New Delhi has finally retired from service from Northern Railway w.e.f. 31-3-75 A.N.

No. 6.—Shri R. K. Kichlu, officiating Principal, Oak Grove School, Northern Railway, Jharipani is confirmed in his appointment on this Railway with effect from 10-4-1974.

C. S. PARAMESWARAN,
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Fisherman Enterprises Private Limited

Ernakulam, the 12th June 1975

No. 1984/Liq/5779/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Fisherman Enterprises Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR,
Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Naranlal Jivanlal & Company Private Limited

Ahmedabad-9, the 11th June 1975

No. 118/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of M/s. Naranlal Jivanlal & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Frizzo Industrial Company Private Limited

Ahmedabad-9, the 11th June 1975

No. 1762/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Frizzo Industrial Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M. S. M. Chit Funds Private Limited

Madras-34, the

No. DN/5512/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M. S. M. Chit Funds Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Comprehensive Engineering Service Private Limited
Madras-34, the

No. DN/5682/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Comprehensive Engineering Service Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Vasuki Chit Funds Limited
Madras-34, the

No. DN/5729/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Vasuki Chit Funds Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN,
Assistant Registrar of Companies,
Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nirmala Tea Company Limited
Shillong, the 23rd May 1975

No. 293/560/599.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Nirmala Tea Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 11th June 1975

Subject :—Establishment—Cazetted—Postings and transfers of Income-tax Officers.

Order No. 22/G.O./1975-76.—In partial modification of order No. 21/G.O., issued under this office No. E-I/Promotion/I.T.O.(II)/74-75/75-76/7294 dated the 10th June, 1975, Shri J. N. Goel, is posted as Income-tax Officer (Internal Audit I), New Delhi, vide Shri B. L. Dhawan transferred.

On transfer from Audit, Shri B. L. Dhawan, is posted as Income-tax Officer, District III(1), New Delhi. He will relieve Shri J. C. Dhingra, Income-tax Officer, District III (1) 1st Addl., New Delhi, of this additional charge, which was taken over by Shri Dhingra in the leave arrangement of Shri B. Dayal.

This order will take effect from the forenoon of today.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income-tax,
Delhi I, New Delhi

Bhubaneswar, the 9th June 1975

No. Ad-I-1/75-76.—Shri Sridhar Prasad, Income-tax Officer (Internal Audit) was granted Earned Leave for 34 days from 14-4-75 to 17-5-75 with permission to prefix 12th and 13th April, 75 and suffix 18th May, 75 which are holidays to the leave.

2. Shri M. K. Rao, Chief Auditor was appointed to hold the charge of Income-tax Officer (Internal Audit) during the absence of Sri Prasad on leave in addition to his own duties.

3. On expiry of leave Sri Sridhar Prasad took over charge as Income-tax Officer. Internal Audit on the forenoon of 19th May, 75 relieving Sri Rao of the additional charge.

M. W. A. KHAN,
Commissioner of Income-tax, Orissa,
Bhubaneswar

Patna, the 15th May 1975

ORDER

No. I.T. XIII-10/59-60.—The Additional charge of the I.T.O. Ward-C, Special Circle-I, Patna will be held by the I.T.O., Ward-B, Special Circle-I, Patna till the I.T.O., Ward-C, Special Circle-I, Patna is posted.

The 23rd May 1975

No. Adm. I.T. XIII-1/59-60.—In partial modification to this office notification of even No. dated the 25th July, 1974 relating to the jurisdiction of I.T. Circle, Jamshedpur and in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Bihar-I, Patna hereby orders that item 2 of the said notification shall stand deleted w.e.f. 2-6-1975 and the Income-tax Officer Ward-A, Jamshedpur shall also hold jurisdiction over the cases, over which the Addl. Income-tax Officer, Ward-A, Jamshedpur was given jurisdiction.

JAGDISH CHAND,
Commissioner of Income-tax,
Bihar-I, Patna

Patna, the 23rd May 1975

No. I.T. XIII-3/71.—The headquarters of the Income-tax officer, Survey, Monghyr shall be shifted from Monghyr to Dhanbad and the charge of the Income-tax Officer, Survey, Monghyr shall be designated as Income-tax Officer, Survey, Dhanbad with effect from 2-6-1975.

The 26th May 1975

No. I.T. XIII-7/59-60.—This office notification of even No. dated the 3rd March, 1975 under which, the I.T.Os Ward-A and Ward-D, Ranchi were given concurrent jurisdiction over the assessee of Ward-A, Ranchi stands cancelled with effect from 31-5-1975.

A. K. DAS GUPTA,
Commissioner of Income-tax,
Bihar-II, Patna

FORM ITNS—

(1) Shri Indra Lal Sah and others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Sah—

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, dated 15th April 1975

Ref. No. 60-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Suits No. 4 double storeyed situated at Shanti Niketan, Mallital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nainital on 30th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A double storeyed house No. 4, with Six room, Kitchen, Bathroom, Latrine situated at Shanti Niketan Mallital Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Indra Lal Sah and others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Sah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, dated 15th April 1975

Ref. No. 59-S/ACQ.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No suits No. 5 upper and lower situated at Shanti Niketan building Nainital (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nainital on 30th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house, Suits No. 5 with Kitchen, Bathroom, Latrine and six rooms, situated at Shanti Niketan Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Manjit Chaulla, W/o Balbir Singh
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Miss Kananbala Ray D/o Rama Chandra Ray
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE 7-A, KALPANA COLONY
BHUBANESWAR-6

Bhubaneswar-6, the 11th, April 1975

Ref. No. 18/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B.
Chand,being the Competent Authority under section 269D
of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Khata No. 726 & 1252 situated at Mouza—Bhubaneswar P. S.
No. 65(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bhubaneswar on 17th October 1974for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely :—

24—146GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring Ac. 0.686 decimals which is portion of
plot No. 4 & 5 of Khata No. 726, Plot No. 9/4062 of Khata
No. 1252 of Bhubaneswar within the S.R.O. jurisdiction of
Bhubaneswar, Dist. Puri and registered by sale document
No. 6912 dated 17th October 1974.G. B. CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 11th April 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lalita M. Govind Bhat & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendrasingh Hargopalsingh & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE—V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 30th April 1975

Ref. No. AR.V./196/9/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra,
the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acqui-
sition Range V, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Chalta No. 339, (old Khot S. No. 145, Plot No. 4) and
city survey No. 567 situated at Bhandup

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 31st October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of the section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground situate
lying and being at Bhandup (Kanjur District Bombay Subur-
ban now included in Greater Bombay and in the Registration
Sub-district and District of Bombay City and Bombay Sub-
urban containing by admeasurement 1260 sq. yds. equivalent
to 1053.52 sq. metres or thereabouts and bearing chalta No.
339 (old Khot S. No. 145, Plot No. 4) and City Survey No.
567 and bounded as follows: that is to say, on or towards
the East by Ishwardas Chawl on or towards the West by the
property of Indian Steel Corporation on or towards the North
by the property of Messrs. Nova Company and on or towards
the South by Chalta No. 234.

J. M. MEHRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 30th April 1975.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th April 1975

Ref. No. PR-212 Acq. 23-396/6-2/74-75.—Whereas, I,
P. N. Mittal,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingNo. R. S. No. 525 of Baroda Kasba—Plot No. 3 Admeasuring
5289 sq. ft. situated at near Sampatrao Colony, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the

Registering Officer

at Baroda on 17th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—(1) Shri Remubhai Kasambhai Vora
5, Deep Mangal Society,
Race Course Road, Baroda.(2) Shri Noorbhai Rehmunbhai Vora
Shri Farukbhai Noorbhai Vora
Arifbhai Noorbhai Vora

(Transferee)

(minor through his guardian Noorbhai R. Vora)—
Opp. : Bethak Mandir, Navapura, Sidhnath Road,
Baroda.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing R. S. No. 525 of Baroda Kasba—Plot
No. 3 admeasuring 5289 Sy ft situated near Sampatrao Colony,
Jetal Road, Baroda, as fully described in Sale deed registered
under No. 4512 dated 17th October 1974 by the Registering
Officer, Baroda.P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 16th April 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th April 1975

Ref. No. PR-213/Acq-23-23-399/19-7/74/75.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearing

Rev Sur No. 42 Paiki and 43 paiki situated at Udhna, Tal.
Chorasi, District Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Surat on 17th October 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consi-
deration and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) M/s. Baroda Bricks Factory through partners:—

(1) Jeevanlal Joitaram;

(2) Jayantilal Jeevanlal;

(3) Hiralal Jeevanram; Surat.

(Transferor)

(2) Jeevan-Jyot Nagar Flats Co-op. Housing Society

Through : Chairman : Maganbhai Narottambhai Patel

Secretary : Shantilal Himatlal Prajapati

Managing Committee Member : Dineshchandra

Sakarlal Gandhi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respec-
tive persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (comprising land and construction upto
foundation and column)) bearing Rev. Sur. 42 Paik and No.
43 Paiki admeasuring 1357 sq. yds. Situated at Udhna (Surat
—Udhna Road) (behind Jeevan Jyot Cinema) Tal : Chorasi,
Dist. Surat, as mentioned in the registered deed No. 3714 of
October 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 18-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2nd FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th April 1975

Ref. No. PR-214/Acq. 23-283/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni Ward No. 13, Nondh No. 244 situated at Athwa, Goddhod Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 13th October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shree Surat Jhilla Paroth Vibhag
Rajput Kelavani Fund;
Managing Trustee, Mohansinh Rupsinh Atodaria
(Advocate) Olpad, Dist. Surat.
(Transferor)
- (2) Jeevan Smruti Co-op. Housing Society Ltd.
President : Gajendra C. Parikh.
Secretary : Ramanbhai B. Desai.
Member : Nanubhai C. Desai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 244 in Ward No. 13 ad-measuring 5279 sq yds. situated at Goddhod Road, behind Amikunj, Athwa, Surat as mentioned in the registered deed No. 3804 to 3807 of October 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 18-4-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Jashodaben W/o Mohanlal Nathubhai, Surat,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th April 1975

Ref. No. PR. 215/Acq. 23-282/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni. Ward No. 4 Nondh No. 4226 and 4227 situated at Bhula Mody Chakla (Danapith) Surat

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 17th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hansaben alias Bhikhiben Wd/o Nathubhai Dayaram ;
Lilavatiben D/o. Dayaram Atmaram;
Jadiben D/o Dayaram Atmaram; Surt.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Nondh No. 4226 and 4227 in Muni. Ward No. 4 admeasuring 140 sq. yds. and 55 sq. yds., respectively situated on Danapeeth on one side and Bhula Mody Chakla on the other of Surat as mentioned in the registered deed No. 3731 and 3732 of October, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date : 18-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) The Eriabari Tea Co. (P) Ltd, 11-R. N. Mookherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 18th April 1975

Ref. No. A-94/DBR/75-76/223-38.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No. Patta No. 1 (new), 101 (old), 1 (new), 102A (old), 1 (new) 102 (old), 1 (new), 1 (old), 1 (new), 8 (old); 6 (new); 1 (old), 21 (new), 28 (old) situated at Tippuk Tea Estate in the District of Dibrugarh, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dibrugarh on 15th October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Jokai (Assam) Tea Co. Ltd., 21 Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2550 acres (more or less) with all tea bushes and seedlings factories, buildings, bungalows, godowns, erections; structures etc., plant-machinery and vehicles etc. standing thereon of Tippuk Tea Estate in the District of Dibrugarh, Assam.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date : 18-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Sandhiram Kalita, Vill. Badhan, Mouza Karara, Nalbari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 18th April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katta, 10 (ten) lechas covered by Dag No. 278, K. P. Patta No. 35 situated at Village Jafrigog, Mouza Beltola in Kamrup District of Assam State.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1, Shri Mahendra Mikir, 2. Gahin Mikir, Son of Late Puji Mikir, Vill. Jafrigog, Mouza Beltola.
(Transferor)

Date : 18-4-1975.

Seal :

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

FORM ITNS—

(1) Shri Sachindra Nath Banerjee, P. S. Behala, Calcutta-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kedarmal Binani and Others, Ward No. 5,
Golaghat Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONGObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Shillong, the 18th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.Ref. No. A-87/GLC/74-75/261-75.—Whereas, I, EGBERT
SINGH,being the competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. P. P. No. 177 situated at Monkhowa Mouza
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Golaghat on 8th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).Land measuring 2 (two) bigha, 3 (three) katta and 3 (three)
lechas covered by P. P. No. 177 situated at Monkhowa
Mouza, Golaghat Town in Sibsagar District of Assam State.EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

25—146GI.75

Date : 18-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad -380009, the 24th April 1975

Ref. No. Acq. 23-I-393(168)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 3421-5 situated at Shahpur Ward-II Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19th October 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ami Corporation through its partners—
 - (1) Shri Narendrakumar Maganlal Patel,
 - (2) Shri Pravinchandra Chandulal Patel,

- (3) Shri Arvindkumar Bansilal Patel,
- (4) Shri Chhakkaddas Chandulal Patel,
- (5) Shri Parmananddas Maganlal Patel,
- (6) Shri Jaswantkumar Chandulal Patel,

(Transferor)

- (2) Shyam Investment Corporation (P) Ltd., Industry House, Near Super Market, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with construction admeasuring 502 sq. yds. bearing C. S. No. 3421-5 and situated at Shahpur Ward-II, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 24-4-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sudhir Surejkishan Chowdhary,
Smt. Harshida K. Singh,
Bhalka Road, Veraval.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Shri Ummar Haji Ahmed,
(ii) Shri Ismail Haji Ahmed,
Zeveri Bazar, Veraval.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 3rd April 1975

Ref. No. Acq. 23-I-375(161)/11-6/74-75.—Whereas, I, J.
KATHURIA,

being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. E. P. No. 79, situated at Veraval Patan
Highway, Bhidia, Veraval,

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred registered under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at

Veraval on 9th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
which-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with old construction known as 'Chowdhary Bungal-
low, admeasuring 7506-32 sq. mts, bearing E. P. No. 79,
situated at Bhidia, Veraval Patan Road and bounded as under :
East : Property of Gani Haji Ahmed.
West : A Bye Lane
North : Veraval Patan Highway.
South : other part of the same property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 3-4-1975
Seal :

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 2nd April 1975

Ref No. A-92/73-74 136-49.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P. Patta No. 390 (old) and No. 257 (new) of Dag No. 1101,

situated at Gauhati, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 29th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Banarasi Devi Mour, W/o of Late Ramdeo Mour, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ajitsing Bothra, son of late Chunnilal Bothra,
2. Shri Manising Bothra, son of late Chunnilal Bothra,

3. Shri Sushil Kumar Bothra, son of Shri Ajitsing Bothra,
Shri Anil Kumar Bothra, son of Shri Ajitsing Bothra,
5. Shri Binoy Kumar Bothra, son of Shri Ajitsing Bothra
All at present residing at T. R. Phukan Road, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19½ (Nineteen and half) lechas covered by Dag No. 1101, P. Patta No. 390 (old), 257 (new) situated at T. R. Phukan Road, Gauhati, in Kamrup District of Assam State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 2-4-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Jagat Bahadur Khatri, Poonā Bazar, Imphal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th March 1975

Ref. No. A-91/Imphal/74-75, 119-29.—Whereas, I,
EGBERT SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing,No. Patta No. 350 (old) New Patta No. 239 situated at
Imphal Municipality
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Imphal on 4th October 1974for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Nameirakpani Kulla Singh, S/o Late Tol Singh, (2)
Heikrujam Nimaichand Singh, Both of Keisampat
Leimajam Leikai, Imphal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1500 sq. ft. (Approx) under Imphal Muni-
cipality, Patta No. 350 (old) corresponding to new patta No.
239 covered by Imphal Municipality plot Nos. 414/179 and
415/179 having a pucca ground floor and kaccha first floor
structure standing thereon.

EGBERT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range, Shillong

Date : 24-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, dated 17th May 1975

Ref. No. 2312/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Konnavakkarai village Kotagiri Town S. No. 475—8.73 Acres 2. 273 1B-23 acres and S. 273/3B 33.43 acres with building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SRO Kotagiri on 14-10-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) S/s. 1. R. K. Chikkanna Chettiar, 2. K. C. Shanmugam, 3. K. C. Parameswaran, 4. K. C. Venkatesan, 5. K. C. Nandakumar, 6. K. C. Kandappan, 7. K. C. Gunasekar, 8. K. C. Kannan all residing at Kotagiri.

(Transferor)

- (2) Fr. James Pallivathukkal, Representing the Vice Province of the Malabar Province of the congregation of Mary Immaculate, Mari Kunnu, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land and building situated in S. No. 475 measuring 8.33 acres and S. No. 273 1B measuring 23 acres and S. No. 273/3B measuring 33.4 acres (Total 64.76 acres) at Konnavakkardi village.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-2 (i/c) Madras-6.

Date : 17th May 1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. The Kasthuri Mills Ltd.,
Ondipudur, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 9th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 2314/74-75.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ———situated at Krishnarayapuram village Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub Registrar I, Coimbatore (Doc. 3835/74) on 1st October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. V. Sundararajan;
C. V. Ramaraj;
C. V. Selvaraj;
Smt. Punyalakshmi Ammal.
"Selva Nilayam", Red Fields, Coimbatore.
(Transferor)

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring about 67 cents (with building) situated at Krishnarayapuram village, Coimbatore (Near Circuit House). (Doc. No. 3835/74).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 9th June 1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 31st May 1975

Ref. No. C.A. 5/October '74/Karveer/201/75-76.—Whereas,
I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. C. S. No. 198 situated at Kolhapur
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Re-
gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Karveer (Kolhapur) on 2nd October 1974
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this Notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the
following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Narayan Mahadev Rabade,
2. Shri Pandurang Narayan Rabade,
3. Shri Balasaheb Narayan Rabade,
4. Shri Bhausahab Narayan Rabade,
5. Shri Appasaheb Narayan Rabade,
6. Shri Sanjay Narayan Rabade,
198 E Ward, Kolhapur.
On behalf of them Court Commissioner Shri Ganpat-
rao Tukaram Dalvi, 2781 D-Ward, Kolhapur.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Suryakant Balwantrao Mirje,
2. Shri Manohar Balwantrao Mirje,
3. Shri Vasant Balwantrao Mirje,
4. Shri Ramesh Balwantrao Mirje,
5. Shri Ashok Balwantrao Mirje,
6. Shri Deepak Balwantrao Mirje,
1243/56 E Ward, Kolhapur.
7. Shri Narendra Shantinath Patane, 579 E Ward,
Kolhapur.
8. Shri Suresh Shatinath Patane, 579 E Ward,
Kolhapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at C. S. No. 198, Ward E, Kavala Naka, Kolha-
pur. Area: 76, 620 sq. ft.
and bounded by:

Towards East—Property No. 1A
Towards West—Property No. 4A
Towards South—Poona Bangalore Road
Towards North—Property No. 2-B, 3B and 4B

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date: 31-5-1975

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, dated 16th June 1975

Ref. No. F. 1409/74-75.—Where as, I. G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 8/A, situated at Block No. 16, No. 120 Zamin Adyar (8.88 grounds) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Madrass) Doc. No. 990/74 on 17th October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—146GI/75

- (1) Shri S. Nageswara Rao,
No. 16, Luz Avenue, Mylapore, Madras-4.
(Transferor)
- (2) Smt. A. Jayalakshamma,
Plot No. 9 & 10, Kasthurirenga Iyengar Road,
Madrass-86.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8.88 grounds bearing T. S. No. 8/A, Block No. 16, No. 120 Zamin Adyar.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Karsandas Popat

(Transferor)

(2) Shri Sanjeev Badhwar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th June 1975

Ref. No. TR-238/C-251/CAL-1/74-7 5.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 43 (4th Floor) situated at 42B, Shakespeare Sarani Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 19th October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43 (4th floor) in Shalimar apartment with one Servant's room and one car parking space on ground floor at 42B Shakespeare Sarani, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 12-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chandra Agarwal—

(Transferor)

(2) Shri Damodar Prasad Pandey & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, dated 31st May 1975

Ref. No. 13-D/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 134-B situated at Mohalla Idgah Lakhimpur-Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lakhimpur-kheri on 8th October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 134-B measuring 28040 sqr. fts. situated at Mohalla Idgah Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 31-5-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri P. L. Mareddy,
Deputy Conservator of Forests,
Nirmal, Andhra Pradesh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, Madras-6

Madras-6, dated 12th June 1975

Ref. No. F. 1390/74-75.—Whereas, I G. V. JHABAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5A and 6, situated at Madhavan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at T. Nagar (Madras) (Doc. No. 1440/74) on October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. Chinnappareddy,
S/o late Innareddy,
No. 6, Sir Madhavan Nair Road,
Madras-34

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing Nos. 5A & 6 Sir Madhavan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-34.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwandas Toolsidass

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar Gopaldass

(Transferee)

(3) Shri Gopaldass Toolsidass Laxmidas Toolsidas and Bhagwandas Toolsidas.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, dated 11th June 1975

Ref. No. TR-244/C-234/CAL-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/1, situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, on 17th October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of premises No. 6/1, Wood Street, Calcutta-16 and P. S. Park Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 11-6-1975.
Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwandas Toolsidass

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virendra Kumar Gopaldass

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) Gopaldass Toolsidas, Laxmidas Toolsidas & Bhag-
wandas Toolsidas.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Calcutta, dated 11th June 1975

Ref. No. TR-243/C-233Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/1, situated at Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North, on 17th October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided 1/12th share of premises No. 6/1 Wood Street, Calcutta-16 and P. S. Park Street.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwandass Toolsidass

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalit Kumar Gopaldass

(Transferee)

(3) Shri Gopaldass Toolsidass, Laxmidass Toolsidass and Bhagwandass Toolsidass.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, dated 11th June 1975

Ref. No. TR-245/C-235/CAL-1/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/1, situated at Wood Street, Calcutta-16 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, on 17th October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/12th share of premises No. 6/1, Wood Street, Calcutta-16 and P.S. Park Street.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 11-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s Birla Brothers, 1/2 Murari Mohalla, Indore.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I V. K. Sinha being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52 Near Sanyogitaganj, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 17-10-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s Laxmandas Balkishan through Balkishaji S/o Shri Laxmandasji R/o Indore,
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52, Near Sanyogitaganj, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 6-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Chawla W/o Shri Mahendrasinghi Chawla R/o 30 Bairathi Colony, Indore-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas I V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Single storeyed house constructed on plot No. 126, Palsikar Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar S/o Krishna, Upadhyaya, R/o 127 Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house constructed on plot No. 126, Palsikar Colony, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,
Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 6-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Professor Dewandas Khanchand Mansharamani,
Government College, Durg.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kailash Chand Sethi, 234 M.G. Road, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property at 6-B/3 New Palasia, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-10-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Brick-masonry quarters at 6-B/3 New Palasia, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamlabai W/o Manoharchand Chopda R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Hamamsingh S/o Sardar Meharsingh, Sahani, R/o Modha-Para, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

Bhopal, the 7th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a plot of 10000 sq. ft. at Civil Lines, Raipur situated at Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

A plot of 10000 sq. ft. at Civil Lines, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 7-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nalinibai Wd/o late Shri Dattaram Hindlekar
R/o Harihar Niwas 363-B Dr. Ambedkar Marg,
Dadar, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 2 storeyed house bearing Municipal No. 2, Street No. 2, Manorama ganj, Indore situated at Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 17-10-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ashokkumar, 2. Aravindkumar S/o Shri Ramlalji Chabda R/o 36 North Harsiddi St. No. 2, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Storeyed house bearing Municipal No. 2, Street No. 2, Manorama Ganj, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 6-6-1975.

Seal : .

FORM ITNS

(1) Shri Jayaramdasji S/o Shri Prabhudasji C/o M/s Pure Form Products, 41/44 Industrial Estate, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailashchandra S/o Shri Madanlalji Danuka, R/o Village Birlagram, Nagda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I V. K. Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 4 Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, Dr. Roshansing Bhandari Marg, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 6-6-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri Narainrao S/o Shri Gopalraoji Godke, R/o 16
Shaker Bazar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 6 Cheepa Bakhal, St. No. 3, Indore situated at Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Rajabai W/o Shri Motilalji Korwal, Cheepa Bakal, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6, Cheepa Bakhal, Street No. 3, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 6-6-1975.

Seal :

FROM ITNS-----

(1) Shri Rattanlal S/o Shri Ramgopal R/o Village Dakoni, Teh. Ashoknagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guttolal S/o Shri Tarachand, 2. Shri Suganchand, 3. Shri Ashok Kumar, 4. Shri Mahendrakumar 5. Shri Chandreshkumar, 6. Rajjen Kumar all are sons of Shri Guttolal Jain R/o Ashoknagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated in Ward No. 5, Ashok Nagar, situated at Ashoknagar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ashoknagar on 22-10-1974.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Ward No. 5, Ashok Nagar.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 6-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 7th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a plot of 10000 sq. ft. at Civil Lines, Raipur situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-10-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kamlabai W/o Manoharchand Chopda R/o Sadar Bazar, Raipur,
(Transferor).

(2) Shri Sardar Jaspalsingh S/o Sardarsingh Sahani, R/o Modhapara, Raipur,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of 10000 sq. ft. at Civil Lines, Raipur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 6th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land 1-50 acres with house, well, elect, etc at Village Piplyarao, Agra-Bombay Road, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-10-74

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28—146GI/75

(1) Shri Kamlaprasad Misra,
R/o Piplyarao, Bombay Agra Road,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hadbhajanlal S/o Shri Jagdishlal,
2. Shri Rameshkumar Jagdishlal,
R/o 17 Maharani Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1.50 Acres with house, well elect, etc.
at Village Piplyarao, Agra-Bombay Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal,

Date : 6-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
BRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-60161.

Poona-411004, the 7th June 1975

Ref. No. C.A.5/October '74/Haveli-II (Poona)/203/75-76.

Whereas, I H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing Land, 1/2 share of 269 kanals 5 marlas, situated at
No. S. No. 17-A situated at Manawadi (Poona)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Haveli-II (Poona) 16-10-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Narayan Mahandeo Date, C/4, Bal Govind
Society Tuikalwadi Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Sisters of our Lady Fatima, Mother Mary Hilda,
St. Patrick's Convent, Prince of Wales Drive, Poona.

(Transferee)

(4) M/s S. B. Throat & Associates, Poona.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold 1/2 undivided share in sub plot No. 48 out of
Survey No. 17A, Mouje Wanawadi, Poona Cantonment, Tal.
Haveli, Distt. Poona. Area : 136700 sft.

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 7-6-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri B. Laxman, S/o Shri B. Mahadevappa,
Partner, M/s Subhas Medical Stores,
Netaji Road, Main Bazar, Raichur.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

Dharwar-4, the 5th June 1975

No. 78/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 8 (Old) and 1-9-77/78 (New) situated at Station Road, Raichur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raichur under document No. 1329 on 14-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kallur Mahadevappa S/o Kallur Siddanna,
Advocate Station Road, Raichur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of size 50'×90' out of the open site of the premises of the vendor Bearing Municipal No. 8 (old) and 1-9-77/78 (new) situated at station Road, Raichur and Bounded :

On the East : By the remaining open site of the vendor.

On the West : Station Road :

On the South : By compound wall of the vendor bordering the house of M/s The Raichur Construction Co., Raichur.

On the North : By the remaining open site of the vendor.

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Dharwar

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kallur Mahadevappa S/o Kallur Siddanna,
Advocate, Station Road, Raichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Mutyalara, S/o Shri Suranna, Proprietor,
Balaji Agro Industries, Raichur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 5th June 1975

Notice No. 79/75-76/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 8 (Old) and 1-9-77/78 (New) situated at Station Rod, Raichur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raichur under document No. 1330 on 14-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of size 100'X90' out of the open site of the premises of the vendor Bearing Municipal No. 8 (old) and 1-9-77/78 (new) situated at Station Road, Raichur and bounded .

On the East : By the remaining open site of the vendor,

On the West : Station Road,

On the South : By the remaining open site and residential house of the vendor.

On the North : Compound wall of the house of Shri M. L. Nair.

R. PARTHASARATHY,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Dharwar

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Vijaysinh Gopaldass.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Gopaldass Toolsidass, Laxmandass Toolsidass & Bhagwandass Toolsidass (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 11th June 1975

Ref. No. TR-242/C-332/Cal-1/74-75.—Whereas, I,
S. K. Chakravarty
being the competent authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 6/1 situated at Wood Street, Calcutta
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
5, Govt. Place North on 17-10-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Bhagwandass Toolsidass.

(Transferor)

THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of premises No. 6/1, Wood Street,
Calcutta-16 & P.S. Park Street.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-6-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri Lalchand Hirachand,
Construction House, Fort, Bombay-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prabhakar Nagar Sahakari Griha Nirman Sanstha
Ltd. Budhwar peth, Sholapur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Poona-411 004, the 5th June 1975

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.A.5/Oct.74/Sholapur/202/75-76.—Whereas I,
H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Final Plot No. 45 situated at Sholapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at
Sholapur on 9-10-1974
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Freehold open final plot No. 45, T.P. No. 2, Karamba
Road, Sholapur.

Area : 1 Acre 7 gunthas.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons namely :—

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri P. G. Cherian & another

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd June 1975

Ref. No. AR.V/178/7/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (4 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old S. No. 29(pt) New S. No. 10, H. No. 1 (pt.) C.T.S. No. 6 (pt) situated at Tirandaz Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 8-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandrabhan Bhuramal Sharma

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Agricultural land situate in village of Trandaz in Powai Estate in the Bombay Suburban Registration Dist. in Gr. Bombay and containing by admeasurement 3029 sy. yds. equivalent to 2532.54 sy. metres or thereabouts and Old Survey No. 29, Part New Survey No. 10, Hissa No. 1 part C.T.S. No. 6 part and surrounded on East by 20' wide Road, on West by a Water pipe line on North by land belonging to Shri C. B. Sharma, on South by land belonging to Shri C. B. Sharma on South by land belonging to Shri C. B. Sharma and occupied by M/s. Shalimar Tar Products.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-V,
Bombay

Date : 2-6-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1, 2 and 3 part of Khasra No. 77, 78 situated at Ahmedabad, Bhopal,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Aziz Fatma Wd/o late Syed Nurullah Saheb,

(2) Syed Naeemullah S/o late Syed Nurullah Saheb,

(3) Smt. Annes Syed Nazim W/o S. Mohd. Nazim D/o late Syed Nurullah Saheb.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Haneef S/o late Hajikale Khan R/o Ibrahim-pura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, 2 and 3 part of Khasra No. 77, 78 situated at Ahmedabad, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chhotelal S/o Shri Brijlal R/o Railway Station
Mohalla, Bhopal M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Shriram,
2. Shri Rajaram,
3. Shri Mishrilal,
4. Shri Madanlal all sons of Shri Chunnilal Katore
R/o Audia Kalan Teh. and Distt. Vidisha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 17 (Part portion, rear portion), Railway Station, Mohalla Bajaria near Sarai, Sikendri North situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 10-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—146GI/75

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17 (Part portion, rear portion) Railway Station, Mohalla, Bajaria near Sarai, Sikendri North, Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Major Ganga Sewak Tripathi S/o Shri Gokul Prasad Tripathi R/o Mal Road, Marar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Ram Dayal Jain S/o Shri Rarpal Jain R/o Village Pasen, Pargana and Distt. Gwalior at present residing at Saudagar Santar, Morar, Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jhansi Loop road Arya Nagar, Morar, Municipal Ward No. 106 Halka No. 8 (within Greater Gwalior Municipal Corpn. limits), situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

House situated at Jhansi Loop road, Arya Nagar, Morar, Municipal Ward No. 106, Halka No. 8 (within Greater Gwalior Municipal Corpn. limits).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) The partners of M/s Shree Mahalaxmi Industries, Chhindwara,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Durga Khandasari Factory No. 4 Dalhousie
sqr. (East) Calcutta at present Seonj Road, Chhindwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

parcel of land bearing plot No. 12 including factory building offices, godowns, labour quarters etc. situated on the said plot in Industrial Estate, Chhindwara situated at Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara on 30-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Parcel of land bearing plot No. 12 including factory building offices godowns, labour quarters etc. situated on the said plot in Industrial Estate, Chhindwara.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Kazi Rashul Khan,
2. Kumari Arfana Begum D/o Kazi Khurshid Ali Khan, R/o Mohalla Bartipur, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Motilal S/o Shri Tuljmal Parwani, R/o 300 Bhartipur Ward, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. House Municipal No. 241, 241/1 to 241/4 situated at Bartipur Ward, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 21-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 241, 241/1 to 241/4 situated at Bartipur Ward, Jabalpur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house and plot situated at Dayalband road, Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 24-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri Sardarchand S/o Shri Arud Chandra,
2. Shri Jagdish Makija S/o Shri Sardarchand both
Makija, R/o Dayalband, Bilaspur. (Transferor)

- (2) Shri Mahendralal S/o Shri Budhasingh Saluja R/o
Tikarapara, Bilaspur, Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

One pucca house double-storeyed with building material thereof and plot on which it is built situated at Dayalbagh, Bilaspur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Gangaprasad alias Mahajan Prasad and Chandrikaprasad both sons of Lakhansao Rathore, R/o Village Sarhar, Teh. Sakti, Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Bimal Singh S/o Thakur Ramchandrasingh S/o Thakur Ramchandrasingh Khastri, R/o Village Mahaut, Teh. Janjgir Distt. Bilaspur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 4th June 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and 3 storeyed house at ward No. 9, at Sakti, Distt. Bilaspur situated at Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bilaspur on 30-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot and 3 storeyed house at Ward No. 9, at Sakti, Distt. Bilaspur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manilal S/o Shri Brijlal Patel R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kantilal Manilal & Co. through partners Shri Natwarlal Patel, 2. Shri Mukesh Patel & others, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal House No. 159 Gurunanak ward, Katni and openland situated at Katni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 28-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 159, Gurunanak Ward Katni and open land at Katni.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No. plot and three storeyed house at Ward No. 9, Sakti, Bilaspur situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 30-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gangaprasad alias Mahajan Prasad, and Chndrikaprasad both sons of Lakhansao Rathore, R/o Village Sarhar, Teh. Sakti, Bilaspur.
(Transferor)

(2) Shri Santhoshsinh S/o Ranchhodinh, R/o Village Thhathari,, Teh. Sakti, Distt. Bilaspur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and three storeyed house at Ward No. 9, Sakti, Bilaspur.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 4th June 1975

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and three storeyed house at Sakti, Distt. Bilaspur situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratn Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 30-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

30—146GI/75

(1) Shri Gangaprasad Alias Mahajan prasad and Chandrikaprasad both sons of Lakhansao Rathore, R/o Village Sarhar, Teh. Sakti, Bilaspur. (Transferor)

(2) Shri Ashwanikumar Singh S/o Thakur Ramchandra Singh Kahtri R/o Village Mahant, Teh. Jangir, Distt. Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and three storeyed house at Sakti, Distt, Bilaspur.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975,
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Ganguprasad alias Mahajan Prasad,
2. Shri Chandrikaprasad both sons of Lakhansao
Rathore, R/o Village Sarhar, Teh. Sakti, Bilaspur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Manmohan Singh S/o Shri Khem Singh R/o
Village Darang, Teh. Janjgir, Dist. Bilaspur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and three storied house at Sakti, Dist. Bilaspur situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 30-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and three storeyed house at Sakti, Dist. Bilaspur.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Hiralal S/o Shri Kishanlal,

(2) Smt. Madhubai alias Madhu alias Manjubai
W/o Shri Hiralal Purohit, R/o 5 Marathi
Mohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Suganchand S/o Shri Chandmalji Badjathia R/o
13/45 Pergali, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House at 5 Marathi Mohalla, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Municipal House No. 5, 4 storeyed situated in Marathi Mohalla, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of house in Raj payaga marg, Naya Bazar, House No. 818/40 Lashkar, Gwalior situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 5-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankar Dutt S/o Shri Satu Babu alias Satendra Nath Dutt & Amitabh Dutt (Minor) S/o Shri Shankar Dutt R/o Raj Payaga Road, Lashkar.
(Transferor)

(2) (1) Shri Mahesh Chand S/o Shri Rumji Lal,
(2) Shri Mohanlal S/o Shri Ramswaroop R/o Rajpayaga Road, Lashkar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house in Raj payaga Marg, Naya Bazar, House No. 818/40, Lashkar, Gwalior.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Arun Ganesh Shendurnikar S/o Shri Madhe Shendurnikar R/o 465 Mukund Niwas, 14th Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Kumar Rajesh.

(2) Kumar Nittin through Guardian Dr. Ratanchand Singhvi R/o Pandurna Distt. Chhindwara, M.P.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 4th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 house single storeyed on plot No. 131, Sector E 2, Area Colony, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house single storeyed on lease hold plot No. 131, Sector E 2 Arera Colony, Bhopal.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-6-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bul Chand Ramanand & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Cyrus Ratan Kharas

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 2nd June 1975

Ref. No. 14-C/Acquisition.—Whereas I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 673/3 and 661/6 situated at Makhdoompur Kaithi Bijnore Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 19-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 673/3 and 661/6 measuring 20 Bighas alongwith a Residential house, Godown, and a tubewell situated at Village Makhdoompur Kaithi, Bijnore Distt. Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range-I, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Biswa Ranjan Bysack

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kazi Hasmuddion, Kazi Nurul Islam, Hazi Sk. Rezak Bhati Saik Basir Bhati, Hazi Gani Bhati, Hassan Basir Badgujar Mohammad Badgujar, Hazi Rukanuddin Kichi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Calcutta, the 31st May 1975

Ref. No. AC-217/R-IC/Cal/75-76.—Whereas, I S. Bhattacharyya,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 92, situated at Jamunalal Bazaz St. Calcutta (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Cottah 9 Chittaks 19 Sq. ft at 92 Jamunalal Bazaz St. Calcutta and structure thereon.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dibyendu Sen Roy, 12 B, Regent Estate, Calcutta-32.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Parimal Kanti Bhattacharyya 50 C, Purbapalli, Haltu,
24-Parganas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 2nd June 1975

Ref. No. 265/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I S. Bhattacharyya

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 128 situated at Regent Estate Calcutta-32

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Alipore, 24-Parganas on 8-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 6 cottahs 6 chittacks 11 sq. ft. more or less together with an one-storied building erected thereon at premises No. 128 Regent Estate, P. S. Jadavpur 24-Parganas also known as 176/14/128, Raipur Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range III, Calcutta-16

Date : 2-6-1975,

Seal ;

FORM ITNS ———

(1) Shri Narendraprasad Mittal S/o Shridhar Mittal,
Advocate, Sodagar, Sankar, Morar, Gwalior,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ram Devi W/o Babulal Agarwal
R/o Village Panchon Tehsil Bijayapur,
Distt. Morena
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I,
V. K. Sinha, being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
a plot and double storeyed house at Sodagar Sankar, Morar
situated at Morar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908 in the office of the Registering Officer at
Gwalior on 26-10-74 for an
apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957).

THE SCHEDULE

A plot and double storeyed house at Sodagar Sankar,
Morar.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

31—146GI/75

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Sitaram S/o Goverdhandasji Rathi
R/o Chatri Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/2 portion of house and plot at Chhatari Bazar, Lashkar situated at Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 5-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Radhabai W/o Bishambhardayal Rathi,
R/o Chhatari Bazar, Lashkar, Gwalior,

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of house and plot at Chhatari Bazar, Lashkar.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Manoharlal S/o Khemchand
2. Shri Mangaldas S/o Taramal both
R/o Fafadih, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

- (2) M/s. Arunkumar Hiralal Patel & Co.,
Fafadih, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a plot No. 13 area 2295 sq. ft. and double storeyed house constructed on it situated at Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 1-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 13 area 2295 sq. ft. and double storeyed house constructed on it situated at Fafadih, Raipur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Lal S/o Ramkishanji Nathani
R/o Sadarbazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Haribhai S/o Ghoribhai 2. Shri Shailesh
S/o Haribhai, 3. Smt. Dahibahen W/o Haribhai
C/o M/s. P. D. Co., Baijanathpara, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a plot and house at Chhotapara, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 1-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot and house at Chhotapara, Raipur House No. 8/177,
Nazul Plot No. 101 Area 4177 sq. ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Roopnarain S/o Chhadamilal
R/o Karera, Distt. Shivpuri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurukukhdas, 2. Shri Balraj Ss/o
Bhagwandas R/o Tanson Road, Lashkar Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned--

Bhopal, the 5th June 1975

Oef. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I,
V. K. Sinha, being the competent authority under section
269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
plot and house at Tanson Road, Goshpura colony,
Lashkar situated at Lashkar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Gwalior on 26-10-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot and house at Tanson Road, Goshpura Colony,
Lashkar, Gwalior.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

- (2) Shri Sitaram S/o Shri Goverdhandas Rathi,
R/o Chhatra Bazar, Lashkar Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Radheyshyam S/o Shri Vishambhardayal
Rathi, R/o Chatra Bazar, Lashkhar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I,
V. K. Sinha, being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
1/2 portion of house and plot at Sarafa Bazar,
Lashkar, Gwalior situated at Gwalior
(and more fully des-
cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Gwalior on 10-10-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of house and plot at Sarafa Bazar, Lashkar.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mohd. Ayub S/o Niyaj Mohd. Ali Sailani,
Ratlam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Anokilalji Through
Shri Anokilalji S/o Shri Kaluramji, Ratlam,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I,
V. K. Sinha, being the competent authority under section
269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot and house single storey at Dat-ki-pool, Ratlam
situated at Ratlam
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering officer at
Ratlam on 29-10-74
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-
bility of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from
the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act
to the following persons, namely :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house single storey situated at Dat-ki-pool,
Ratlam.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 5-6-1975

Seal :

*Strike off where not applicable

FORM ITNS—

(1) Shri Chandrasenrao Matkhar, 3 Residency Area, Bombay Agra Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Manoharlal Hiralal Sethy,
59 Radio Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open plot at 3 Residency Area, Bombay Agra Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Open plot at 3 Residency Area, Bombay Agra Road, Indore—Area 6000 sq ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surendrakumar S/o Shri Tukiram Arun
R/o 94/16 Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ganshyamsingh S/o Daryaosinh Raghuvanshi,
R/o Sirawada, Teh. Bareilly, Dist. Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing an open plot on Hamidiya Road, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 9-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Open plot on Hamidiya Road, Bhopal Near Bank o
Baroda—Area 1500 sq ft.

V. K. SINHA
Competent Author
Inspecting Assistant Commission
of Income-tax, Acquisition Ra
Bho

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ramsewak S/o Jagannathprasad
2. Shri Kailashchandra S/o Ramsewak Sahu,
R/o Lordganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

- (2) Dr. Nirmalkumar S/o Joharilal Jain and
Smt. Chandravati W/o Dr. Nirmalkumar Jain
both R/o Gadha Phatak, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I,
V. K. Sinha, being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
plot and house No. 260, 261/1 at Lordganj, Jabalpur
situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on 20-10-74
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house No. 260, 261/1 at Lordganj, Jabalpur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
resaid property by the issue of this notice under sub-section
of section 269D of the said Act to the following persons,
to-wit :—

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal.

Date : 5-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harinarain Chhadamilal
R/o Jhansi, U.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Tulsidas Goraladas, Khara Kuwa, Tansen Rd.,
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th June 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house at Goshpura colony, Tansen Road, Lashkar situated at Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gwalior on 26-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot and house at Goshpura colony, Tansen Road, Lashkar.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shanker Lal and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikram Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Lucknow, the 31st May 1975

Ref. No. 14-V/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar
Nath,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.Rs. 25,000/- and bearing
No. 167, situated at Mohalla Itarohi Distt. Bulandshahr
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in
the office of the Registering Officer at
Bulandshahr on 28-10-1974EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that chapter.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/orA house No. 167 measuring 8220 Sqr. fts. situated at
Mohalla Itarohi, Distt. Bulandshahr.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 31-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Bhup Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 29th May 1975

Ref. No. 40-B/Acq.—Whereas, I, Bishambar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — — — situated at Village Gangapur Chamran (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 25-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Bigha 12 Biswa situated at Village Gangapur Chamran Teh Kichhu, Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Prayag Narain Singh & others.

(Transferor)

Date: 29-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prayag Narain Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramla Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1975

Ref. No. 47-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — — situated at Village Gangapur Chamran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 25-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land measuring 80 Bigha situated at Village Gangapur Chamaran Teh. Kichha, Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 29-5-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prakash Chand Munish,

(Transferor)

(2) Shri Ram Swaroop Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 30th May 1975

Ref. No. 46-R/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — — — situated at Civil Line Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bijnore on 23-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two plot measuring 710.69 Sqr. yds. and 712.95 sq. yds. situated at Civil line Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-5-1975

Seal :

FORM ITNS_____

(1) Shri Prayag Narain Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Kumar Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 44-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — — — situated at Village Gangapur Chamran (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 25-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land measuring 80 Bigha Situated at Village Gangapur Chamran Teh. Kichha Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 29-5-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1975

Ref. No. 45-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — — — situated at Village Gangapur Chamran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Haldwani on 25-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prayag Narain Singh & others. (Transferor)

- (2) Km. Anita, (Transferee)

33—146 GI/75

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 Bigha Situated at Village Gangapur Chamran Teh. Kishha Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date . 29-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Subramanian,
S/o K. T. Nanjunda Gounder,
15, Near Co-operative Colony,
Mettupalayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th May 1975

Ref. No. F. No. 2306/74-75.—Whereas I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Nalluthurai Village, Part of the Acrecanut thope. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam on 28-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri C. S. Swaminathan,
S/o Sadasiva Mudaliar,
Race course Road,
Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acrecanut thope situated at Avanashi Taluk Nelluthurai Village—1/8th share of the total extent as detailed survey Nos. below :—

Survey No.	A.	Cent
374/1	4	34
375	4	50
378	6	36
383	3	17
361/2	2	95
362/2	2	45
363/2	1	80
Total	25	97

1/8th Share of total extent is 3A 24 5/8 Cent.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-5-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

MADRAS-6, the 17th May 1975

Ref. No. F. 2306/74-75.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Nelluthurai Village, Part of the Acrecanut Thope. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nettupalayam on 28-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. S. Swaminathan,
S/o Sadasiva Mudaliar,
Race Course Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri N. Thangavelu,
S/o K. T. Nanjunda Gounder,
15, Near Co-operative Colony,
Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acrecanut Thope situated at Avanashi Taluk, Nelluthurai Village—1/8th share of the total extent as detailed survey Nos. below :—

Survey No.	A.	Cent.
374/1	4	34
375	4	50
378	6	36
383	3	17
361/2	2	95
362/2	2	45
363/2	1	80
Total	25	97

1/8th share of total extent is 3A 245/8 Cent.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Abhijit Das Gupta, 28B, Panditiya Rd., Calcutta-29.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16 (3RD FLOOR)

Calcutta-16, the 23rd June 1975

Ref. No. Ac-8/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 708/1, situated at Block 'P', New Alipore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipur Sadar on 19-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Namita Mitra, 11/1B, Ekdalia Place, Flat No. 603, P.S. Ballygunj, Calcutta-19,
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 4.27 cottahs being premises No. 708/1, Block 'P', New Alipore.

R. V. Lalmawia,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 23-6-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sheila Jehangir Byramji Malabari. At :—
Sealand New Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Sitaram Revalechand Gupta. (2) Shri
Bhupendra Sitaram Gupta. At :—908 Budhwar Peth,
Poona-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA KARVE
ROAD, POONA-411 004

Poona-411004, the 21st June 1975

Ref. No. CA/5/October/74/Bombay(Poona.)/210 of 75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 Aundh Road, Bopodi situated at Bopodi (Poona), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Land, Property known as "Dhun Villa" situated at 10, Aundh Road, Kirkee village, Bopodi (Poona) bearing Survey Nos. 65A/1, 65D, and 64-C/2, C.T.S. Nos. 2020, 2021, 2022.

Area :—8523.68 square meters.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1016 house and Garage, 2000 square feet.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1016 of October 1974 of the Registering Authority, Bombay.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 21-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahadev Kondiba Wankar. At :—Majarewadi, Tal. North Sholapur, Dist. Sholapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sholapur Zilla Parishad Karmachari Sahakari Griha Nirman Sanstha, Maryadi, At :—Vijayanagar, Majrewadi, Tal. North Sholapur, Dist. Sholapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA KARVE
ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 20th June 1975

Ref. No. CA/5/October/74/Sholapur/207.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 315/1A/2A situated at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 16-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Non Agricultural Land, 18 Plots, Out of Survey No. 315/1A/2A, at Sholapur.

Area :—10,508 square feet.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2944 of October 1974 of the Registering Authority, Sholapur.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 20-6-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Sugalabai Bhimashankar Bhogade. At. —446,
North Kasba Peth, Sholapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA KARVE
ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 20th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.Ref. No. CA/5/October/74/Sholapur/208 of 75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Gat No. 17/1 situated at Bale (Sholapur)
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Sholapur on 17-10-1974for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—(1) Shri Hanmant Mahadev Ranade, 112-A, Tara Niwas,
Modikhana, Sholapur.

(Transferor)

THE SCHEDULE

Free-hold Agricultural Land. At Gat No. 17/1, village Bale,
Tal. North Sholapur, Dist. Sholapur.

Area :—7 Acres, 18 Cunthas.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2956
of October 1974 of the Registering Authority Sholapur.)H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 20-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1975

Ref. No. Acq/141/Agra/74-75/534.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/482 situated at Akka Wali Gali, Noori Gate, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 11-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vena Khanna, W/O Sri Ved Prakash Khanna, R/O 304, Jawahar Market, Tumaipur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Pooran Chand S/O Sri Madan Lal, R/O Noori Gate, Agra.

(Transferee)

- *(3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 15/482, situated at Akka Wali Gali, Noori Gate, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 60,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-6-75

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Nirmal Kaur W/o Gurbakh Singh,
95 Mdoel Town, Pathankot,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P. No. 919.—Whereas I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

As per schedule

situated at Model Town Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surinder Kaur,
Alias Surhinder Kaur,
D/o Beer Singh W/o Garib Singh
R/o Jullundur,

(Transferor)

(3) As above in Sr. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the plot.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Deed No. 6804 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP 921.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Garden Colony, Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ehog Mall s/o Biroo Mal,
Village Chandan Nagar (Kartarpur),
Teh. Jullundur,
(Transferor)

- (2) Shri Jaimal Dass s/o Ishar Dass,
Village Khurla, Teh. & Distt. Jullundur,
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the plot,
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 6951 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP 922.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Village Reru Chahi
(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Karam Singh s/o Santokh Singh
s/o Santa Singh,
r/o Reru, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ramlal s/o Chohan Mal,
r/o Reru, Teh. Jullundur,
c/o Shri Hari Dass Sarpanch,
Reru.

(Transferee)

(2) As above in Sr. No. 2

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the plot.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Deed No. 6955 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP/923.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Reru Teh. & Distt. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurnam Singh s/o Santokh Singh,
r/o Reru, Teh. Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Lal s/o Chohan Mal,
r/o Reru, c/o Shri Hari Dass Sarpanch,
Village Reru, Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferee)

(2) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the plot.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Kanal 12 Marla land in village Reru as mentioned in deed No. 6956 of Oct. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP/924.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Dhogri, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Maya Wanti, Satwant Kaur,
d/o Sohan Singh of Bal,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Bir Singh, Mohinder Singh, Surjit Singh,
Ss/o Sohan Singh of Bal, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 6622 of October 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP/925.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

See schedule overleaf

situated at Bidipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for

such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Amar Singh S/o Dittu,
V. Gopalpur Alia Bidipur,
Teh. & Disst. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Shri Chander Mahajan S/o Hans Raj
of Jullundur, 19 Shakti Nagar, Jullundur,

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6519 of October, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. 920.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule

situated at Victingam Park, Neqi Gulab Devi Hospital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Suraj Parkash s/o Shri Punoo Lal,
53 Vijay Nagar and
Raj Kumari w/o Shri Piara Lal,
287 New Jawahar Nagar,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Dr. Amarjit Goyal,
s/o Shri Kulwant Rai Goyal,
N.K. 221, Charanjit Pura, Jullundur.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42, 19-M-197 sq ft. at Victingam Park, Near Gulabdevi Hospital, Jullundur mentioned in Deed No. 7161 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Uttamchand Tulsidas & Tulsidas Dhamanlal
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) The Swatantra Bhavan Co-op. Housing Society Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s K. Q. Jairazbhoy, H. Casamally, A. Q. Jairaz-
bhoy, S. Q. Jairazbhoy and H. M. Vishram.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN M. KARVE MARG, BOMBAY-
400020Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 020, the 13th June 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARI/969-9/Oct.74.—Whereas, I, M. J. Mathan,
the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Autho-
rity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43
of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C.S. 653 Malabar & Cumballa Hill Division
situated at Forjett Street
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred as per deed registered
under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
Sub-Registry Bombay on 10-10-74
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at
Forjett Street within the City and Registration Sub-District
of Bombay containing by admeasurement 9710 sq. yds. or
thereabouts and—bounded as follows that is to say on the
North by the property of the withinmentioned Lessors leased
to Dayabhai Draj on the South by the property of the said
Lessors on the West by the Forjett Hill and on the East
by the Forjett Street and which said piece of land forms
portion of lands belonging to the said Lessors and registered
in the books of the Collector of Bombay under New No.
3422 New Survey No. 7064 and bearing C.S. No. 653
(Malabar & Cumballa Hill Dvn.) and assessed under "D"
No. 3420(2), 3420(3), 3423(2), 3452(1) and 3425(1A)
Street Nos. 22A, 23A, 24 4A-5-6 and 6A Forjett Street.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
person namely :—

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 13-6-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Three Aces, at Abids Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Subash, S/o Tukaram Keshwarkar, House No.
4-1-308 at Bank Street, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 21st June 1975

Ref. No. RAC. No. 45/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of H. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

35—146GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 2 and first floor in premises No. 4-1-938 at Tilak Road, Hyderabad. Measuring 43.69 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 21-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Three Aces, at Abids Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Manickamma, Kashackar, H. No. 4-1-308 at
Bank St., Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 21st June 1975

Ref. No. RAC. No. 42/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Portion of H. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the IndianRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at

Hyderabad on 24-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any Income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the fol-
lowing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'Said Act', shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4 and first floor in premises No. 4-1-938
measuring 45.32 Sq. Yards, in Tilak Road, Hyderabad.K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad,

Date : 21-6-1975,

Seal ;

FORM ITNS—

(1) M/s. Three Aces, at Abids Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri K. Vijay Prakash, 2. K. Subash, and 3. Sri K. T. Anil Kumar, 4. Manikamma, H. No. 4-1-308 Bank St. Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 21st June 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC., No. 41/75-76.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Shop-cum-Stair case with first floor and Tarace forming part of house No. 4-1-938 Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Three Aces, at Abids Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri K. T. Anil Kumar, H. No. 4-1-308 at Bank
Street, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 21st June 1975

Ref. No. RAC. No. 43/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Portion of H. No. 4-1-308 situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-
gistering officer at
Hyderabad on 24-10-74for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 3 and first floor, in premises No. 4-1-938
measuring 43.69 Sq. Yards in Tilak Road Hyderabad.K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 24-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 23rd June 1975

Ref. No. C.A.5/October74/Sholapur/211/1975-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C.T.S. No. 10392-1, F.P. No. 42 situated at Sholapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sholapur on 31-10-74
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Ambalal Purushottam Patel, General Mukhtyar
for Vijay Land and Estate Corporation, 240-A,
Murshid Building, South Kasba Main Road,
Sholapur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ambadas Purushottam Patel, (2) Shri
Rameshwar Deokisan Sarda "Nandini" Nasik Poona
Road, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Land. Out of plot bearing C.T.S. No. 10392-1
Final Plot No. 42 in T.P. Scheme No. 1 of Sholapur. Area :
60,211 Sq. ft. (Property as mentioned in the Registered Deed
No. 3051 of October, 1974 of the Registering Authority
Sholapur).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date : 23-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 21st June 1975

Ref. No. C.A. 5/October '74/Sholapur/209/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Gat No. 17/2 situated at Bale (Sholapur)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at
Sholapur on 17th October, 1974
for an appa-
rent consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Smt. Tarabai Hanumant Ranade,
112-A, 'Tara Niwas',
Modikhana,
Sholapur.

(Transferor)

(2) Shri Bhimashankar Dharmappa Bhogade,
446, North Kasba peth,
Sholapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Agricultural land at Gat No. 17/2, Village Bale,
Tal. North, Sholapur, Dist. Sholapur.
Area: 6 Acres—34 Gunthas.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2957
dated 17-10-1974 of the Registering Authority, Sholapur.)

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 21-6-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-411004.

Poona-411004, the 23rd June 1975

Ref. No. C.A. 5/October '74/Sholapur/212/1975-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 10392-1, F.P. No. 42, situated at Sholapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 31-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ambalal Purushottam Patel,
General Mukhtyar for
Vijay Land and Estate Corporation,
240, A Murshid Building, South Kasba Main Road,
Sholapur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ambadas Purushottam Patel,
2. Shri Kisanlal Bastiram Sarda,
"Nandini" Nasik Poona Road,
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Land.—Out of Plot bearing C.T.S. No. 10392-1 Final Plot No. 42 in T.P. Scheme No. 1 of Sholapur.
Area: 40,000 sq. ft.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3057 of October, 1974 of the Registering Authority, Sholapur).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Poona,

Date: 23-6-1975.
Seal:

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1975

Ref. No. Acq/38/Firozabad/74-75/552.—Whereas, I F. J. Bahadur being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moh. Islamganj, Firozabad, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 9-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

(1) Shri L. Ratan Lal S/o Late L. Phoolchand, self and guardian of S/Sri Narendra Kumar and Rajendra Kumar, minors, Ss/o L. Ratan Lal; and Mukhtaram of Snehdevi D/o self and Om Prakash and Virendra Kumar Ss/o L. Ratan Lal and Mst. Ramsakhi W/o Ratanlal, Smt. Saroj Devi, Smt. Prabhadevi Ds/o L. Ratan Lal, Firozabad, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Nannumal S/o Late L. Mukandi Lal and Radhey Shyam and Shyam Sunder S/o L. Nannu Mal, Trustees, Nannumal Foundation (Charitable Trust), Firozabad, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 29 quarters situated in Mohalla Islam Ganj, Firozabad, Distt. Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-6-75

Seal:

FORM ITNS

(1) Sri M. Jaswantha Rao, S/o Sri M. Ramiah, H. No. 3-42 at Kukatpally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Narasingh Rao, S/o M. Ramiah, H. No. 3-42 at Kukatpally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Hyderabad, the 23rd June 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 46/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-52 situated at Kukatpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 3-52 at Kukatpally, Hyderabad.
Area : 451 Sq. Meters.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri K. Vijay Prakash, S/o Tukaram Keshwarkar,
H. No. 4-1-308 at Bank Street Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st June 1975

Ref. No. RAC. No. 44/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-
ramanbeing the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingPortion of No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 24-10-74for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said ins-
trument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

(1) M/s. Three Aces, at Abids, Road, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Shop No. 1 first floor of house No. 4-1-938 at
Tilak Road, Hyderabad, measuring 47.29 Sq. Mtrs.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date: 21-6-1975,

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 27th May 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/239.—Whereas, I V. P. Mittal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plant & Machinery No. Factory Shed, situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 1st October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Golden Dairy Products, 6 & 6A, Industrial Area, Kota with partners (i) Shri Kaluram Sikhwal S/o late Radha Kishan Sikhwal (ii) Shri Ranglal Sharma S/o Shri Shriram Sharma, Small Scale Industrial Area, Kota.

(Transferor)

(2) M/s. Jayshree Milk Products, Industrial Area, Kota with partners (i) Shri Sugan Chand Saraogi S/o late Shri Jorawermal Saraogi (ii) Shri Keshri Mal Jain S/o late Shri Jorawermal Jain (iii) Shri Shanti Lal Saraogi S/o Shri Sugan Chand Saraogi (iv) Shri Babu Lal Saraogi S/o Shri Sugan Chand Saraogi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the buildings constructed for factory and non factory purpose on plots of land No. 6 & 6A in the Small Industrial Area, Kota alongwith Plant & Machinery, stores, spares & Office furnitures.

V. P. MITTAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 27-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Swaran Lata Bhatt W/o Shri Gopeswer Bhatt (ii) Shri Gopeswer Bhatt S/o Shri Narain Das Bhatt, R/o Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri (i) Manohar Das (ii) Jugal Kishore (iii) Nawal Kishore Agrawal, Cheeni-ki-Burj, Gangori Bazar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1975

Ref. No. Raj/TAC/(Acq)/238.—Whereas, I V. P. Mittal being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B 144/A, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28 Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Portion (Northern) of plot No. B-144, known as B-144/A, Moti Doongri extension scheme, Jaipur with construction thereon and boundary walls.

V. P. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-5-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pandaswara Parvatamma W/o. Janardhana Rao,
Gunturivari Thota, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Smt. Makineni Tirupatamma, W/o. Vecraiah, Rail-
peta GTR. 2. Sri. Makineni Peda Rattaiah, Railpeta,
Guntur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1975

Ref. No. Acq. File No. 197/J. No. I(537)/74-75.—Whereas,
I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Door No. 9-10-2 situated at Kothapeta, Guntur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Guntur on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 17th October,
1974 vide registered document No. 5533/74 dt. 26-10-74 re-
gistered before the SRO, Guntur.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 16-6-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th June 1975

Ref. No. Acq. File No. 198/J. No. I(519)/74-75.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 31-76 situated at Vinukonda (Rice & Flour Mill), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vinukonda on 15-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Vuppala Rama Koteswara Rao, S/o Bapaiah Vinukonda, 2. Tadepally Satyanarayana, S/o. Nagabhusanam, Kolluru 3. Bayisani Venkata Subba Rao S/o Laxminarayana, Kolluru, 4. Smt. Videla Narayanamma, W/o. Laxmaiah, 5. V. Anjaneyulu, 6. V. Chinna Anjaneyulu, 7. V. Srinivasarao, 5, 6 & 7 being minors-represented by mother Narayanamma, Kandlagunta, 8. Kapilavai Venkatappaiah, S/o. Guruvaiyah, Narasaraopet, 9. Vobulisetty Markandayya, S/o. Laxmaiah and 10. V. Kasi Viswanatham, Kandlagunta, 11. Gopavarapu Venkaiah, S/o. Seshiah, Narasaraopet.

(Transferors)

- (2) 1. Nidadavolu Jaggaiah, 2. Nidadavolu Narasimha Rao, 3. Nidadavolu Pattabiramaiah, 4. N. Satyanarayana Murthy and 5. Chitturi Subba Rao, (1,2&3)—Gopanahalli—Davanagiri Taluk—Chitra Drug Dt. Karnataka. (4&5) Kumbaluru-Davanagiri Taluk—Chitra Drug Dt. Karnataka.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property viz—the land, mill premises and machinery at Vinukonda as shown in Partnership deed dated 21st October, '74 pertaining to the document Nos. 1711 to 1717 registered at Sub-Registrar, Vinukonda dt. 15-10-74.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 16-6-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1974

Ref. No. F. No. Acq/193/M Nagar/74-75/2245 —
Whereas, J. Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- consideration therefor by more than fifteen per cent of (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 22-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jyotsna Kumari Swarup w/o Gopal Raj Swarup Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

—Tenants of Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Brahma Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

—Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds. Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc. Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
- (1) Ground floor : 15859 sq. ft. Upper Story : 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1974.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1974

Ref. No. A. No. Acq/191/M Nagar/74-75/2244.—

Whereas, I. Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffar Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Prabhat Kumar Swarup, Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

—Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual).

Shri Brahma Swarup (Individual)

Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

—Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

(1) Ground floor : 15859 sq. ft.

Upper Story : 2000 sq. ft.

(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds.

all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR,

Kanpur, the 2nd December 1974

Ref. No. F. No. Acq/194/173/M Nagar/74-75[94]2243.—
Whereas, J. Y. Khokhar,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muzaffarnagar on 21-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Keshav Kumar, Swarup Ram Bagh, Muzaffarnagar.
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

37—146GI/75

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

(1) Ground floor : 15859 sq. ft.

Upper Story : 2000 sq. ft.

(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 19-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1974

Ref No. F. No. Acq/192/M Nagar/74-75/2246.—

Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lala Gopal Raj Swarup
Ram Bagh Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd.
Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam
Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar. (Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman. Muzaffarnagar

—Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)
Smt. Vidvawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Hari Raj Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)
—Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of :

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.
Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.
Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
(1) Ground floor : 15859 sq. ft.
Upper Story : 2000 sq. ft.
(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds all single storied.
Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 10-10-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gobordhan Roy.
Shri Kamta Prasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Sm. Dhano Debi 2. Sri Nanda Kishore Yadav.
3. Sri Chandika Shaw 4. Sri Munalal Shaw 5. Sri
Umesh K. Singh 6. Sri Gopal Shaw 7. Sri Rabi
Roy 8. Sri Priyalal Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1975

Ref. No. TR-341/C-326/Cal-1/74-75—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Tiljala Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdas on 14-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land containing an area of 3 Kotta, 14 ch. and 22 sft together with undivided 1/2 share of common passage along with structures situated at No. 1, Tiljala Road, P. S. Benjapukur, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16

Date : 26-6-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-874/165—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Deed No. 7415 situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rup Narain S/o Radha Krishan C/o Madras
Leather Store Kotwali Bazar, Jullundur City.
(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Chopra S/o Sardar Chand Chopra
of M/s Rajan Industries, Phagwara Gate, Jullundur.
(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be inter-
ested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 7415 of
November, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-6-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June, 1975

Ref. No. AP 890/75-76/Jullundur.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6852 situated at Udham Singh Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chanan Singh S/o Sh. Bhola Singh 191, Shakti Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Uma Kalra w/o Sh. Chaman Lal S/o Gebana Ram, H.O. 92, Saida Gate, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6852 of Oct., 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 24-6-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-891/182—Whereas I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3255 situated at Jandiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr in Oct., 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Parminder Singh S/o Davinder Mohan V. Jandiala Present Address Doaba Body Builder, Near Railway Gate, G. T. Road, Jullundur
(Transferor)

2. S. Surinder Singh S/o Malkit Singh R/o Jandiala, P/o Jandiala.
(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3255 of Oct., 1974 of the Registering Authority Nawanshehr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Sh. Ram Asra S/o Bhujia Ram, R/o Chahl Kalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(2) (1) S/Sh. Mohinder Singh Baldev Singh,
(2) Sukhvinder Singh Ss/o Chanan Singh R/o
Balakipur, P/o Jandiala.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property].(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property].

Jullundur, the 24th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 892/75-76/Nawanshehr.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See -schedule_overleaf situated at Jandiala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawanshehr in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3578 of November, 1974 of the Registering Authority.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24 June 1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (2) S/Sh. Mohinder Singh,
(2) Shri Baldev Singh and Sukhvinder Singh S/o
Charan R/o Balakipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P. 893/Nawanshehr/75-76.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sec schedule, situated at V. Jandiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Nawanshehr in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3579 of November, 1974 of the Registering Authority Nawanshehr,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

(1) Sh. Swarn Dass S/o Booja Ram R/o Chahl Kalan,
(Transferor)

Date : 24 June 1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Surinder Kaur W/o Sr. Harbhajan Singh V.
Chakzindan, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vishal Kakkar S/o Ravinder Kumar Kakkar S-147,
Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property].

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P. 894/75-76/Jullundur.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (See schedule) situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Oct., 74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—146GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6644 of Oct., 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Jullundur,

Date : 24th June, 1975,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-895/75-76/Jullundur.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6645 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surinder Kaur,
W/o Sr. Harbhajan Singh,
V. Chakzindan,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Rattan Devi,
W/o Shri Des Raj Kakkar of
S-147, Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6645 of October, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-896/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6592 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surinder Kaur,
W/o Sr. Harbhajan Singh,
V. & P.O. Chakzindan,
Teh. & Distt. Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar,
S/o Shri Avinashi Lal Kakkar,
C/o S-147, Industrial Area, Jullundur. (Transferee)

*(3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6592 of October, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-897/Jullundur/1975-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6593 situated at Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surinder Kaur,
W/o Sr. Harbhajan Singh,
V. Chak Zindan,
Teh. & Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Kakar,
W/o Ravinder Kumar,
S-147, Industrial Area, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As above in Sr. No .2
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6593 of October, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

(1) Shri Manohar Singh, S/o Gopal Singh,
Vill. Rurki Muglan, Teh. Balachor,
Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bahadur Singh S/o Swarn Singh,
Village Ramrepur, Teh. Nawanshahr,
Distt. Jullundur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-898/189/Balachor/1975-76.—Whereas I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 961 situated at Village Garle Dhaha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Balachor in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- * (3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)
- * (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 961 dated 30-11-1974 of the Registering Authority Balachor.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

Village Nangal now Baddon,
Teh. Garh Shankar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gursewa Singh S/o Balwant Singh,
S/o Parduman Singh,
R/o Baddon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

* (3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)

* (4) Any person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-899/190/Jullundur/75-76.—Whereas I,
Ravinder Kumar,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 2447

situated at Village Nangal

(and more fully described in the Schedule annex-
ed hereto) has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Garh Shankar in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Balbahadur Singh,
Son of Parduman Singh,

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2447
of October, 1974 of the Registering Authority Garh
Shankar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

* (Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-901/Balachor/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 963

situated at Garle Dhaha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachor in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Swarn Singh S/o Gopal Singh,
Village Rurke Muglan,
Teh. Balachor, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Didar Singh S/o Swarn Singh
Village Ramrepur, Teh. Nawanshahr.

(Transferee)

*(3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 963 of November, 1974 of the Registering Authority Balachor.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24th June 1975

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-902/Balachor/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Balachor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachor in October 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kum. Prem Lata D/o Niranjn Singh,
S/o Prameshwari Dass, R/o Balachor.
(Transferor)
2. Kum., Usha Devi D/o Niranjn Singh
S/o Prameshwari Dass, R/o Balachor.
(Transferee)
3. Kum. Sunder Lata D/o Niranjn Singh,
S/o Prameshwari Dass, R/o Balachor.
- (2) Shri Chand Roop,
S/o Niranjn Dass S/o Premeshwar Das,
R/o Balachor, Present Address of both transfe-
rors and transferees Village Nagla,
R/o Handesra, Via Ambala City.
- (3) As above in Sr. No. 2
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 869 of October, 1974 of the Registering Authority Balachor.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24th June 1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June, 1975

Ref. No. A.P. 903/75-76/Hoshiarpur.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Baghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hoshiarpur in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

39—146GI/75

(1) Shri Vas Dev S/o Sh. Phullu Ram S/o Sh. Lachhmi Narain, R/O H. No. WG-596 Near Jyoti Cinema, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh S/o Munshi Ram Garden Colony, Jullundur.

(Transferee)

(2) As above in Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2892 of October, 1974 of the Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Swarn Singh S/o Gopal Singh Vil. Rurki Muglan, Teh. Balachor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagtar Singh S/o Swarn Singh R/o Vil. Ramre-pur, Teh. Nawanshehr, Distt., Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(2) As above in Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to
be interested in the property].

Jullundur, the 24th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 904/Balachor/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Garle Dhaha, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Balachor in November, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed 962 of November, 1974 of the Registering Authority Balachor.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-6-1975

Seal :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-905/Balachor/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Rattewal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachor, in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Banta & Dhanoo Ss/o Ram Ditta Vil. Rattewal, Teh. Balachor.
(Transferor)
- (2) S/Shri Karam Chand, Ram Parkash Ss/o Ganga Ram Vil. Udhanwal, Udhanwal. Teh. Balachor
(Transferee)
- (2) As above in No. 2.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 890 of the date October, 31, 1974 of the Registering Authority Balachor.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-906/Nawanshehr/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Th. Nawanshehr Vill. Barnala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawanshehr, in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Man Singh S/o Mangal Singh R/o Barnala Kalan.
(Transferor)
- (2) The Doaba Nawanshehr Co-Operative House Build Society Nawanshehr (Through Mohan Lal Sethi, Secretary).
(Transferee)
- (3) (i) As above in Sr. No. 2.
(ii) 582—
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3251 of October, 1974 of the Registering Authority Nawanshehr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P. 907/Nawanshehr/75-76.—Whereas, I,
Ravinder Kumar,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Barnala,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr, in October, 1974,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surjit Singh S/o Mangal Singh R/O Barnala Kulan Teh. & P/o, Nawanshehr. (Transferor)
- (2) Legal heirs of Sh. Harjit Singh
1. Mrs. 2. Ashok Kumar 3. Bhupinder Singh 4. Narinder Singh Ss/o Lt. Harjit Singh.
S/o Chhaju Ram R/o Harjit Niwas Kothi Road, Nawanshehr. (Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3066 of October, 1974 of the Registering Authority Nawanshehr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.908/Balachor/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mukhomazara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shankar, in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Reshma Devi D/o Nathu Ram S/o Talu R/o Mukhomazara, Teh. Garh Shankar.

(Transferor)

- (2) Smt. Jamuna Devi W/o Hoshiar Singh S/o Nathu Ram R/o Mukhomazara P/o Barian Kalan, Teh. Garh Shankar.

(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2276 of October, 1974 of the Registering Authority Garh Shankar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-909/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Model Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Murari Lal S/o Mela Ram, Model Town Self & G. A. to S/Shri Bhagat Ram, Sohan Lal & Puran Dass Ss/o Lal Singh 656-L Model Town, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shrimati Usha Ohri W/o Brij Mohan Ohri, Hindustan Automobiles Ltd., Mowali Tank, Burd Road, Bangalore-2.
(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 7050 of October, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-910/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Basti Mithu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur, in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(1) Shri Gurdial Singh S/o Jiwan Singh, Basti Mithu, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Joginder Singh S/o Arjan Singh 2. Jit Kaur W/o Harbans Singh, 3. Sham Kaur W/o Makhan Singh 4. Prem Kaur W/o Harnam Singh R/o 387 WG, Basti Mithu, Jullundur Teh.

(Transferee)

(2) As above in Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7104 of October, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mehar Singh S/o Bhagat Singh C/o Khalsa Engg. Works, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(2) Shri Rup Narain C/o Madras Leather Store, Kotwali Bazar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-911/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jullundur, in November, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

40—146GI/75

House as mentioned in the registered deed No. 7534 of November, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-912/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bastian Adda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Jullundur, in November, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mehar Singh S/o Bhagat Singh S/o Santa Singh C/o M/s Khals Engg. Works, Industrial Area, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Rup Narain S/o Shri Radha Krishan S/o Chander Bha, C/o Madras Leather Store, Kotwali Road, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 7225 of November, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'T. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-913/Jullundur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bastian Adda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mehar Singh S/o Bhagat Singh S/o Santa Singh C/o M/s Khalsa Engg. Works, Industrial Area, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Rup Narain C/o Shri Radha Krishan S/o Chander Bhan, C/o Madras Leather Store, Jullundur, Kotwali Road.

(Transferee)

(3) As above in No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 7416, of November, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-914/205.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Danishmanda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Singh S/o Chanda Singh of village Danish-manda.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Chopra S/o Shri Ram Nath Chopra 229 WR, Basti Sheikh Jullundur.

(Transferee)

(3) As above in No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 6 K-15 M—3-7+ on Basti Danishmanda as mentioned in deed No. 7022 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-915/206.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Basti Bawa Khel Raj Nagar (Jull), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pritam Kaur w/o Late Col. Ram Singh Sarkaria s/o S. Ajaib Singh Basti Bawa Khel c/o Col. Gurdial Singh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Kanta w/o Kailash Chander & Smt. Veena Rani w/o Harbans Lal, 23 Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As above in No. 2.

[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 K-7 M in Basti Bawa Khel, Raj Nagar as mentioned in deed No. 6587 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P.-916/207.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalip Singh S/o Hira Singh V. Kang Sabhoo
Teh. Nakodar.
(Transferor)

- (2) Shri Dalbar Singh S/o Harnam Singh V. Kang Sabhoo,
Distt. Jullundur Teh. Nakodar.
(Transferee)

- (3) As above in Sr. No. 2.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7151 of October, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. AP-917/208.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7169 situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Oct., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parwati d/o Ganga Devi w/o Sh. Nihal Chand, R/o Bhargo Camp., Jullundur.
(Transferor)
- (2) Sh. Harnam Singh s/o Lakha Singh s/o Sher Singh R/o Bhargo Camp Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registered Deed No. 7169 of October, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th June 1975

Ref. No. A.P. No. 9/8.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No. as per schedule situated at Basti Danishmanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Oct., 74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (1) Sh. Tara Singh s/o Chandu Singh, Basti Danishmanda, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Sh. Mohinder Singh s/o Surat Singh 1/3, Smt. Raj Kaur w/o Harvinder Singh s/o Mohinder Singh 2/3 share of H. No. 484 Patel Nagar, Sodal Road, Industrial Area, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7023 of Oct., 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24-6-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY

Bombay-400 020, the 13th June 1975

No. ARI/979-6/Oct. 74.—Whereas, I, M. J. Mathan, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 497 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Plot No. 40 of Gamdevi Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry Bombay on 24-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—146G1/75

(1) Premkuverbai Purshottam & Kusumbai
Krishnakumar

(Transferor)

(2) Thakkar Kanjibhai Devkaran & Ors

(Transferee)

(3) Tenants,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground containing the area of 1058.75 sq. yds (868.53 sq. mets.) or thereabouts situate on and being Plot No. 40 of the Gamdevi Estate of the Trustees for Improvement of the City of Bombay in the City Island and Registraion Sub-District of Bombay and bounded on the South-East by Plot No. 39 of the said Estate on the South-West by land of the said Trustees for the Improvement of the City of Bombay laid out as a service passage on the North West by Plots Nos. 41-42 leased to Abdullahhai Jiwanji and Sarafally Ebrahimji and on the North-East by Alexandra Road and forming a part of land bearing New Survey No. 7335 and C.S. No. 497 of Malabar and Cumballa Hill Division together with the Mesuage tenement or dwelling house of a ground and two upper floors and out-houses and motor garage or shed standing thereon and assessed in 'D' Ward New Nos. 2828(11) and 2883(11A) and New Street No. 18 Alexandra Road.

M. J. MATHAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 13-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Jehangir Hormusjee Cama & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400 020, the 13th June 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. ARI/962-2/Oct 74.—Whereas, I, M. J. Mathan, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. C.S. 674 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Peddar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 11-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as so defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of Pension Tax and Tenure redeemed forming part of the land described in the First Schedule hereto containing by admeasurement 2100 sq. yds. equal to 1755.81 sq. mts. or thereabout situate, lying and being at Peddar Road in the City and Island of Bombay in the Registration District Sub-District of Bombay bearing C.S. No. 674 (pt) of Malabar Hill and Cumballa Hill Divn. and Municipal D Ward No. 3481/3482 (1B) Street No. 62CC Peddar Road, and bounded on or towards the North partly by the property on Plot No. 9 belonging to Peddar Road Chandan Co-operative Housing Society Ltd. and partly by private road and beyond that by the property of Bomanji Petit Hospital, on or towards the South by the property belonging to Sir Neville Wadia, on or towards the West by Plot Nos. 3 and 4 being part of the property described in the First Schedule and on or towards the East by the property on Plot No. 7 belonging to Mount Unique Co-operative Housing Society Ltd.

M. J. MATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 13-6-1975.

Seal